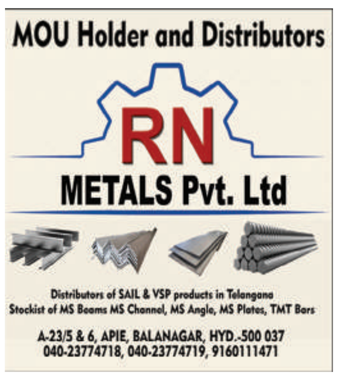

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 01 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-01

जापान और कोरिया में घंटिया बजाकर नए साल का स्वागत

ऑस्ट्रेलिया में नदी किनारे लाखों लोग जुटे

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बीच जश्न

नई दिल्ली, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सहित दुनियाभर में साल 2026 का आगाज हो चुका है। दिल्ली में देर रात सैकड़ों की संख्या में लोग इंडिया गेट पर इकट्ठा हुए और काउंटडाउन के साथ 12 बजते ही नए साल का जश्न मनाया। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बीच लोगों ने 2026 का स्वागत किया।

न्यूजीलैंड 2026 में सबसे पहले एंट्री करने वाले चुनिंदा देशों में शामिल रहा। यहां ऑकलैंड स्थित 240 मीटर ऊंचे स्काई टावर में 12 बजते ही करीब 3,500 पटाखे छोड़े गए। स्काई टावर न्यूजीलैंड की सबसे ऊंची बिल्डिंग है। दुनिया के सबसे पूर्वी हिस्से में स्थित होने के कारण, न्यूजीलैंड में सबसे पहले नया साल शुरू होता है।

जापान, चीन और सिंगापुर में आतिशबाजी के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट किया गया। साउथ कोरिया में एक बड़ी घंटी बजाकर नए साल के आगाज का ऐलान किया गया। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी हार्बर में पारंपरिक आतिशबाजी देखने के लिए हजारों लोग पहुंचे।

वहीं, मेलबर्न के आसमान में 7 मिनट तक हुई आतिशबाजी ने शहर को रोशनी से भर दिया। दुनियाभर में अलग-अलग टाइम जोन के कारण 29 देश ऐसे हैं जो भारत से पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरिबाती, समोआ और टोंगा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, म्यांमार, जापान इंडोनेशिया, बांग्लादेश, नेपाल आदि देश हैं।

साल 2025 के आखिरी दिन और नए साल की शुरुआत से पहले हिमाचल प्रदेश के शक्तिपीठ श्री नैना देवी के मंदिर में भक्तों का बड़ी संख्या में आगमन देखने के लिए मिला। कड़कड़ाती सर्दी में भक्त मां नैना देवी के दर्शन के लिए लंबी लाइनों में लगे हैं। ऐसा ही नजारा हरिद्वार के मां मनसा देवी मंदिर में भी देखने को मिल रहा है, जहां मां की जय-जयकार से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा है।

नए साल पर जिनपिंग का संदेश: ताइवान का चीन के साथ एकीकरण समय की मांग, ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध का भी किया जिक्र

बीजिंग,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को कहा कि ताइवान का फिर से चीन के साथ एकीकरण रोका नहीं जा सकता। अपने नए साल के संबोधन में उन्होंने देश की बढ़ती रक्षा क्षमताओं का जिक्र किया और ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण पर भी प्रकाश डाला। जिनपिंग ने नए साल 2026 के अवसर राष्ट्र के नाम संदेश में कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर रहने वाले चीनी लोगों के बीच खून और रिश्तेदारी का संबंध है। हमारी मातृभूमि का फिर से एकीकरण समय की मांग है और इसे रोका नहीं जा सकता। यह बात उन्होंने ऐसे समय में कही, जब बीत तीन दिनों में चीनी सेना ने स्वशासित द्वीप ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास तेज किए हैं। चीन उसे अपने मुख्य भूभाग का हिस्सा

मानता है। वर्ष 2022 के बाद यह छठी बार है, जब चीन ने वायुसेना के नवीनतम लड़ाकू विमानों, विमानवाहक पोतों, मिसाइलों और ड्रोन की मदद से ताइवान पर कब्जे का अभ्यास करते हुए सैन्य अभ्यास किए हैं। अपने संबोधन में शी जिनपिंग (72 वर्षीय) ने अर्थव्यवस्था, रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में बीजिंग की प्रगति पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, यारलुंग त्सांगपो नदी (जिसे ब्रह्मपुत्र कहा जाता है) के निचले हिस्से में जलविद्युत परियोजना का निर्माण शुरू हो गया है। चीन ने पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील तिब्बत में बांध का औपचारिक रूप से निर्माण शुरू कर दिया है। यह बांध अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर 170 अरब डॉलर की लागत से बनाया जा रहा है। इससे भारत और बांग्लादेश के निचले हिस्सों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।शी जिनपिंग ने चीन के पहले ऐसे विमानवाहक पोत के संचालन का भी जिक्र किया, जिसमें विद्युत चुंबकीय प्रक्षेपक प्रणाली लगी है। 'फुजियान' नाम का यह पोत अमेरिका के यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड के बाद दुनिया का दूसरा ऐसा विमानवाहक पोत है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में चीन की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि ह्यूमनॉइड रोबोट कुंग फू किक कर रहे थे और ड्रोन ने शानदार लाइट शो प्रस्तुत किए।चीन की अर्थव्यवस्था लगभग पांच फीसदी की धीमी वृद्धि का सामना कर रही है और निर्यात पर अधिक निर्भर है। अर्थव्यवस्था को लेकर जिनपिंग ने कहा कि इस साल चीन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 20 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचने वाला है। उन्होंने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था निरंतर नए मुकाम हासिल कर रही है और इस साल यह 140 ट्रिलियन युआन (लगभग 20 ट्रिलियन डॉलर) तक पहुंचने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने मिनेसोटा का चाइल्ड केयर फंड रोका

वाशिंगटन। अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग (एचएचएस) ने वायरल धोखाधड़ी के आरोपों का हवाला देते हुए मिनेसोटा राज्य के संघीय चाइल्ड केयर फंड (बाल देखभाल भुगतान) पर रोक लगा दी। एचएचएस के उप सचिव जिम ओ'नील ने एक्स में मंगलवार को इस कदम की घोषणा करते हुए लिखा, ''मिनेसोटा और पूरे देश में बड़े पैमाने पर खुली धोखाधड़ी हो रही है। हमने पैसे का भुगतान रोक दिया है। धोखाधड़ी का पता लगाया जा रहा है।'' सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओ'नील ने यह जानकारी साझा करते हुए वीडियो का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसमें कंजर्वेटिव यू-ट्यूबर निक शर्ली ने आरोप लगाया कि फंड लेने वाले मिनेसोटा के लगभग एक दर्जन डे केयर सेंटर असल में सेवाएं नहीं दे रहे हैं। ओ'नील ने कहा कि एजेंसी ने वीडियो में बताए गए सेंटरों की पहचान कर ली है। राज्य से उनका व्यापक विवरण मांगा गया है। राज्य के रिकॉर्ड के अनुसार, दो डे केयर सेंटर को छोड़कर सभी मान्यता प्राप्त हैं। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज के प्रवक्ता ने बयान में कहा, ''गवर्नर वर्षों से धोखाधड़ी से लड़ रहे हैं, जबकि राष्ट्रपति धोखेबाजों को जेल से बाहर निकाल रहे हैं। धोखाधड़ी गंभीर मुद्दा है। लेकिन यह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। इससे मिनेसोटा के लोगों को नुकसान होगा। लोगों की मदद करने वाले सरकारी कार्यक्रमों की फंडिंग नहीं बंद की जानी चाहिए।'' ओ'नील ने कहा कि अब देश भर में किए जाने वाले सभी भुगतानों के लिए किसी भी राज्य को पैसे भेजने से पहले एक शपथपत्र, एक रसीद और फोटो की जरूरत होगी। एचएचएस के साझा किए गए एक वीडियो में एजेंसी के प्रमुख एलेक्स एडम्स ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन फॉर चिल्ड्रन एंड फैमिलीज सालाना मिनेसोटा को चाइल्ड केयर फंड में लगभग 185 मिलियन डॉलर (1,661.22 करोड़ रुपये) भेजता है।

ईरान-वेनेजुएला हथियार व्यापार को लेकर अमेरिका ने नए प्रतिबंध लगाए

वॉशिंगटन। अमेरिका ने ईरान और वेनेजुएला के बीच कथित हथियार व्यापार को लेकर सख्त कदम उठाते हुए 10 व्यक्तियों और संस्थाओं पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने मंगलवार को बताया कि ये प्रतिबंध ईरान के आक्रामक हथियार कार्यक्रम से जुड़े होने के आरोप में लगाए गए हैं। ट्रेजरी विभाग के अनुसार, वेनेजुएला स्थित एम्प्रेसाए यरोनॉटिका नेसियोनाल एसए (EANSA) और उसके चेयरमैन जोस जीसस उर्दानेता गोंजालेज को प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिका का आरोप है कि इन दोनों ने ईरान और वेनेजुएला के बीच मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), यानी ड्रोन के व्यापार में भूमिका निभाई। बयान में कहा गया कि उर्दानेता ने EANSA की ओर से वेनेजुएला और ईरान की सशस्त्र सेनाओं के अधिकारियों के साथ समन्वय कर वेनेजुएला में ड्रोन उत्पादन को आगे बढ़ाया। ट्रेजरी विभाग में आतंकवाद और वित्तीय खुफिया मामलों के अवर सचिव जॉन हर्ली ने कहा कि अमेरिका ईरान के सैन्य-औद्योगिक तंत्र को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली तक पहुंच से वंचित करने के लिए तेज और निर्णायक कार्रवाई करता रहेगा। हाल के महीनों में अमेरिका ने वेनेजुएला पर दबाव बढ़ाया है और दक्षिणी कैरेबियाई क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य तैनाती की है।

तारिक रहमान ने मां खालिदा जिया को दी श्रद्धांजलि

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने अपनी मां पूर्व

प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। तारिक ने उन्हें प्रभावशाली राष्ट्रीय नेता और प्यारी मां के तौर पर याद किया। बीएनपी अध्यक्ष खालिदा का कल सुबह ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, तारिक ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि खालिदा जिया का सार्वजनिक जीवन त्याग और संघर्ष से भरा रहा। वही घर और परिवार की सबसे सच्ची संरक्षक थीं। उन्होंने लिखा, 'उनके असीम प्यार ने हमें हमारे सबसे मुश्किल पलों में ताकत दी।' खालिदा के बड़े बेटे तारिक ने कहा, 'कई लोगों के लिए वह देश की नेता थीं, बिना समझौता करने वाली नेता, लोकतंत्र की जननी, बांग्लादेश की मां थीं।' उन्होंने कहा कि देश को उनकी कमी खलेगी। राजनीतिक संघर्ष के दिनों को याद करते हुए तारिक ने कहा कि उनकी मां को कई बार गिरफ्तार किया गया। उन्हें चिकित्सा सुविधा से वंचित रखा गया। मां ने उसे सहा। दर्द, कैद और अनिश्चितता के बावजूद मां ने साहस और करुणा के साथ अपने परिवार की रक्षा की।

अमेरिका के बाद चीन ने ठोका दावा कहा भारत पाक के बीच शांति ड्रेगन ने कराई

बीजिंग,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

वैश्विक भू-राजनीति में बढ़ती उथल-पुथल के बीच चीन ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उसने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए सशस्त्र संघर्ष को सुलझाने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। बीजिंग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हालातों और चीन के विदेश संबंधों पर आधारित एक संगोष्ठी में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष चीन द्वारा सुलझाए गए प्रमुख संवेदनशील मुद्दों में भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव भी शामिल रहा। वांग यी के इस दावे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई चर्चा छेड़ दी है, क्योंकि भारत सदैव तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का विरोध करता रहा है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वांग यी ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद यह साल स्थानीय युद्धों और सीमा पार संघर्षों के लिहाज से सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि चीन ने स्थायी शांति स्थापित करने के लिए एक वस्तुनिष्ठ और तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाया, जिसका उद्देश्य समस्याओं के लक्षणों और उनके मूल कारणों, दोनों का समाधान करना था। चीनी विदेश मंत्री ने सूची गिनाते हुए कहा कि उनके देश ने न केवल भारत-पाकिस्तान तनाव, बल्कि उत्तरी म्यांमार, ईरान के परमाणु मुद्दे, फलस्तीन-इजराइल और कंबोडिया-थाईलैंड के बीच संघर्षों में भी मध्यस्थता की है। चीन के अनुसार, उसके इस कूटनीतिक दृष्टिकोण का उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करना है। हालांकि, चीन का यह दावा भारत के आधिकारिक रुख से मेल नहीं खाता है। भारत स्पष्ट रूप से कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ उसके सभी विवाद द्विपक्षीय हैं और इसमें किसी भी तीसरे देश के हस्तक्षेप के लिए कोई स्थान नहीं है। इस वर्ष 7 से 10 मई के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के संदर्भ में भारत का कहना है कि इसका समाधान दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच हुई सीधी बातचीत के माध्यम से हुआ था। ज्ञात हो कि भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मई को पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी ठिकानों के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। उस दौरान चीन की भूमिका, विशेष रूप से पाकिस्तान को दी गई सैन्य सहायता और उसके बाद संयम बरतने की अपीलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी आलोचना और जांच की गई थी।

सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्यग्रहण 2027 में, पूरी दुनिया में छा जाएगा अंधेरा

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों के लिए सूर्यग्रहण दिलचस्पी का केंद्र रहा है। 2 अगस्त 2027 को धरती पर सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्यग्रहण पड़ेगा। इस दौरान 6 मिनट 23 सेकंड तक ग्रहण के चलते आसमान में अंधेरा छा जाएगा, लेकिन इसके साथ ही यह भी चर्चा है कि क्या पूर्ण सूर्यग्रहण पर पूरी धरती पर अंधेरा छा जाएगा। इसके लिए हमें ग्रहण को समझना होगा कि वे कैसे काम करते है और उनकी अंधेरा करने की क्षमता किसी क्षेत्र विशेष पर कैसे असर डालती है। बता दें सूर्यग्रहण एक खगोलीय घटना है, जो सूर्य चंद्रमा और पृथ्वी के क्रमशः एक सीध में आने के चलते होती है। पूर्ण सूर्यग्रहण तब होता है जब चांद सीधी रेखा में सूर्य और पृथ्वी के बीच में आ जाता है। इस संयोजन के चलते सूर्य का कोरोना चांद के पीछे छिप जाता है और पृथ्वी पर चंद्रमा की परछाई पड़ती है। इससे आसमान में शाम जैसा नजारा नजर आता है। इस परछाई को अंब्रा कहते हैं। अंब्रा काफी पतली होती है। अंब्रा कुछ दर्जन से लेकर कुछ सौ किलोमीटर चौड़ी पट्टी हो सकती है जो एक घुमावदार लाइन बनाती है। इसे पाथ ऑफ टोटैलिटी यानी ग्रहण का मार्ग कहा जाता है। इसका मतलब है कि उस पतले मार्ग पर आने वाले लोगों को ही ग्रहण का अंधेरा महसूस होता है। यही वजह है कि कोई भी सूर्य ग्रहण पूरी दुनिया में एक साथ नहीं कर सकता। इसमें 2027 का पूर्ण सूर्यग्रहण भी शामिल है। पृथ्वी के बाकी हिस्सों पर या थोड़ी छाया पड़ती है या बिल्कुल नहीं पड़ता। यह निर्भर करता है कि वे कितनी दूर हैं। पृथ्वी बड़ी है और लगातार घूमती रहती है। इसलिए चांद की छाया एक हिस्से पर ज्यादा देर नहीं पड़ती है। 2027 का पूर्ण सूर्यग्रहण अपनी लंबाई के चलते बेहद खास हो जाता है। यह इसलिए क्योंकि उस दौरान सूर्य पृथ्वी से अपनी अधिकतम दूरी पर होगा जबकि चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होगा। इसके चलते यह बड़ा दिखेगा और ज्यादा समय तक छाया को रोकेगा। इस अवधि का पूर्ण सर्यग्रहण 2114 तक नहीं देखा जा सकेगा। यही वजह है कि इसे सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण कहा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2 अगस्त 2027 को होने वाला पूर्ण सूर्यग्रहण पूर्वी अटलांटिक से शुरू होगा। यह उत्तरी अफ्रीका से होते हुए, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया, मिस्र और मिडिल ईस्ट और भूमध्य सागर के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ेगा। मिस्र के लक्सर और असवान में सबसे लंबे समय तक ग्रहण रहेगा। पूर्ण सूर्यग्रहण में आसमान में अंधेरा छा जाएगा। तापमान कम हो सकता है और सूर्य का कोरोना डिस्क के चारों ओर हल्ला चमकेगा।

सोमालीलैंड को मान्यता देकर इजराइल ने किया अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

रियाद,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ओआईसी देशों ने की फैसले की निंदा, कहा- यह इजराइल की विस्तारवादी सोच

सोमालिया से अलग हुए सोमालीलैंड को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने के इजराइल के फैसले पर मुस्लिम देशों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर के देशों ने इजराइल के इस फैसले के खिलाफ बयान जारी किए हैं। बयान जारी करने वाले देशों में सऊदी अरब, ईरान, तुर्की और पाकिस्तान जैसे देश भी शामिल हैं। ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की ओर से भी सोमालीलैंड को देश के रूप में मान्यता देने के इजराइल फैसले की निंदा की गई है। ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन के विदेश मंत्रियों ने बयान जारी कर कहा है कि 26 दिसंबर 2025 को सोमालिया गणराज्य के सोमालीलैंड क्षेत्र को इजराइल के मान्यता देने को हम खारिज करते हैं। ऐसा अप्रत्याशित कदम हॉर्न ऑफ अफ्रीका और लाल सागर ही नहीं पूरी दुनिया की शांति और सुरक्षा पर गंभीर असर डालेगा। इजराइल ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। हम इस तरह की मान्यता की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का गंभीर उल्लंघन किया है। जहां राष्ट्रों की संप्रभुता और उनकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने की अनिवार्यता साफ तौर पर बताई गई है। यह इजराइल की विस्तारवादी सोच है। सोमालिया गणराज्य की संप्रभुता का पूरा समर्थन हम करते हैं। सोमालिया की एकता उसकी क्षेत्रीय अखंडता या उसके पूरे क्षेत्र पर उसकी संप्रभुता को कमजोर करने वाले किसी भी कदम का हम खंडन करते हैं। किसी देश के हिस्सों को मान्यता देना एक गंभीर मिसाल है। यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। साथ ही यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मुख्य सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। इजराइल के इस तरह के कदम और फिलिस्तीनी लोगों को उनकी जमीन से जबरन निकालने की किसी कोशिश के बीच किसी संभावित संबंध को भी हम नकारते हैं। इसे सिद्धांत के तौर पर किसी भी रूप में साफ तौर पर खारिज किया जाता है। सोमालिया में साल 1991 में पूर्व तानाशाह जनरल सियाद बर्रे के खिलाफ आंदोलन के बाद सोमालीलैंड ने अलग होने का ऐलान किया था।

थाईलैंड ने 18 कंबोडियाई सैनिकों को रिहा किया

थाईलैंड। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हाल ही में हुए संघर्षविराम के लागू रहने के बीच थाईलैंड ने 18 कंबोडियाई सैनिकों को रिहा कर दिया है। ये सैनिक पिछले करीब पांच महीनों से थाई हिरासत में थे। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि सैनिकों को कंबोडिया सौंपना 'सद्भावना और विश्वास-निर्माण' के तहत किया गया कदम है। कंबोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सभी 18 सैनिक बुधवार सुबह स्थानीय समयानुसार करीब 10 बजे प्रुम सीमा चौकी के रास्ते कंबोडियाई क्षेत्र में सुरक्षित पहुंच गए। बताया गया कि ये सैनिक जुलाई महीने में सीमा पर हुई झड़पों के दौरान पकड़े गए थे और करीब 155 दिनों तक थाई हिरासत में रहे। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में दोनों देशों के बीच सीमा पर फिर से हिंसक झड़पें शुरू हो गई थीं। इससे पहले जुलाई में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की मध्यस्थता से संघर्षविराम कराया गया था, लेकिन वह टूट गया था।

चीनी इंटरनेट पर वायरल हो रही.....एक साधारण कार्गो जहाज की तस्वीर

बीजिंग,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

चीनी इंटरनेट पर कुछ तस्वीरें वायरल हुई हैं। यह एक साधारण कार्गो जहाज है जिसपर मिसाइल लांचर भरे पड़े हैं। यह जहाज झोंग डा 79 नाम का मध्यम आकार का कंटेनर जहाज है, जिसके डेक पर कंटेनरों में वर्टिकल लांच सिस्टम (बीएलएस) लगे हुए हैं। इसमें से कई कंटेनर मिसाइल लांच करने के लिए बने हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीन की नौसेना की ताकत बढ़ाने की एक नई रणनीति हो सकती है।

इस जहाज पर करीब 60 बड़े बीएलएस सेल लगे हैं। ये सेल 5 चौड़े और 3 गहरे सीरीज में हैं। हर कंटेनर में 4 लांच ट्यूब हैं। यह संख्या अमेरिकी नौसेना के अरलेघ बर्क क्लास डिस्ट्रॉयर की मिसाइल क्षमता का दो-तिहाई है। इन सेलों में एंटी-शिप मिसाइलें, लैंड-अटैक क्रूज मिसाइलें या एयर डिफेंस मिसाइलें रखी जा सकती हैं।

जहाज के आगे की तरफ एक बड़ा रोटेटिंग फेज्ड-एरे रडार लगा है, जो तीन कंटेनरों के ऊपर है। इसके बगल में एक डोम वाला रडार या कम्युनिकेशन सिस्टम लगा है। जहाज के आगे वाले हिस्से में टाइप 1130 क्लोज-इन वेपन सिस्टम लगा है, जो 30एमएम की गन है। आने

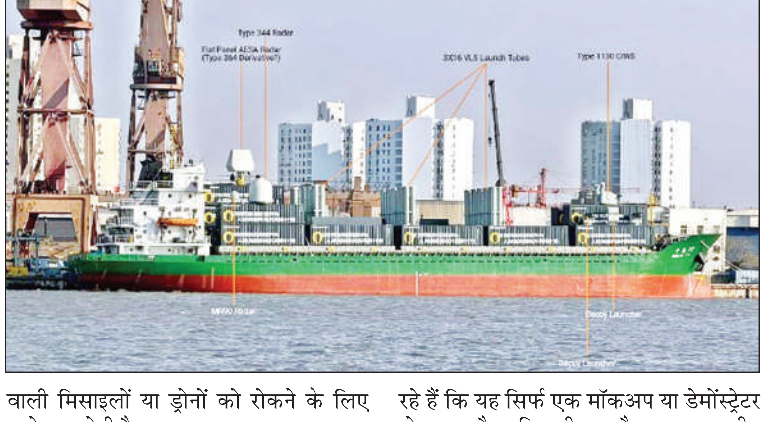

वाली मिसाइलों या ड्रोनों को रोकने के लिए इस्तेमाल होती है।

यह जहाज शंघाई के एक शिपयार्ड में खड़ा है। सैटेलाइट तस्वीरों से साफ होता हैं कि इसकी मरम्मत अप्रैल से अगस्त 2025 तक हुई थी। विशेषज्ञ कहते हैं कि कंटेनरों पर लिखा टेक्स्ट थोड़ा मजाकिया है, जो असली पीएलए प्रोजेक्ट्स में नहीं होता। इसलिए कुछ लोग सोच रहे हैं कि यह सिर्फ एक मॉकअप या डेमोंस्ट्रेटर हो सकता है, न कि पूरी तरह तैयार जहाज। चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा कमर्शियल शिपिंग फ्लीट है। अगर वह अपने साधारण जहाजों को इसतरह के हथियारों से लैस कर ले, तब युद्ध के समय यह बहुत बड़ी ताकत बन सकता है। ये जहाज सामान्य ट्रैफिक में छिपकर दुश्मन पर अचानक हमला कर सकते हैं।

संयुक्त अरब अमीरात ने अपनी शेष सैन्य टुकड़ियों को वापस बुलाया, भयानक होता खून खराबा

अबु धाबी,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

मध्य पूर्व की भू-राजनीति में एक बड़े घटनाक्रम के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने यमन में तैनात अपनी शेष सैन्य टुकड़ियों को वापस बुलाने का आधिकारिक निर्णय लिया है। यह कदम सऊदी अरब और यूएई के बीच यमन में सैन्य अभियानों के उद्देश्यों को लेकर बढ़ते मतभेदों और हालिया तनाव के बाद उठाया गया है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला हालिया घटनाक्रमों और आतंकवाद-रोधी अभियानों की प्रभावशीलता पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए स्वेच्छा से लिया गया है। यह निर्णय न केवल यमन के गृहयुद्ध की दिशा बदल सकता है, बल्कि खाड़ी के दो सबसे शक्तिशाली सहयोगियों के बीच दरकते रिश्तों को भी सार्वजनिक रूप से उजागर करता है।

दोनों तेल-समृद्ध पड़ोसी देशों के बीच विवाद की जड़ें तब और गहरी हो गईं जब सऊदी अरब ने अबू धाबी पर यमन के दक्षिण में सक्रिय एक

अलगाववादी गुट, सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी), को समर्थन देने का आरोप लगाया। सऊदी अरब का मानना है कि इस समर्थन से उसकी अपनी सीमा की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। तनाव उस समय चरम पर पहुंच गया जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के मुकल्ला बंदरगाह पर हवाई हमले किए। सऊदी अरब का दावा था कि ये हमले यूएई के फुजैरा बंदरगाह से आई हथियारों की एक खेप को नष्ट करने के लिए किए गए थे, जो कथित तौर पर एसटीसी को सप्लाई किए जा रहे थे। हालांकि, यूएई ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उस खेप में हथियार नहीं, बल्कि केवल सैन्य वाहन शामिल थे।

यमन का यह संघर्ष रणनीतिक और मानवीय दृष्टि से अत्यंत जटिल है। साल 2014 से जारी इस युद्ध में अब तक करीब चार लाख लोगों की जान जा चुकी है। जहाँ सऊदी अरब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार का समर्थन करता है, वहीं यूएई एसटीसी के पक्ष में खड़ा दिखता है, जो यमन के दक्षिणी हिस्से में अलग संप्रभुता की मांग कर रहा है। यमन की भौगोलिक स्थिति सामरिक शिपिंग मार्गों के केंद्र में होने के कारण यह संघर्ष वैश्विक व्यापार के लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है, विशेषकर तब जब हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

सऊदी अरब और यूएई के बीच यह प्रतिस्पर्धा केवल यमन तक सीमित नहीं है। ओपेक में तेल उत्पादन के स्तर को लेकर मतभेद, विदेशी निवेश आकर्षित करने की होड़ और अपने-अपने देशों के आर्थिक विविधीकरण की कोशिशों ने भी दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट पैदा की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इस स्थिति पर चिंता जताते हुए संयम और कूटनीति अपनाने की अपील की है। सऊदी अरब ने उम्मीद जताई है कि यूएई द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

हार्दिक शुभकामनाएं

हमारे कँवर सा

श्रीमान उमेशजी बागरेचा

(सुपुत्र : स्व. श्री अमरचंदजी बागरेचा)

श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद के कार्यकारीणी चुनाव में
अरिहंत पैनल के नेतृत्व मे भारी बहुमत से विजयी होने पर
एवं **जैन समाज** की प्रतिष्ठीत संस्था के **अध्यक्ष पद**
पर सुशोभित होने पर अनेको अनेक बधाई एवं शुभकामनायें...

आपके कार्यकाल मे श्री जैन सेवा संघ अहिर्निश प्रगति पथ पर बढता रहे एवं संघ नई ऊँचाईयो को छुए ऐसी मंगल कामनाये...

तारादेवी रतनचंदजी पारेख

धीरज पारेख, नरेश - कोमल पारेख
शुभ, मोक्ष पारेख एवं समस्त पारेख परिवार
(पावा - राजस्थान - हाल काचीगुडा, हैदराबाद)
रेखा भरतजी राठौड, यश, इशा राठौड (पूना)

RAJ RATAN KITCHEN GADGETS - TARA CHEM. RAMKOTE, HYDERABAD. PH : 98497 08633, 90300 12501

DHANLAXMI CHEM., PUNE. PH: 95886 93381

Chandraprabha Graphics 984 99 88 999

I Love GauMata
Love for Cow Foundation
Prani Mitra Ramesh Jagirdar Memorial Foundation
Jasmat Patel - 72880 47779
Ridesh Jagirdar - 98499 88999

|| जय नंदी बाबा || || श्री करनला || || जय गोमाता ||

|| सेवा || || सुरक्षा || || सम्मान ||

भूले नहीं याद रखें 27 अप्रैल 2026 {गो सम्मान दिवस}

को प्रात: हम सभी भारतवासियों, गो प्रेमियों को अपने-अपने तहसील/ब्लॉक कार्यालय जाकर तहसीलदार अथवा ब्लॉक अधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम का प्रार्थना पत्र तसीलदार अथवा उपखण्ड अधिकारी को देना है

गो सम्मान आह्वान अभियान

All Social Media Address
Gau samman aahvaan abhiyaan

||अभियान कार्यकारिणी ||

प्रधान संरक्षक - गौमाता (आद्यशक्ति मां सुरभि)
अध्यक्ष - नंदी बाबा (नीलमणि वृषभदेव)

आशीर्वाद- भारतीय परम्परा के समस्त आराध्य देवी देवता।

सेवा और सहयोग :- भारतीय परम्परा के समस्त आचार्य, मूर्धन्य संत महापुरुष, गो संत, गो भक्त, गोरक्षक, गो सेवक, गो पालक, गो पुत्र, गो वत्स और समस्त गो प्रेमी जन।

| | गो सम्मान आह्वान अभियान के मुख्य उद्देश्य | |

केंद्र सरकार और देश की सभी राज्य सरकारों से राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना कर गो माता को

(1) सेवा (गो माता को उचित अनुसंधान और अनुदान मिले)
(2) सुरक्षा (भारत से गोहत्या पूरी तरह समाप्त हो)
(3) सम्मान गो माता राष्ट्रमाता (राष्ट्रदेव, राष्ट्रआराध्या, राष्ट्र धरोहर, राष्ट्र आधार बने) का मौलिक अधिकार प्रदान करवाना।

||गो महिमा||

(1) गोमाता 33 कोटि देवी देवताओं की सात्विक शक्ति अपने तन में समाहित रखती हैं।
(2) गोमाता का दूध, दही, घी सात्विक निरापद आहार होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है।
(3) गोमय और गोमूत्र दिव्य औषधि होने के साथ-साथ विषमुक्त कृषि का मूल आधार है।
(4) भारतीय संस्कृति, परंपरा, संस्कार और जीवनशैली बिना गोमाता के अकल्पनीय है।
(5) राष्ट्र गौरव, राष्ट्र रक्षा, राष्ट्र शांति और राष्ट्र का वास्तविक विकास गोमाता की सेवा सुरक्षा और सम्मान के बिना संभव नहीं है।

प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउण्डेशन लव फॉर काऊ फाउण्डेशन की ओर से सभी को गोमाता की सेवा, सुरक्षा, सम्मान - गो सम्मान आह्वान अभियान मे जुडने का निवेदन

NSP N.S. PATEL AGENCIES · Vnext · ATUM VISAKA · INFRA.MARKET AAC BLOCKS · UNICEIL · PROMINANCE · MAHA CEMENT

BUILDING TRUST. BUILDING HYDERABAD.

ONE PARTNER. EVERY MATERIAL YOUR PROJECT NEEDS.

- V-Next Boards & Panels
- Atum Solar Roofing
- AAC Blocks
- Maha Cement (PPC | OPC | HD+)
- Uniceil Wall & Ceiling Systems
- AC sheet
- Prominance uPVC & Aluminium Systems
- Tiles

WHY BUILDERS & DEALERS CHOOSE NSP?

44+ years of industry legacy · Reliable supply & consistent quality · 400+ dealer network · Trusted by architects, contractors & developers

Now Supplying Across Hyderabad & Telangana

Rama Krishna Patel +91 95504 17777 | Jasmat Patel +91 7288-047779

Visit Our Website

KUTCHHI CRICKET CLUB, HYDERABAD
presents the ultimate cricket extravaganza
Gaurav CUP KPL-11 KUTCHHI PREMIER LEAGUE

MAIN SPONSOR: Gaurav CATERERS Where quality counts..
YOUTUBE SPONSOR: BALAJI RATANLAL MITHAI BHANDAR
LUCKY DRAW SPONSOR: BIGSHOT GROUP
ASSOCIATE SPONSOR: FUSION THE MALL, CA
CO-SPONSOR: fanzart LUXURY DESIGNER FANS, Jk artekraaft, SAMUNDRA MASALA
MEMENTO SPONSOR: BULK GIFT
TEAMS: Shanti Ke Sitare, RAJ ROYALS, Shanti, Arya AVENGERS, Vishal Warriors, MARC, Tip-Top Chandan Champs, Catalyst, PASHVA PATRIOTS, SACHIN

ON SUNDAY, 4TH JANUARY 2026 AT HANUMAN VYAYAM SHALA SCHOOL

BANNER SPONSORS & ACKNOWLEDGING PARTNERS

ADINATH ENTERPRISES
ALKA WATCH & ELECTRONICS
B G TRONICS
BOMBAY DRESSES
BOMBAY STORES
DRESS LAND
ELITE GRAINS
FURIAS KIDS ZONE
HAPPY MOMENTS
JILL APPAREL
KASTURI & CO.
KIRTI KUMAR NANJI GALA
LEO PACKERS & MOVERS
M H ENTERPRISES
NAMO MARKETING
NAVRANG
PADMAVATI ENTERPRISES
PIND DA CHASKA
RUSHABH TRADERS
SAVLA FOODS
SHREE RAJ MARKETING
SHREE KESAR TRADING CO.

NOTE: ENTRY RESTRICTED TO ONLY KMM MEMBERS AND KCC FAMILY MEMBERS

SPECIAL THANKS

MESO RAMESH SAVLA
AAKAR DECORATORS
BHAVESH COSMETICS
DAKSHIN DARSHAN
HOTEL D AND J GRANDE
GALAXY PHOTOGRAPHY
I SQUARE ENTERTAINMENT

वैवाहिक वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

पारस व धारीणी

(पुत्र व पुत्रवधु : जयाबेन रमेश जागीरदार)
विवाह की २५वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई
25 YEAR WEDDING ANNIVERSARY

HAPPY ANNIVERSARY
Lodaya - Jagirdar Family
Atlas Advertising & Designing
Prani Mitra Ramesh Jagirdar Memorial Foundation

श्रापित हैं शनि, इन्हें शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है

पुराण के मतानुसार शनिदेव सूर्य के पुत्र हैं, जो उनकी छाया नामक पत्नी से उत्पन्न हुए हैं। पिता की आज्ञा से शनिदेव ग्रह बने तथा अपनी पत्नी के श्राप की वजह से उन्हेंूर रूप प्राप्त हुआ। कहा जाता है कि शनि की पत्नी चित्ररथ गंधर्व की कन्या थी, जो उग्र स्वभाव की थी। एक बार शनिदेव भजन में लिप्त थे। वह ऋतु-स्नान व श्रृंगार कर रमण करने के उदेश्य से वहाँ आयी, परंतु शनि ने उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया। इससे क्रोध में आकर उनकी पत्नी ने उन्हें श्राप दे दिया कि तुम्हारी दृष्टि जहाँ पर भी पडेगी, वहाँ विनाश ही विनाश हो जाएगा। ऐसा भी कहा जाता है कि गणेश जी का सिर कटने की वजह शनि ग्रह की उन पर पडने वाली दृष्टि ही थी। शनि का वर्ण काला है।

इनका वाहन गिद्ध तथा भैंसा हैं तथा इस ग्रह के पीछे अधिष्ठित देवता भैरव हैं। एक कथा के अनुसार शनि के द्वारा रोहिणी नक्षत्र का भेदन अच्छा नहीं होता है, क्योंकि राजा दशरथ प्रजा की रक्षा करने के लिए शनि देव को रोहिणी नक्षत्र का भेदन करने से रोकने के लिए उनसे युद्ध करने गये। जिससे प्रसन्न होकर शनिदेव ने उन्हें वर मांगने को कहा था, तब राजा दशरथ ने उनसे रोहिणी-भेदन न करने का वर मांगा, जिसे शनिदेव ने स्वीकार कर लिया तथा उन्होंने रोहिणी-भेदन नहीं किया। शनिदेव बचपन से ही क्रोधी स्वभाव के थे। एक बार उन्होंने अपनी माँ छाया को तुरंत भोजन देने के लिए कहा, परन्तु माता के यह कहने पर कि भोजन भोग लगाने के पश्चात् दूंगी, शनिदेव ने अपना एक पांव उठाकर मां पर प्रहार करना चाहा, जिससे क्रोध में आकर उनकी माता ने उन्हें श्राप दिया कि उनका पांव इसी समय टूट जाये तथा वे लंगडे हो जायें। तभी से शनिदेव लंगडे हो गये। नवग्रहों में शनि ग्रह अपना एक अलग ही महत्व रखता है। शनि ग्रह को ूर तथा तामसिक ग्रह भी कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर तथा कुंभ राशि पर शनि ग्रह का स्वामित्व होता है। शनि ग्रह तुला राशि में उच्च तथा मेष राशि में नीच होता है। शुक्र ग्रह को शनि का सबसे घनिष्ठ मित्र तथा सूर्य को सबसे बडा शत्रु कहा गया है। शनिदेव एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने में लगभग ढाई वर्ष का समय लेते हैं। शनि ग्रह की गणना पाप ग्रहों में की जाती है। इनके विषय में यह भी कहा जाता है कि अगर ये विपरीत चल दें तो सम्राट को भी भिखारी बना सकते हैं। शनि ग्रह के पास तीसरी, सातवीं तथा दसवीं पूर्ण दृष्टियाँ भी हैं।

शनि ग्रह के बुध, शुक्र, राहु मित्र हैं तथा सूर्य, चंद्र, मंगल शत्रु तथा गुरु व केतु सम हैं। शनि ग्रह की महादशा 19 वर्ष की होती है। लग्न राशि या चंद्र राशि से बारहवें स्थान पर शनिदेव के आने पर साढेसाती का प्रारंभ माना जाता है तथा द्वितीय स्थान से निकल जाने को शनि की साढेसाती का अंत माना जाता है।

इसके अतिरिक्त लग्न राशि या चंद्र राशि से चौथे या आठवें स्थान पर शनिदेव के भ्रमण को ढैंया कहकर पुकारा जाता है। शनिकृत पीडा को शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है।

सरसों के तेल का दान, उडद या बादाम का दान। बजरंग बाण का पाठ। भैरव चालीसा का पाठ। स्नान से पहले तेल मालिश। शनिवार को मंदिर में बताशे चढाना। लोहे का कडा धारण करना। शनिवार को एक नारियल मंदिर में चढाना।

वाहन तथा पहनने वाले जूतों को ठीक रखना भी शनि को अच्छा लगता है।

जब भगवान राम ने दिया था हनुमान को मृत्युदंड

हिन्दू घर्म के महान ग्रन्थ रामायण मे सब जानते है भगवान राम के सबसे बडे भक्त हनुमान जी थे, परन्तु फिर ऐसा क्या हुआ की भगवान राम ने हनुमान जी को मृत्यु दंड दिया और जब हनुमान जी मत्यु को प्राप्त नहीं हुए तो उन पर ब्रहमास्त्र चलाया, आइये जानते है क्या हुआ था की भगवान राम को उनके सबसे प्रिय भक्त को मृत्युदंड देना पडा।

श्री राम जब अयोध्या के राजा बने तो नारद मुनि ने हनुमान जी से ऋषि विश्वामित्र के सिवाय सभी साधुओं और ऋषियों से मिलने को कहा क्योंकि विश्वामित्र कभी महान राजा हुआ करते थे। हनुमान ने इसका पालन किया लेकिन इससे विश्वामित्र को कोई फर्क नहीं पडा।

तब कपट से नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और उन्हें हनुमान के खिलाफ भडकाया। इसके बाद विश्वामित्र हनुमान पर बेहद गुस्सा हो गए और उन्होंने भगवान श्रीराम से हनुमान जी को मौत की सजा देने के लिए कहा।राम अपने गुरु विश्वामित्र की बात टाल नहीं सकते थे इसी कारण उन्होंने हनुमान जी को मृत्युदंड दियाज मृत्युदंड देने के बाद भगवान राम ने हनुमान जी पर बाण चलाए लेकिन हनुमान राम का नाम जपते रहे और उनको कुछ नहीं हुआ। भगवान श्री राम को अपने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा का पालन करना ही था इसलिए श्रीराम ने हनुमान पर बह्वमास्त्र चलाया। आश्चर्यजनक रूप से राम नाम का जप कर रहे हनुमान जी का ब्रह्मास्त्र भी कुछ नहीं बिगाड पाया। यह सब देखकर नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और अपनी भूल स्वीकार की। ऐसा कहा जाता है की एक बार जब हनुमान जी ने माता सीता को मांग मैं सिंदूर लगाते हुए देखा तो हनुमान जी ने इसका कारण पूछा। तब सीता मां ने उन्हें बताया कि इससे भगवान राम की आयु बढेगी। जब हनुमान ने यह सुना तो उन्होंने सोचा कि जब मांग में सिंदूर भरने से भगवान राम की आयु बढती है तो क्यों न पूरे शरीर में ही सिंदूर लगा लिया जाए। और तब से हनुमान जी पुरे शरीर पर सिंदूर लगाते है और व्ही प्रथा चली आ रही है और आज भी हनुमान जी की मूर्ति को सिंदूर लगाया जाता है। श्री राम का अपने भक्तहनुमान से युद्ध भी हुआ था। भगवान राम के गुरु विश्वामित्र के निर्देशानुसार भगवान राम को राजा ययाति को मारना था। राजा ययाति ने हनुमान से शरण मांगी। हनुमान ने राजा ययाति को वचन दे दिया। हनुमान ने किसी तरह के अस्त्र-शस्त्र से लडने के बजाए भगवान राम का नाम जपना शुरू कर दिया। राम ने जितने भी बाण चलाए सब बेअसर रहे। विश्वामित्र हनुमान की श्रद्धाभक्ति देखकर हैरान रह गए और भगवान राम को इस धर्मसंकट से मुक्ति दिलाई।

अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं

एक मूर्तिकार था। वह ऐसी मूर्तियां बनाता था, जो सजीव लगती थीं। लेकिन मूर्तिकार को अपनी इस कला पर अहंकार था। जब उसे लगने लगा कि उसकी मृत्यु आने वाली है तब उसने यमदूतों को भ्रम में डालने के लिए स्वयं की सजीव मूर्तियां बनाईं। उसने अपने जैसी करीब 10 मूर्तियां बनाईं और उन मूर्तियों के बीच में जाकर बैठ गया।

जब यमदूत आए तो उन्हें 11 मूर्तियां दिखाईं दीं। वह एक जैसी 11 मूर्तियां देखकर हैरान थे।

वह एक विषम परिस्थिति में फंस गए। वो यह कि यदि मूर्ति तोडते हैं तो कलाकार के सम्मान को ठेस पहुंचेगी और यदि मूर्तिकार को यमलोक नहीं ले जाएंगे तो प्रकृति का नियम टूटा जाएगा।

तब एक यमदूत को मानव स्वभाव के एक गुण अहंकार के बारे में ध्यना आया। उसने कहा, इन 11 मूर्तियों में से एक मूर्ति में एक त्रुटि है।

जैसे ही यमदूत ने यह वाक्य कहे, मूर्तिकार तुरंत बोल उठा, कौन सी मूर्ति में कैसी गलती। फिर क्या था यमदूत उस मूर्तिकार को तुरंत यमलोक ले गए।

उन्होंने कहा, अहंकारवश यही गलती तो की है तुमने कि तुम बोल उठे। संक्षेप में अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं। यह गुण जब स्वभाव में आ जाता है तो अपना ही नहीं औरों का भी नुकसान करवाता है।

वनस्पति और तंत्र साधना

तंत्र साधना में अनेक प्रकार की वनस्पति का प्रयोग किया जाता है। श्वेतार्क मूल जिसे मदार कहते हैं तंत्र में सर्वाधिक प्रयुक्त होता है। सफेद आकड़े की जड़ को तांत्रिक विधि से प्राप्त करके रवि पुष्य योग में अभिमंत्रित करके यदि उसकी दैनिक पूजा की जाए तो समृद्धि प्राप्त होती है। हाथाजोड़ी की जड़ को अभिमंत्रित कर इसका उपयोग सम्मोहन, वशीकरण और धन वृद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष से प्राय: सभी लोग परिचित है। इसका सर्वाधिक प्रयोग जप करने की माला और पहनने के लिए किया जाता है।

एकांक्षी नारियल को लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसका तंत्र में प्रयोग संपन्नता, समृद्धि की दृष्टि से लाभकारी माना गया है। तंत्र में कुशा का प्रयोग होता है। नागकेसर का तंत्र साधना में प्रयोग समृद्धि और वशीकरण के लिए किया जाता है। रवि पुष्य नक्षत्र में नागदमन के पौधे की जड़ को अभिमंत्रित करके प्रयोग में लेने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। साथ ही सर्वत्र सम्मान और विजय प्राप्त होती है।

गूलर का प्रयोग हवन करने, संतान प्राप्ति, वशीकरण, सुख समृद्धि के लिए अभिमंत्रित करके किया जाता है। लक्ष्मणा के पौधे को शुभ मुहूर्त में लाकर अभिमंत्रित कर लेने से अनेक विघ्न-बाधाओं से मुक्ति मिलती है। निर्गुणी अरहर के पेड जैसा होता है।

ये 3 सिक्के दरवाजे पर ऐसे लगाएं तो महालक्ष्मी आती हैं घर के अंदर तक...

धन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए जरूरी है महालक्ष्मी की प्रसन्नता। जिस व्यक्ति से देवी लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती हैं उसे पैसों की परेशानियों से तुरंत ही मुक्ति मिल जाती है। देवी की कृपा प्राप्ति के लिए हमारे घर की स्थिति का शुभ होना भी अनिवार्य है।

वास्तु एवं फेंगशुई के अनुसार यदि घर के वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा सक्रिय रहती है तो हमें कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही महादेवी लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त नहीं हो पाती है। घर और घर के आसपास की नेगेटिव एनर्जी को दूर करने के लिए मुख्य द्वार पर लाल रिबन में बंधे तीन फेंगशुई सिक्के लटकाएं। ध्यान रहें ये सिक्के दरवाजे के अंदर की ओर लटकाने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि बाहर लगाने पर महालक्ष्मी घर के अंदर प्रवेश नहीं करती हैं, दरवाजे पर ही रुक जाती हैं। अत: दरवाजे के अंदर की ओर सिक्के लटकाएं। इन सिक्कों के प्रभाव से वातावरण में मौजूद नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव खत्म हो जाता है और सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है।

महालक्ष्मी की कृपा के लिए ये सिक्के काफी कारगर माने गए हैं। इसके अलावा घर को पूर्णत: पवित्र और स्वच्छ रखें। किसी भी प्रकार की गंदगी वास्तु दोष उत्पन्न करती है।

सुखी दाम्पत्य जीवन के अचूक उपाय

पति-पत्नी के बीच तनाव होना आम बात है। जहां प्यार होता है वहां विवाद भी होता ही है लेकिन जब यह विवाद अधिक हो जाता है तो जीवन नरक के समान लगने लगता है।

पति-पत्नी में विवाद के कई कारण हो सकते हैं। यदि आपके साथ भी यही समस्या है तो नीचे लिखे उपाय करने से आपकी यह समस्या हल हो जाएगी।

उपाय

- गोमती चक्र को लाल सिंदूर की डिब्बी में घर में रखें तो दाम्पत्य जीवन में सुख-शांति रहती है।
- पंचरत्न सोते समय अपने सिरहाने रखें, प्रात:काल उठकर सर्वप्रथम उसका दर्शन करने से कुछ समय के बाद पति व पत्नी में विवाद समाप्त हो जाता है।
- प्रतिदिन एक गेंदे का फूल जो पूर्ण विकसित हो, उस पर थोड़ा सा कुंकुम लगाकर किसी देवमूर्ति के सामने या तुलसी के पौधे पर चढ़ाने से पति-पत्नी के बीच का तनाव कम हो जाता है।
- किसी एक छोटे बच्चे को प्रतिदिन उसकी मनचाही वस्तु कुछ दिनों तक लाकर दें। ऐसा करने से दाम्पत्य जीवन में आ रही परेशानियां स्वत: ही समाप्त हो जाती है।
- यदि पति-पत्नी के बीच बात ज्याद ही बिगड़ जाए तो तीन गोमती चक्र लेकर घर के दक्षिण में हलूं बलजाद कहकर फेंद दें, मतभेद समाप्त हो जाएगा।

शंखनाद से सेहत

हिंदू धर्म में पूजा के दौरान शंख बजाना एक परंपरा है। हालांकि इसके कई लाभ हैं। **शंखनाद में सेहत का राज:** हमारे यहां मंदिरों में सुबह और शाम के समय आरती में शंखनाद किया जाता है। इसका अपना धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व है। धर्मग्रंथों के अनुसार शंखनाद शुभ होता है। इसीलिए पूजा-पाठ के अलावा विवाह, विजयोत्सव, राज्याभिषेक, हवन और किसी के आगमन के समय आमतौर पर शंख बजाया जाता है। शंखनाद में हमारी सेहत का राज भी छिपा है। इससे हम स्वस्थ रहते हैं। कई रोगों के कीटाणु भी दूर हो जाते हैं। प्राचीनकाल में युद्ध का आरंभ और समाप्ति शंखनाद से ही होती थी। ऐसा कहते हैं कि इसकी ध्वनि दुश्मनों को कमजोर करती है। शास्त्रों में शंखनाद का महत्व इस प्रकार है-

यस्य शंखध्वनिं कुर्यात्पूजाकाले विशेषत:।
वियुक्त: सर्वपापेन विष्णुना सह मोदते।
(रणवीरभक्ति रत्नाकर)

अर्थात- पूजा के समय जो व्यक्ति शंख ध्वनि करता है, उसके सभी पाप यानी दु:ख दूर होते हैं। वह भगवान विष्णु के साथ आनंद पाता है।

प्रदूषण दूर करने की क्षमता: शंखनाद में प्रदूषण मिटाने की अद्‌भुत क्षमता होती है। एक वैज्ञानिक खोज के अनुसार, शंख की आवाज से कई रोगों के कीटाणु या तो खत्म हो जाते हैं या निष्क्रिय हो जाते हैं। रोजाना सुबह-शाम शंख बजाने से वायुमंडल कीटाणु मुक्त हो जाता है। वैज्ञानिकों का मत है कि सूर्य की किरणें ध्वनि तरंगों में बाधक होती हैं। इसीलिए सुबह-शाम शंख बजाने की परंपरा है।

रोग निवारक शंखनाद: शंख की ध्वनि सुनना हृदय रोगियों के लिए लाभदायक है। बर्लिन विश्वविद्यालय (जर्मनी) के शोध के अनुसार, इससे हृदयाघात नहीं होता। इसकी तरंगें बैक्टिरिया नष्ट करने में सहायक हैं। इससे हैजा, मलेरिया के कीटाणु भी नष्ट होते हैं। शंख ध्वनि से हमारे भीतर रोगनाशक शक्ति उत्पन्न होती है। तनाव, उलडप्रेशर, मधुमेह, नाक, कान व पाचनतंत्र के रोग दूर होते हैं।

जल छिड़कने का रहस्य

पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों के बाद शंख में भरा जल श्रद्धालुओं पर छिड़का जाता है तथा उसे पीते भी हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें कीटाणुनाशक शक्ति के साथ ही गंधक, फास्फोरस व कैल्शियम होता है। इन तत्वों के कुछ अंश जल में भी आ जाते हैं। इसलिए शंख का जल सेहत के लिए लाभकारी होता है।

क्यों टांगते हैं नींबू-मिर्च

हम अक्सर देखते हैं दुकानों और बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर व्यापारी नींबू-मिर्च टांगकर रखते हैं। नींबू और मिर्च का उपयोग अमूमन बुरी नजर से संबंधित मामलों में किया जाता है। दरअसल इसके दो कारण हैं, एक तंत्र-मंत्र से जुड़ा है और दूसरा मनोविज्ञान से। दरअसल नींबू खट्टा और मिर्च तीखी होती है। इन दोनों का यह गुण व्यक्ति की एकाग्रता और ध्यान को तोड़ने में सहायक हैं। इससे व्यक्ति की एकाग्रता टूट जाती है और उसकी बुरी नजर नहीं लगती।

सपने रंगबिरंगे : कितने सच्चे, कितने अच्छे

सपनों की दुनिया अनूठी होती है। सारे संसार में ऐसा कोई व्यक्ति शायद ही हो जिसने कभी कोई सपना न देखा हो। उम्र, वक्त, स्थान, परिवेश तथा देश के अनुसार सपने भी रंग बदलते हैं। बचपन, जवानी और वृद्ध अवस्था में अनुभूत सपनों में अंतर होता है।

- नन्हे बच्चों के स्वप्न प्राय: छोटी-मोटी बातों यानी खिलौनों आदि से जुड़े रहते हैं। कई बार शिशु पालने में स्वयं को देखता है।
- किशोरावस्था में व्यक्ति के सपने खेलकूद, मस्ती, छीना-झपटी से जुड़े रहते हैं।
- युवा मानस रोमांटिक सपने देखता है। प्राकृतिक दृश्यों में आनंद अनुभव करता है।
- अधेड़ व्यक्ति अपनी नौकरी, गृहस्थ जीवन, बच्चों की देखरेख तथा भावी चिंताओं से जुड़े स्वप्न देखता है।
- वृद्ध लोग जीवन में जिन अभावों की पूर्ति के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे तथा परिवेश से लड़ते-झगड़ते रहे। उसी के अनुरूप स्वप्न-दर्शन करता है।
- जीवन के अंतिम चरण की ओर बढ़ता व्यक्ति धर्म स्थानों, मंदिर, गिरिजाघर आदि के समीप मंडराने के स्वप्न देखता है। कई बार गहरी नींद में यमराज का स्वप्न देख बौखला उठता है।

बुरे सपने का अच्छा फल :- माना जाता है कि अच्छे सपने प्राय: शुभ फलदायक नहीं होते, इसी प्रकार बुरे सपने सदा अशुभ नहीं होते। यह धारणा गलत नहीं है। जैसे स्वप्न में अपनी मृत्यु देखना बुरा लगता है, परंतु यह आयु की वृद्धि तथा रोग से मुक्ति को दर्शाता है।

- इसी तरह किसी अपराध के लिए पुलिस द्वारा गोली का शिकार होना उन्नति का सूचक है।
- स्वयं को फांसी पर झूलते देखना तथा लोगों को विलाप करते देखना भाग्य में वृद्धि का सूचक है।
- सांप द्वारा डंक का शिकार होना धन प्राप्ति का सूचक है।

अच्छे सपनों का बुरा फल :- इसके विपरीत अपनी शादी का दृश्य देखना या घोड़ी पर सवार होकर बारात देखना एक बड़ी आपत्ति, भय या मृत्यु का सूचक है।

- स्वयं को सरकार द्वारा सम्मानित होते प्रसन्न भाव में देखना पराजय का संकेत है तथा धन हानि को दर्शाता है।
- कोई युवती यदि हाथों में मेहंदी देखती है तो वह वैधव्य या विवाह-विच्छेद का दुख भोगने वाली होती है।
- यदि कोई गर्भवती स्वप्न में पुत्र जन्म का अनुभव करती है, पुत्र जन्म का स्वप्न देखती है, तो उसे अपने गर्भ की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना चाहिए। ऐसे स्वप्न गर्भपात के सूचक हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काम पूरा होने पर आप रिलैक्स महसूस करेंगे। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है। आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ खुशी के पल बिता सकते हैं। कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं। इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है। धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी। परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे। उनकी सलाह आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगी। शिवलिंग पर जल अर्पित करें, रिश्ते मजबूत होंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कारोबार में व्यस्तता रहेगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है। मेहनत से धन कमा लेंगे। जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं। नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है। समय अच्छा है। कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय रहेंगे। आगे बढ़ने के लिए जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। अविवाहित लोगों को रोमांस के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा के भी योग हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों में भाग लेंगे। आपको सम्मान मिलेगा और नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे। वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे। पुराना भुगतान भी मिल सकता है। प्रतिद्वंद्वी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंध की शुरुआत हो सकती है। परिवार के साथ आनंदपूर्ण समय बिताएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है। खरीदारी के समय जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें। किसी दूर के रिश्तेदार से आया संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा। उलझे काम सुलझाने में स्थितियां आपके पक्ष में होंगी। सोचने के तरीके में बदलाव आ सकता है। दोस्तों से समय पर मदद मिलेगी। ऑफिस के कुछ खास काम सफलतापूर्वक पूरे होंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज माता-पिता बच्चों के साथ पिकनिक का प्लान बना सकते हैं। किसी समारोह में जाने की योजना भी बन सकती है। ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रहेगा। बॉस की बात ध्यान से सुनकर ही अपनी राय रखें। आज थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है। खान-पान हेल्दी रखें। कुछ मामलों में भावुकता बढ़ सकती है। अपने गुरु को उपहार दें, परेशानियां दूर होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

कारोबार में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा। खास लोगों से मुलाकात हो सकती है। नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए राहत मिलेगी। अधिकांश परेशानियां खत्म होने के योग हैं। अधूरा काम पूरा होगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा और लाभ भी होगा। दिन थकान भरा रह सकता है, इसलिए आराम जरूरी है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

स्वयं का व्यवसाय करने वालों के लिए साझेदारी में प्रवेश का अच्छा समय है, जो भविष्य में लाभकारी रहेगा। नौकरी, परीक्षा, प्रतियोगिता या साक्षात्कार में सफलता मिल सकती है। सामाजिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक या शुभ आयोजन हो सकता है। लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक रहेगी। मन शांत और प्रसन्न रहेगा। विवाह योग्य संतान का रिश्ता तय हो सकता है। कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। विदेश से शिक्षा या छात्रवृत्ति से संबंधित शुभ समाचार मिल सकता है। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए कदम लाभ देंगे। घरेलू जरूरतें पूरी न होने से वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। अनजान व्यक्ति से सलाह न लें। बातचीत से समस्या सुलझाने का प्रयास करें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ मूवी का प्लान बन सकता है, जिससे रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी। नए लोगों से मुलाकात से लाभ होगा। सोचे हुए काम पूरे होंगे। छात्रों में प्रतिस्पर्धा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। करियर में तरक्की के योग हैं। बिजनेस में बड़ा मुनाफा होगा। गणेश जी की आरती करें, लाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नए सौदे करने से बचें। पैसा अटक सकता है। दिन की शुरुआत सामान्य से कमजोर रह सकती है। अनचाहा खर्च संभव है। परिवार के कारण मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। अपनी योजनाएं गुप्त रखें। रिश्तों में भी तनाव की स्थिति बन सकती है। वाद-विवाद से दूर रहें। सिर या पेट दर्द हो सकता है, भोजन में सावधानी रखें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मां के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रह सकती है और बच्चों का स्वास्थ्य भी कमजोर हो सकता है। हालांकि भौतिक समृद्धि की स्थिति मजबूत रहेगी और विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा। कुछ शत्रु मित्र के रूप में आसपास हो सकते हैं, लेकिन आप उन्हें नियंत्रित कर लेंगे। पेशेवर क्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी। सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी। नए अधिग्रहण से खुशी मिलेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

विद्यार्थियों को आज सफलता मिलेगी। परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवनशैली में बदलाव का सही समय है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विवाद से बचें। किसी बड़े समूह में भागीदारी रोचक रहेगी। लेन-देन के मामले सुलझेंगे। प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे। व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं। यात्रा के दौरान चोरी या दुर्घटना से सावधान रहें। मित्रों की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 जनवरी 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 10:46 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 10:49 कतक
योग : शुभ सायं 05:12 तक
करण : कौलव दोपहर 12:09 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 05:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:41 , सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 05:46 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , ईस्वी नववर्ष 2026 आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सौर शक्ति से सशक्त राजस्थान–आत्मनिर्भर राजस्थान

जयपुर,31 दिसंबर (एजेंसियां)। नववर्ष का सूरज प्रदेश के लिए नई उम्मीदों की किरणें लेकर आया है। विषम भौगोलिक हालात व मौसम के प्रचण्ड प्रकोप की मार झेलने वाला राजस्थान अब सूरज के विकास रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रहा हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में आमजन के घर सूर्यघर बन रहे हैं। सौर ऊर्जा से मिल रहे पानी से खेतों में सिंचाई हो रही है। बढ़ती सौर ऊर्जा क्षमता के साथ देश में नम्बर वन राज्य के रूप में राजस्थान नए साल में प्रवेश कर रहा है।

ऊर्जा संकट से ऊर्जा सरप्लस की ओर

ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब राजस्थान को कोयले की किल्लत के कारण बिजली संकट का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष में 320 दिन मिल रहे सूर्य के प्रकाश को प्रदेश का ऊर्जा परिदृश्य बदलने का जरिया बनाया। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से नीतिगत निर्णय किए गए, निवेश में आने वाली बाधाओं को दूर किया गया और भूमि आवंटन की प्रक्रियाओं को सुगम बनाया गया। इससे परियोजनाएं समय पर पूरी होने लगी जिससे दो साल में ही प्रदेश की सौर ऊर्जा क्षमता बढ़ कर दोगुनी हो चुकी है और राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण सौर ऊर्जा के लिए सबसे उपयुक्त राज्य माना जाता है। वर्तमान में प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 35 हजार 910 मेगावाट पहुंच चुकी है, जो देश की कुल सौर क्षमता का लगभग 27 प्रतिशत है। बीते दो वर्षों में राज्य की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में 18 हजार मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है। भूमि पर लगी देश की 1 लाख मेगावाट स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में से 31 हजार मेगावाट का योगदान राजस्थान का है। राजस्थान इस प्रगति से देश के सोलर हब के रूप में मजबूती से उभर रहा है।

विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने पीएम कुसुम योजना और पीएम सूर्यघर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि पीएम कुसुम में स्थापित ऊर्जा क्षमता दो साल में 122 मेगावाट से बढ़कर 2629 मेगावाट हो गई। कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत प्रदेश की गांव-ढाणियों में 2 हजार 629 मेगावाट क्षमता से अधिक की ग्रिड कनेक्टेड 1 हजार 201 लघु सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इनमें कम्पोनेंट-ए के अंतर्गत 478 मेगावाट क्षमता के 368 प्लांट तथा कम्पोनेंट-सी में 2 हजार 151 मेगावाट क्षमता के 833 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। इस तरह स्थापित ऊर्जा क्षमता में कम्पोनेंट-ए में राजस्थान प्रथम स्थान पर और कम्पोनेंट-सी में तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने का वादा किया था। आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिलने लगी है। सौर ऊर्जा का इसमें बड़ा योगदान है। पीएम कुसुम योजना के सभी कम्पोनेंट्स से 2 लाख 83 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली मिल रही है। बीते दो साल में पीएम कुसुम कम्पोनेंट-बी में 58 हजार 361 सोलर पम्पसैट की स्थापना की गई है। सस्ती सौर ऊर्जा मिलने से किसानों की डीजल पंपों पर निर्भरता कम हुई है।

घर की छत पर बन रही बिजली, बढ़ रही बचत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर घर को ऊर्जादाता बनाने की पहल पर शुरू की गई पीएम सूर्यघर योजना में भी राजस्थान देश में 5वें स्थान पर है। आमजन रूफटॉप पर सोलर पैनल लगाकर ना केवल मुफ्त बिजली प्राप्त कर रहे हैं बल्कि अतिरिक्त बिजली से आर्थिक लाभ भी कमा रहे हैं। प्रदेश में 481 मेगावाट क्षमता के 1 लाख 20 हजार 162 रूफटॉप सोलर संयंत्र पीएम सूर्यघर योजना में लगाए जा चुके हैं। प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अब तक कुल 1948 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। पीएम सूर्यघर योजना में रूफटॉप सोलर स्थापित करने वाले उपभोक्ताओं को 824 करोड़ की केन्द्रीय सब्सिडी वितरित की जा चुकी है।

सौर ऊर्जा से घरेलू उपभोक्ताओं की बचत बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना की शुरूआत की है। अक्टूबर माह में पंजीकरण शुरू होने के बाद अब तक 2 लाख 69 हजार से अधिक उपभोक्ता 150 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना से जुड़ने के लिए अपनी सहमति दे चुके हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने वाले पात्र उपभोक्ताओं को 17 हजार रूपए की राज्य सब्सिडी हस्तांतरित की जाती है। राज्य सब्सिडी की यह राशि पीएम सूर्यघर योजना में देय अधिकतम 78 हजार रूपए की केन्द्रीय सहायता के अतिरिक्त है।

प्रदेश में पीक ऑवर्स में अब तक अधिकतम डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट रही है, जो 2030 तक 25 हजार 48 मेगावाट होना अनुमानित है। इसको देखते हुए प्रदेश में बैटरी एनर्जी स्टोरेज क्षमता का विस्तार किया जा रहा है। बीकानेर के पूगल में 6 हजार 400 मेगावाट ऑवर बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित की जा रही है। साथ ही, यहां पर 2 हजार 450 मेगावाट क्षमता का देश का सबसे बड़ा सोलर पार्क भी विकसित किया जा रहा है।

केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों की आय में हो रही उल्लेखनीय वृद्धि : मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास

जयपुर, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के किसान केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर नवाचार को अपना रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हो रही है और किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। यह बात मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य कृषि अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), दुर्गापुरा, जयपुर के भ्रमण के दौरान कही।

मुख्य सचिव ने रारी कैंपस, कृषि फील्ड एवं श्याम दुर्गापुरा का दौरा कर कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक और व्यापक परिवर्तनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज का किसान आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपना रहा है, जिससे राज्य सरकार की कृषि नीतियां धरातल पर सफल साबित हो रही हैं। श्रीगंगानगर में स्थापित गाजर मंडी को उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक सफल प्रयोग बताया।श्याम ऑडिटोरियम में आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य सचिव ने प्रदेशभर से आए प्रगतिशील कृषकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने किसानों की सफलता की कहानियों, कृषि नवाचारों और जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की तथा समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

मुख्य सचिव ने किसानों से आगामी वर्ष आयोजित होने वाली ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 (ग्राम) में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय इस राज्य स्तरीय आयोजन में 50 हजार से अधिक किसानों के भाग लेने की संभावना है। ग्राम का उद्देश्य कृषि में नवाचार, स्मार्ट फार्मिंग, आधुनिक तकनीकों के प्रसार और निवेश को प्रोत्साहित करना है, जिससे राजस्थान कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बन सके।मुख्य सचिव ने किसानों की क्षमता संवर्धन के लिए विदेश भ्रमण को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राज्य सरकार के नॉलेज एन्हांसमेंट प्रोग्राम के तहत किसानों का एक दल पहले ही विदेश भ्रमण कर चुका है। शीघ्र ही दूसरा दल भी उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के लिए विदेश भेजा जाएगा, जिससे किसान अपनी उपज और उत्पादकता बढ़ा सकें।

उन्होंने प्रगतिशील किसानों से सरसों, जैविक खेती, जीरा, पानमेथी, ईसबगोल, अनार, सीताफल, आंवला, लहसुन, गाजर, शिमला मिर्च, गुलाब, औषधीय पौधों और मधुमक्खी पालन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी ली।आरएआरआई के भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने खरीफ व रबी फसलों से जुड़े अनुसंधान परीक्षणों, प्रदर्शन इकाइयों, बीज उत्पादन प्रक्षेत्रों और प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। वैज्ञानिकों ने उन्हें जलवायु परिवर्तन के अनुरूप विकसित किस्मों, उन्नत फसल प्रबंधन, समेकित कीट प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य सुधार और जल उपयोग दक्षता बढ़ाने वाली तकनीकों की जानकारी दी।मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि कृषि अनुसंधान को अधिक व्यवहारिक, किसान-केंद्रित और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए। साथ ही अनुसंधान परिणामों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाने के लिए कृषि विभाग, अनुसंधान संस्थानों और विस्तार तंत्र के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों और खेत स्तर पर प्रदर्शनों को और सशक्त करने तथा गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान : दो दिन में 12 एक्सक्वेटर 137 वाहन व 7028 टन खनिज जब्त

जयपुर,31 दिसंबर (एजेंसियां)। अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ चलाये जा रहे संयुक्त अभियान में पलियाना में अलवर सिक्सलेन निर्माण कार्य कर रही कंपनी द्वारा अवैध खनिज मिट्टी खनन पर जयपुर अधीक्षण अभियंता एनएस शक्तावत की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 73 लाख रुपए से अधिक के जुर्माने की कार्रवाई की जा रही हैं वहीं टोंक में भी रेल्वे ट्रेक के लिए काम कर रही निजी कंपनी द्वारा अवैध खनिज मिट्टी खनन कार्रवाई पर एक एक्सक्वेटर 4 डंपर जब्त किये हैं। नागौर के एमई जय गोदारा द्वारा रियाबड़ी में दो ट्रेक्टर बजरी के व खींवसर में दो डंपर चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त करते हुए करीब 3.50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। जोधपुर के बड़ली क्षेत्र में खनिज सेंड स्टोन के क्वारी लाइसेंस के 40 हैक्टेयर क्षेत्र में अधीक्षण खनि अभियंता डॉ. देवेन्द्र गोड़ की टीम द्वारा ड्रोन सर्वे करवाया गया है। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संबंधित जिलों में संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई जारी है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के जिलों में 29 दिसंबर से अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जिला कलक्टरों द्वारा गठित संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों से जारी अभियान के दौरान दो दिन में ही उल्लेखनीय कार्रवाई करते हुए 150 से अधिक उपकरणों और वाहनों की जब्ती की जा चुकी है।

अभियान के दौरान दो दिन में ही 155 से अधिक कार्रवाई कर 12 एक्सक्वेटर/जेसीबी/क्रेन व 137 डंपर-ट्रेक्टर आदि जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये जा चुके हैं। 7 हजार टन से अधिक अवैध भंडारित खनिज की जब्ती के साथ ही करीब 30 लाख जुर्माना राशि राजकोष में वसूल की गई है। दो दिन में पुलिस थानों में 14 एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है।

बीजेपी सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने फरीदाबाद में एक महिला के हुई गैंगरेप की वारदात पर गहरा रोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि महिला के साथ हुई यह वारदात अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। इस वारदात ने पूरे देश व समाज को झकझोर कर रख दिया है।

एकबार फिर साबित हुआ है कि हरियाणा में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। बीजेपी सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम है। खुद केंद्र सरकार द्वारा जारी सामाजिक प्रगति सूचकांक में बताया गया है कि हरियाणा देश का सबसे असुरक्षित राज्य है, फरीदाबाद की वारदात ने ये साबित कर दिया है। कांग्रेस इस जघन्य अपराध के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग करती। सजा ऐसी होनी चाहिए कि भविष्य में कोई इस तरह का घिनौना विचार मन में लाने की हिम्मत ना कर सके। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस लगातार संगठन की मजबूती के लिए काम कर रही है। हरियाणा में जल्द ही संगठन में और कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की जाएंगी। हमारा लक्ष्य पार्टी को जमीनी स्तर तक मजबूत करना है ताकि जनता की आवाज को और प्रभावी ढंग से उठाया जा सके।

वर्क स्लिप घोटाला: सुरजेवाला पर कसा तंज, हम घोटाले छिपाते नहीं, उजागर करते हैं : अनिल विज

चंडीगढ़, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने श्रम विभाग में हुए वर्कस्लिप घोटाले को लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला पर पलटवार करते हुए कहा कि सुरजेवाला जी हम आप लोगों की तरह घोटालों को छिपाते नहीं है, घोटाला हुआ है, उजागर हुआ है और उसकी हाईलेवल जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री जी को लिखा भी है। मुख्यमंत्री जी ने आदेश भी दे दिए कि शेष नौ जिलो में भी तुरंत जांच पूरी की जाए ताकि इस मामले में कोई फैसला लिया जा सके। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि बंगाल में चुनाव आते ही ममता बनर्जी को सारी महाभारत याद आ गई है, चुनाव खत्म होते ही फिर से अल्ला हू अकबर। श्रम मंत्री अनिल विज ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुरजेवाला पर तंज कसते हुए कहा कि इस मामले में सुरजेवाला जी बीच में कहा से आ गए। हो सकता है कि यह मामला इनके (कांग्रेस) के समय का हो, यह गड़बड़ी कब से हुई है, यह अभी पता नहीं लगा और किसके समय का है, यह भी पता नहीं लगा है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की पश्चिम बंगाल में एंट्री से बौखलाई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान कि शकुनी के इशारे पर दुशासन आया बंगाल, पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अपने अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि बंगाल में चुनाव आ गए है तो ममता बनर्जी को सारी महाभारत याद आ गई है, चुनाव खत्म होते ही फिर से अल्ला हू अकबर।

वर्ष 2026 को लेकर अपने विभागों में नए रोडमैप के प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि यहां हर दिन नया होता है, हर दिन कुछ न कुछ नया सरकार में किया जाता है और यही कारण है कि तीसरी बार हरियाणा की जागरूक जनता ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई। ऐसा पहली बार हुआ है क्योंकि ये सरकार काम करने वाली सरकार है।

अरावली के मुद्दे पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा के आरोप कि यह सारा खेल साढ़े 10 हजार करोड़ चंदे के लिए हो रहा है जिस पर पलटवार करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा बेबुनियाद बिना आधार के बातें कर रहे हैं। अरावली में जो हुआ वह सुप्रीम कोर्ट ने किया और अपने फैसले पर रोक भी सुप्रीम कोर्ट ने लगाई है। इसका मतलब यह है कि ये सुप्रीम कोर्ट पर आरोप लगा रहे हैं। अगर यह कह रहे हैं कि यह फैसला इतने पैसे के लिए हुआ है तो ये क्या सुप्रीम कोर्ट पर आरोप लगा रहे हैं।

पंजाब पुलिस का युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान तेज, 304वें दिन 113 तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में नशे के खिलाफ चल रही जंग लगातार और तेज होती जा रही है। भगवंत मान सरकार की 'युद्ध नशियां विरुद्ध' मुहिम के तहत पंजाब पुलिस ने 304वें दिन भी पूरे दमखम के साथ मोर्चा संभाले रखा। राज्यभर में लगातार रेड, सर्च ऑपरेशन और जागरूकता अभियानों के जरिए पुलिस न सिर्फ नशा तस्करों पर शिकंजा कस रही है, बल्कि युवाओं को नशे से दूर रखने की कोशिश भी कर रही है। पंजाब पुलिस का कहना है कि यह लड़ाई सिर्फ गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि नशे की जड़ तक पहुंचने और पूरे ड्रग नेटवर्क को तोड़ने की है। इसी सोच के साथ 304वें दिन पंजाब पुलिस ने राज्यभर में 319 अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की। इन कार्रवाइयों के दौरान 82 एफआईआर दर्ज की गईं और 113 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की यह कार्रवाई दिखाती है कि अब नशे के सौदागरों के लिए पंजाब में कोई सुरक्षित जगह नहीं बची है। अगर अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह अभियान काफी असरदार साबित हुआ है। पिछले 304 दिनों में कुल 42,480 नशा तस्करों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। यह संख्या अपने आप में बताती है कि पंजाब पुलिस कितनी गंभीरता से इस मिशन को आगे बढ़ा रही है।मान सरकार की इस मुहिम की खास बात इसकी तीन-स्तरीय रणनीति है। पहला स्तर है इन्फोर्समेंट (सख्त कार्रवाई), रेड और गिरफ्तारी। दूसरा स्तर है डी-एडिक्शन, जिसके तहत नशे की लत में फंसे लोगों को इलाज और काउंसलिंग के जरिए सामान्य जीवन की ओर लौटाने की कोशिश की जा रही है।

गरीबों को उनकी आजीविका के अधिकार से वंचित कर रही सरकार : हरपाल चीमा

चंडीगढ़, 31 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) ने राज्य के 10 लाख से अधिक मनरेगा मजदूर परिवारों की आवाज और मांगों को उठाने के लिए एक अभियान शुरू किया है। 'आप' के विधायक मनरेगा मजदूरों द्वारा लिखे गए पत्र लेकर विधानसभा के विशेष सत्र में पहुंचे। इन पत्रों में उन मेहनती परिवारों के दर्द और संघर्षों का वर्णन है जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत काम करके अपना जीवन यापन करते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इन पत्रों को केवल विधानसभा में प्रस्तुत करने तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि इन्हें सीधे प्रधानमंत्री को भेजने का भी संकल्प लिया है।इसका उद्देश्य केंद्र सरकार को मजदूरों की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना और उनकी समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग करना है।

संपादकीय

ट्रैफिक जाम से लांघता सैलानी

वर्षांत पर्यटन की हर दहलीज को लांघते वाहनों की शुमारी में, परिवहन व्यवस्था की रेंगारी बिखर रही है। इसमें दो राय नहीं कि पर्यटन की महफिल में हिमाचल का कद ऊंचा हुआ है, लेकिन अव्यवस्था के नासूर पूरी तरह फैले हुए हैं। क्रिसमस से न्यू ईयर तक सैलानियों के जत्थे हिमाचल को छान रहे हैं, तो रास्ते सजा देते हैं। पर्यटक स्थल सुविधाओं से महरूम नजर आते हैं। सफाई व्यवस्था की गवाही में कूड़े के ढेर और घूमने-फिरने के लिए न पार्क, न वाहन रहित मॉल और न ही मनोरंजन की सुविधाएं। दर्जनों झीलें, झरने, धरोहर गांव, मंदिर, कबाइली लाइफ, प्रकृति के नजारे, लेकिन हम पर्यटक को होटल दिखाना चाहते हैं। निवेश की सारी धरती पर कंक्रीट की गवाही में पर्यटन की संभावनाएं क्षीण हो रही हैं। इसलिए धर्मशाला कार्निवाल में आए पंजाबी गायक बब्बू मान अपील कर देते हैं, 'बचा लो इस हिमाचल की आभा को बचा लो।' प्रदेश में शिमला-धर्मशाला के दो कार्निवाल जाहिर तौर पर वर्षांत पर्यटन के फलक पर अपनी भूमिका को निखार रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मंदिरों की घंटियां, अटल टनल का संवाद, राजधानी शिमला का आधार और दर्जनों पर्यटक स्थलों की रौनक में आई बहार देख सकते हैं। अगर सैलानी शिमला पहुंचना चाहते हैं, तो इस सफर के गवाह बने ट्रैफिक जाम परवाणू-सोलन से शिमला तक सारा गुड़ गोबर कर देते हैं। पिछले एक दशक से धूम मचा रहे बीड़-बिलिंग की सारी मजबूरियां ट्रैफिक जाम में उलझ जाती हैं। जोगिंदरनगर, भुंतर, बनीखेत-डलहौजी, कसौली, चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध ही नहीं, हर कस्बे-शहर से डेस्टिनेशन की ओर गुजरते पर्यटक को कई-कई घंटे के जाम से लांघना पड़ता है। सबसे वीभत्स दृश्य कांगड़ा के समीप मटौर चौक का है, जहां हर दिन तीन दिशाओं में ट्रैफिक जाम लगता है। इसी तरह धर्मशाला-मकलोडगंज और अटल टनल मार्ग पर मीलों लंबे ट्रैफिक जाम लगते हैं। होटलों में भले ही अस्सी से सौ फीसदी आक्युपेंसी दर्ज होती है, लेकिन सड़क पर पूरा सीजन रोता है। ऐसे में पर्यटन की मजबूती के लिए परिवहन की योजना को इंगित करना होगा। हर पर्यटक स्थल से दस से बीस किलोमीटर पहले ही वाहनों के ठहराव के लिए, महापार्किंग मैदान विकसित करने होंगे और जहां से आगे या तो रोपवे, सार्वजनिक इलेक्ट्रिक गाड़ियों या फ्री पेड टैक्सियों से यातायात अनिवार्य किया जाए। पर्यटन के साक्षी अब होटल नहीं, बड़े-बड़े मैदान, पार्क, मनोरंजन स्थल और पार्किंग व परिवहन की वैकल्पिक व्यवस्था से ही साबित होंगे। इतना ही नहीं, कुछ प्रादेशिक सड़कों को पर्यटन सड़क का दर्जा देकर विकसित करना होगा। बहुत पहले जब शांता कुमार केंद्रीय मंत्री थे, तो उन्होंने धौलाधार के साथ-साथ एक ऐसे मार्ग की परिकल्पना की थी, जो डलहौजी से धर्मशाला और आगे जोगिंदरनगर तक इसी अवधारणा को आवाज दे रहा था। अब शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ऐसी ही एक परियोजना के तहत नड्डी से डलहौजी को जोडऩे का संकल्प रखते हैं। उतराला से होली, चुवाड़ी सुरंग से चंबा तथा बाकी तमाम सुरंग मार्ग अगर निर्मित होते हैं, तो ये पर्यटन मार्ग बन जाएंगे। ट्रैफिक जाम का जितना ताल्लुक पर्यटन से है, उतना ही बाजार, व्यापार, शहरी विकास और टीसीपी कानून से भी है। बीड़-बिलिंग, शिकारी देवी तथा अन्य सभी पर्यटक स्थलों, गांवों व डेस्टिनेशन पर सख्ती से टीसीपी कानून अमल में लाना होगा। हिमाचल के हर मार्ग को नवनिर्माण की अफरा-तफरी से बचाने के लिए सख्त नियम बनाने ही पड़ेंगे।

पर्यटक स्थल सुविधाओं से महरूम नजर आते हैं। सफाई व्यवस्था की गवाही में कूड़े के ढेर और घूमने-फिरने के लिए न पार्क, न वाहन रहित मॉल और न ही मनोरंजन की सुविधाएं। दर्जनों झीलें, झरने, धरोहर गांव, मंदिर, कबाइली लाइफ, प्रकृति के नजारे, लेकिन हम पर्यटक को होटल दिखाना चाहते हैं। निवेश की सारी धरती पर कंक्रीट की गवाही में पर्यटन की संभावनाएं क्षीण हो रही हैं। इसलिए धर्मशाला कार्निवाल में आए पंजाबी गायक बब्बू मान अपील कर देते हैं, 'बचा लो इस हिमाचल की आभा को बचा लो।' प्रदेश में शिमला-धर्मशाला के दो कार्निवाल जाहिर तौर पर वर्षांत पर्यटन के फलक पर अपनी भूमिका को निखार रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मंदिरों की घंटियां, अटल टनल का संवाद, राजधानी शिमला का आधार और दर्जनों पर्यटक स्थलों की रौनक में आई बहार देख सकते हैं। अगर सैलानी शिमला पहुंचना चाहते हैं, तो इस सफर के गवाह बने ट्रैफिक जाम परवाणू-सोलन से शिमला तक सारा गुड़ गोबर कर देते हैं। पिछले एक दशक से धूम मचा रहे बीड़-बिलिंग की सारी मजबूरियां ट्रैफिक जाम में उलझ जाती हैं। जोगिंदरनगर, भुंतर, बनीखेत-डलहौजी, कसौली, चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध ही नहीं, हर कस्बे-शहर से डेस्टिनेशन की ओर गुजरते पर्यटक को कई-कई घंटे के जाम से लांघना पड़ता है। सबसे वीभत्स दृश्य कांगड़ा के समीप मटौर चौक का है, जहां हर दिन तीन दिशाओं में ट्रैफिक जाम लगता है। इसी तरह धर्मशाला-मकलोडगंज और अटल टनल मार्ग पर मीलों लंबे ट्रैफिक जाम लगते हैं। होटलों में भले ही अस्सी से सौ फीसदी आक्युपेंसी दर्ज होती है, लेकिन सड़क पर पूरा सीजन रोता है। ऐसे में पर्यटन की मजबूती के लिए परिवहन की योजना को इंगित करना होगा।

हर वर्ष एक बार आता है और अपने साथ नई शुरुआत की संभावनाएं लेकर आता है

नया वर्षः आत्ममंथन, संकल्प और मोदी सरकार की अग्नि-परीक्षा

डॉ. ब्रह्मानंद राजपूत

नया साल एक नए सवेरे की तरह है, जो हर वर्ष एक बार आता है और अपने साथ नई शुरुआत की संभावनाएं लेकर आता है। समय के साथ वह अपने चरम पर पहुंचता है और फिर धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। यही क्रम एक निरंतर अनुभव है, जिसे इस संसार का प्रत्येक व्यक्ति अनुभव करता है। यह निरंतरता ही प्रकृति और जीवन का परम सत्य है। नए वर्ष की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को पिछले साल के निरंतर प्रवाह और अनुभवों से सीख लेकर अच्छे कार्यों से करनी चाहिए। यह समय आत्मचिंतन का होता है, जब हमें अपने अच्छे-बुरे कार्यों का मूल्यांकन कर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। नए साल की शुरुआत सद्कर्मों, सकारात्मक सोच और स्पष्ट दिशा के साथ करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिये बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ.साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिये योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिये नये लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नये साल की शुरुआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिये नये लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके। यदि व्यक्ति अपने जीवन के आरंभ में ही अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेता है, तो सफलता की दिशा स्वतः स्पष्ट हो जाती है। लक्ष्य हमें अनुशासन, परिश्रम और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को नए वर्ष की शुरुआत में वर्ष भर के लिए कुछ स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, ताकि आने वाले समय में वह अपने लक्ष्य के लिए किए गए सत्कर्मों और प्रयासों के माध्यम से निरंतर विकास करता हुआ अपने जीवन के चरम और शिखर तक पहुँच सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते वर्षों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, साथ-साथ अनेक सफलताएँ भी पायी हैं। इन सफलताओं और उपलब्धियों में मोदी सरकार को अपनी गलतियों और कमियों पर पर्दा नहीं डालना चाहिए। बल्कि अपनी गलतियों और कमियों का मूल्यांकन करके भावी वर्ष के लिये रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि गलतियों और कमियों को सुधारकर अवसरों में बदला जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस प्रकार से अनेक चुनौतियों का सामना किया, उसी प्रकार भावी वर्ष में भी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कहा जाए तो साल 2026 में नरेंद्र मोदी को अनेक अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ेगा और आने वाला वर्ष राजनीतिक दृष्टि से भी भाजपा व पीएम मोदी के लिये बेहद अहम है। 2026 में देश के 4 राज्यों- असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल तथा 1 केंद्र शासित प्रदेश- पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में भाजपा के सामने केवल प्रचार का ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की भी चुनौती होगी। इसी क्रम में (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) यानी

नए वर्ष की शुरुआत प्रत्येक व्यक्ति को पिछले साल के निरंतर प्रवाह और अनुभवों से सीख लेकर अच्छे कार्यों से करनी चाहिए। यह समय आत्मचिंतन का होता है, जब हमें अपने अच्छे-बुरे कार्यों का मूल्यांकन कर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। नए साल की शुरुआत सद्कर्मों, सकारात्मक सोच और स्पष्ट दिशा के साथ करना ही जीवन को सार्थक बनाता है। नया वर्ष हर व्यक्ति के लिये बीते हुए वर्ष की सफलताओं और उपलब्धियों के साथ .साथ कमियों और गलतियों का मूल्यांकन करने का समय है। यह हमें अपने आप को भावी वर्ष के लिये योजना बनाने, कार्य करने तथा आगामी वर्ष के लिये नये लक्ष्य तय करने का अवसर प्रदान करता है। नये साल की शुरुआत में हर व्यक्ति को भावी वर्ष के लिये नये लक्ष्य बनाने चाहिए और उन्हें पूरा करने की रणनीति बनानी चाहिए। जिससे कि अवसरों को सफलता में बदला जा सके।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया चुनावी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नए वर्ष में मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित, पारदर्शी और अद्यतन बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से फर्जी, दोहरे या मृत मतदाताओं के नाम हटाकर वास्तविक और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करना निष्पक्ष चुनाव की बुनियाद को मजबूत करता है। इन पाँच चुनावी क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति अलग-अलग है। असम में पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार है, जबकि पुडुचेरी में गठबंधन सरकार सत्तारूढ़ है। इन दोनों स्थानों पर सत्ता को बनाए रखना भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। वहीं केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं जहाँ भाजपा अपने संगठन का विस्तार कर राजनीतिक बढ़त बनाने की कोशिश कर रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल भाजपा की रणनीति का प्रमुख केंद्र बनता दिखाई दे रहा है। यहाँ राष्ट्रीय मुद्दों के साथ-साथ विशेष गहन पुनरीक्षण जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पक्ष मतदान और जागरूक मतदाता पर जोर देना पार्टी की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा हो सकता है। असम और पश्चिम बंगाल में लंबे समय से यह चिंता व्यक्त की जाती रही है कि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए कथित रूप से मतदाता सूची में शामिल होकर वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं। यदि ऐसा है, तो यह न केवल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुचिता पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि स्थानीय नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के लिए भी गंभीर चुनौती उत्पन्न करता है। इन्हीं आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया आरंभ की गई है, जिसके तहत मतदाता सूचियों की गहराई से जांच की जा रही है। सरकार का तर्क है कि यह प्रक्रिया विशेष रूप से असम और पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में आवश्यक है, जहाँ अवैध घुसपैठ की समस्या को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। यह भी आरोप लगाए जाते रहे हैं कि कुछ घुसपैठियों ने आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज बनवा लिए हैं, जिसके कारण वे चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बन गए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में ऐसे मतदाताओं का लाभ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को मिलता है, जबकि असम में इसका प्रभाव विपक्षी दलों की स्थिति को मजबूत करने के रूप में देखा जाता है। सरकार का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य किसी समुदाय या राज्य को निशाना बनाना नहीं, बल्कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है, ताकि केवल पात्र और वैध नागरिक ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें। निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से ही लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखा जा सकता है। जहाँ तक दो दक्षिणी राज्यों-केरल और तमिलनाडु का प्रश्न है, तो भारतीय जनता पार्टी के लिए यहाँ खोने के लिए कुछ भी नहीं, बल्कि केवल पाने के अवसर ही हैं। यदि भाजपा इन राज्यों में बेहतर प्रदर्शन करती है, भले ही वह सरकार बनाने की स्थिति में न पहुँचे, तब भी यह पार्टी के लिए राजनीतिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। ऐसा प्रदर्शन न केवल संगठनात्मक मजबूती को दर्शाएगा, बल्कि भविष्य में अपनी राजनीतिक संभावनाओं को विस्तार देने की ठोस आधारशिला भी तैयार करेगा। स्पष्ट है कि यदि मोदी सरकार अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन और प्रभावी संप्रेषण पर ध्यान केंद्रित करती है, तो आगामी चुनावों में भाजपा को इसका राजनीतिक लाभ मिल सकता है। इन सभी राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता और असफलता सीधे-सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साख को प्रभावित करेगी। मोदी सरकार ने बीते वर्षों में अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से संचालित किया है, जिनका सीधा लाभ आम जनमानस तक पहुँचा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, मुफ्त राशन योजना, स्वच्छ भारत अभियान और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की पहुँच को मजबूत किया है। वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा अनेक नई पहलें की गई हैं तथा कई महत्वपूर्ण योजनाओं को आरंभ और विस्तार दिया गया है। इन पहलों का उद्देश्य देश के समग्र विकास को गति देना और अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक तक विकास की पहुँच सुनिश्चित करना है। अब आवश्यकता इस बात की है कि सरकार इन योजनाओं को केवल घोषणा तक सीमित न रखे, बल्कि उन्हें प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से उनकी तार्किक परिणति तक पहुँचाए और ठोस, सकारात्मक परिणाम सामने लाए। वर्ष 2025 में मोदी सरकार ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए बीते वर्षों में लागू हुयी योजनाओं-प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, पीएम विश्वकर्मा योजना तथा हरित ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा मिशन जैसी योजनाओं को गति देने का कार्य किया है। इन योजनाओं का उद्देश्य बुनियादी ढाँचे का सुदृढ़ीकरण, रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

देश दुनिया से

उच्च शिक्षा आयोग से उम्मीद

देश की उच्च शिक्षा में प्रशासनिक सुधार के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने उच्च शिक्षा के नियमन में एकीकरण लाने का निर्णय लिया है। इसके तहत यूजीसी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का विलय कर विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बनाया जाएगा। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को बहु-विषयक शिक्षा और अनुसंधान में बदलने के लिए योजना बनाना है। कहा जा रहा है कि अलग-अलग नियामक संस्थाओं के होने से नियमों में दोहराव, देरी और भ्रम की स्थिति बनी रहती थी। नए आयोग के गठन से यह समस्या खत्म होगी। अब विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थान और शिक्षक शिक्षा संस्थान एक ही ढांचे के तहत संचालित होंगे। इससे फैसले तेजी से होंगे, पारदर्शिता बढ़ेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। नए नियम केंद्रीय, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों पर समान रूप से लागू होंगे। इसमें ओपन यूनिवर्सिटी, डिजिटल और ऑनलाइन शिक्षा संस्थान भी शामिल होंगे। पहले सामान्य विश्वविद्यालयों का नियमन यूजीसी करता था, तकनीकी संस्थानों के लिए एआईसीटीई जिम्मेदार था और शिक्षक शिक्षा संस्थानों के लिए एनसीटीई। अब यह पूरा काम एक ही संस्था करेगी, जिससे शिक्षा व्यवस्था सरल, स्पष्ट और प्रभावी बनेगी। उच्च शिक्षा आयोग यानी विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बन जाने के बाद देश के टीचिंग संस्थानों में सुधारों की प्रक्रिया में तेजी आएगी। नया उच्च शिक्षा आयोग बनने के बाद हर टीचिंग संस्थान के स्तर की जांच के लिए एक प्रक्रिया होगी। वहीं हर कार्यक्रम व कोर्स में पढ़ाई का एक मिनिमम स्टैंडर्ड तय होगा। थर्ड पार्टी ऑडिट शुरू होने के साथ-साथ नियमों के खिलाफ जाकर काम करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई भी की जा सकेगी। वहीं छात्रों को टीचिंग संस्थानों में ही नए कोर्सेज का विकल्प भी मिलेगा। उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाने की दिशा में यह प्रयास कारगर साबित हो सकता है। उच्च शिक्षा आयोग बनने पर टीचिंग संस्थानों में अब टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के साथ-साथ बीए, बीकॉम, बीएससी समेत स्किल एजुकेशन के दूसरे कोर्सेज भी शुरू किए जा सकेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुताबिक 2030 तक सभी टीचिंग संस्थानों को बहुविषयक संस्थान बनना ही होगा, जिसके लिए यूजीसी और एनसीटीई ने गाइडलाइंस जारी की हैं। नए बिल के बाद संस्थानों में नए कोर्सेज शुरू करने आसान हो जाएगा। नए कोर्सेज के लिए मंजूरी के लिए अलग-अलग जगह आवेदन नहीं करना होगा। एक ही जगह आवेदन करने का सिस्टम लागू हो जाएगा। अभी एनसीटीई संस्थानों को मान्यता देता है, एकेडमिक स्टैंडर्ड को देखता है। इसके अलावा भी रेगुलेशंस से जुड़े कई तरह के काम होते हैं, लेकिन नए आयोग बनने के बाद एनईपी 2020 के अनुरूप टीचिंग के लिए जो प्रोफेशनल स्टैंडर्ड सेटिंग बॉडी यानी पीएसबीबी होगी, उसका काम कोर्स तैयार करना, टीचिंग के नियमों और एलिजिबिलिटी तय करना और एकेडमिक स्टैंडर्ड को देखना होगा। इससे टीचिंग की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दिया जा सकेगा। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल के तहत कुछ विदेशी विश्वविद्यालय भारत में कैंपस खोल सकेंगे, जिनके लिए सरकार कुछ शर्तें रखेगी। इन्हें सरकारी नियमों का पालन करना जरूरी होगा। साथ ही जो विदेशी विश्वविद्यालय पहले से ही भारत में खुले हैं, उनके लिए भी नए नियम ही लागू होंगे। साथ ही बेहतर प्रदर्शन करने वाले भारतीय विश्वविद्यालयों को भी विदेश में कैंपस खोलने की अनुमति मिल सकेगी। विकसित भारत शिक्षा बिल कानून बना तो कॉलेज और यूनिवर्सिटी में एक जैसे नियम और काम करने का तरीका लागू हो जाएगा। नए कॉलेज खोले जाएंगे और नए कोर्स शुरू होंगे। नया सिलेबस बनाकर लागू किया जाएगा। नौकरियां पाने और स्किल्स इम्प्रूव करने वाले कोर्स की संख्या बढ़ेगी। एजुकेशन सिस्टम स्टूडेंट आधारित बनेगा। छोटे और नए कॉलेजों को समान अवसर मिलेंगे। छात्रों के लिए एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र बनाया जाएगा। यह एक अच्छा कदम ही है। इस प्रस्तावित सुधार के आलोचकों का मत है कि इससे देश के हायर एजुकेशन सिस्टम पर केंद्र सरकार का कंट्रोल हो जाएगा। कॉलेज और यूनिवर्सिटी की आजादी पर असर पड़ेगा। हायर एजुकेशन जॉब एंड स्किल बेस्ड हो जाएगी। नॉलेज और रिसर्च पर फोकस कम हो सकता है। इन बातों में तार्किकता कमजोर है : वर्तमान उच्च शिक्षा व्यवस्था पर इस बिल का प्रभाव कैसा होगा, इसके बारे अभी कुछ सटीक नहीं कहा जा सकता है। कुछ शिक्षाविद कहते हैं कि देश की स्वतंत्रता के बाद यह आम सहमति बनी थी कि उच्च शिक्षा एक सार्वजनिक हित का क्षेत्र है, और इसी समझ के तहत यूजीसी प्रणाली का उदय हुआ। यह भी सच है कि यूजीसी में नौकरशाही जटिलताएं तथा और भी कई तरह की अक्षमताएं रही हैं, फिर भी उसकी एक वैधानिक जिम्मेदारी थी, वह केवल नियामक संस्था नहीं थी, बल्कि उच्च शिक्षण संस्थानों को अनुदान देने की बाध्यकारी भूमिका भी निभाती थी। यूजीसी एक संघीय ढांचे के भीतर काम करती थी, जिसमें राज्य विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित थी, और वह विश्वविद्यालयों तथा प्रत्यक्ष कार्यकारी हस्तक्षेप के बीच एक सुरक्षात्मक दीवार के रूप में कार्य करती थी। इसके विपरीत, प्रस्तावित बिल उच्च शिक्षा में एक ऐसा नियामक राज्य स्थापित करता है, जिसकी कोई सार्वजनिक जवाबदेही नहीं है। इसके अलावा, कुछ शिक्षाविद कह रहे हैं कि यह सरकार द्वारा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के निजीकरण के लिए उठाए जाने वाला कदम है। किसी भी क्षेत्र में नियामक संस्था को लाने का मतलब ही है कि उसे निजी क्षेत्र में ले जाया जा रहा है। दूसरी बात ये आयोग विश्वविद्यालयों को अनुदान नहीं देगा। विश्वविद्यालयों को कर्ज और विद्यार्थियों की फीस पर निर्भर कर दिया जाएगा। इससे गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए उच्च शिक्षा और अधिक महंगी हो जाएगी जो कि सामाजिक न्याय और समानता पर एक गहरा आघात है। इस संशय को दूर करना जरूरी होगा। फिर भी एक बड़ी उम्मीद है कि नया उच्च शिक्षा आयोग भारत को शिक्षा के एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए भी काम करेगा, साथ ही यह भारतीय ज्ञान, भाषाओं और कलाओं को बढ़ावा देने के लिए भी काम करेगा जो कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को विकसित करने के लिए जरूरी भी है। अब देश के उच्च शिक्षण संस्थानों को मौजूदा अलग-अलग नियामक संस्थाओं के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी एवं ये शिक्षण संस्थान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में तत्पर हो सकेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में नई उम्मीदें जगी हैं।

कुछ अलग

दुख के समय भी धैर्य न छोड़ें

महाभारत का युद्ध समाप्त हो चुका था। इस भीषण युद्ध में कौरवों की विशाल सेना पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी। दुर्योधन बुरी तरह घायल था और उसके पक्ष में केवल तीन योद्धा ही जीवित बचे थे- कृपाचार्य, कृतवर्मा और अश्वत्थामा। दूसरी ओर पांडवों की सेना में भी भारी नुकसान हुआ था, लेकिन फिर भी कुछ सेना अभी भी बची हुई थी। गंभीर रूप से घायल दुर्योधन के पास कृपाचार्य, कृतवर्मा और अश्वत्थामा खड़े थे। दुर्योधन का मन दुख और ग्लानि से भरा हुआ था। उसने इन तीनों से कहा कि हमारी पूरी सेना समाप्त हो गई है, लेकिन हम एक भी पांडव को मार नहीं पाए। इससे बड़ा कष्ट मेरे जीवन में कभी नहीं रहा। दुर्योधन के शब्दों ने अश्वत्थामा के मन में बदले की आग भड़का दी। उसने निश्चय किया कि वह पांडवों से बदला लेगा। रात के अंधेरे में वह चुपचाप पांडवों के शिविर में पहुंचा और द्रौपदी के पांच पुत्रों की हत्या कर दी। अपने पुत्रों की मृत्यु का समाचार सुनकर द्रौपदी का हृदय शोक से भर गया। उसका दुख असहनीय था, लेकिन फिर भी उसने अपने विवेक को खोने नहीं दिया। द्रौपदी के दुःख को देखकर अर्जुन ने प्रतिज्ञा की कि वह अश्वत्थामा को पकड़कर लाएगा और उसे दंड दिलाएगा। युद्ध के बाद अर्जुन ने अश्वत्थामा को पराजित करके बंदी बना लिया और उसे द्रौपदी के सामने प्रस्तुत कर दिया। अर्जुन ने कहा कि पांचाली, अब इसका निर्णय तुम करो। इसे क्या दंड दिया जाए? द्रौपदी ने अश्वत्थामा की ओर देखा और उसे स्मरण हुआ कि वह गुरु द्रोणाचार्य का पुत्र है। उसने शांत स्वर में कहा कि यदि इसे मार दिया गया, तो इसकी माता को वही दुख सहना पड़ेगा जो मैं सह रही हूं।

आप का नज़रिया

सबसे तेज आर्थिक महाशक्ति

यदि 1990 के दशक में कोई कहता कि भारत की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ सकती है, तो कोई भी उद्योगपति या अर्थशास्त्री इसे स्वीकार नहीं करता। तब जापान विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और भारत बहुत पीछे था। भारत ने अर्थव्यवस्था को खोलने और आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत ही की थी, लेकिन आज यथार्थ सामने है। आज भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसने जापान को पीछे कर दिया है। भारत सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं है, जब भारत में कामगार आबादी 1 अरब होगी। फिलहाल भारत की कुल आबादी 1.47 अरब को पार कर चुकी है। राजनेता अपने आंकड़े सुधार लें। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और कई विख्यात रेटिंग एजेंसियां 2025-26 (31 मार्च, 2026 तक) वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसदी आंक रही हैं। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इससे भी अधिक विकास दर को लेकर आशान्वित हैं। यकीनन भारत बदल रहा है और आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। जर्मनी 4.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ तीसरे स्थान पर है। यकीनन भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। ऐसी अनुकूल स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष नौकरशाहों को यह सलाह क्यों दी है कि 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित किए जाएं। प्रधानमंत्री देश की बढ़ती आर्थिक ताकत के रास्ते में किसी भी नियम, कानून और प्रक्रिया को रोड़ा बनने के पक्षधर नहीं हैं। साफ है कि प्रधानमंत्री सुधारों को गति देना चाहते हैं। फालतू के नियम, कानून, प्रतिबंध और प्रक्रियाओं को समाप्त करना चाहते हैं, ताकि जिंदगी और व्यापार करना आसान हो सके। इसी बिंदु पर भारत जापान से बहुत अलग है। 2004 को याद करें, जब एक अनुबंध या ठेका प्राप्त करने में औसतन 425 दिन लगते थे। करीब 40 प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। दिवालियापन के समाधान की प्रक्रिया आराम से 10 साल तक चलती थी। नीति आयोग ने 2017 की अपनी रपट में स्वीकार किया था कि भारत में एक दुकान स्थापित करने में औसतन 118 दिन लगते थे। असम में यह अवधि 248 दिन तक फैल जाती थी। बेशक आज स्थितियां तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फालतू के सैकड़ों कानूनों को खत्म किया है, लेकिन प्रक्रियाएं आज भी व्यापार, उद्योग के पहिये को अवरुद्ध कर रही हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित करने की बात कहनी पड़ी है। यदि भारत 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनना चाहता है, तो ऐसी स्थितियां बनानी पड़ेंगी, जिनमें कायदे-कानून और फालतू की प्रक्रियाएं 'शासन' न करती हों, बल्कि नियमन को सहज-सुगम बनाती हों। बेशक उससे भारत की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। अब भारत ऐसा देश है, जिसमें 2025 में 1.95 लाख करोड़ रुपए के आईपीओ आए और डीमैट खातों की संख्या 21 करोड़ के पार चली गई। अभी तक 1350 स्टार्टअप में 25,320 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है। आज भारत 159 प्रकार के गोला-बारूद, गोलियां, रॉकेट आदि का उत्पादन देश में ही कर रहा है। रक्षा-क्षेत्र करीब 91 फीसदी आत्मनिर्भर हो चुका है। 'मेक इन इंडिया' उत्पादों में ब्रह्मोस और पिनाका मिसाइलों की मांग बढ़ रही है। 2029 तक भारत ने 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा-निर्यात का लक्ष्य तय किया है। आधा तो हम हासिल कर चुके हैं। बहरहाल संसद में बजट पेश करते हुए राजकोषीय घाटे का जो लक्ष्य तय किया गया था, वह नियंत्रण में है। मुद्रास्फीति 0.7 फीसदी तक गिर गई है। चालू खाते का घाटा दोगुना हो सकता है, लेकिन यह जीडीपी के 1.2 फीसदी तक ही रहेगा, जो एक सहज स्थिति है। यह हमारी आर्थिक और बाजारी ताकत है कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन जैसी विख्यात बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में 67.5 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणाएं की हैं। इस निवेश का खास फोकस कृत्रिम बौद्धिकता (एआई), आधारभूत ढांचे पर है। आज भारत महाशक्ति के जिस अवतार में है, उसमें बहुआयामी गरीबी, बेरोजगारी, किसानी, श्रम, पानी आदि को लेकर जो संकटग्रस्त स्थितियां हैं, वे बहुत बड़ा सवालिया निशान भी हैं। कमोबेश 2026 में उन पर प्राथमिकता के स्तर पर विचार किया जाना चाहिए। भारत को आर्थिक क्षेत्र में अभी लंबा सफर तय करना है। चीन और अमरीका की बराबरी के लिए अभी कई कुछ बाकी करना है। इन दोनों देशों से अभी हम बहुत पीछे हैं।

भारत ने अर्थव्यवस्था को खोलने और आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत ही की थी, लेकिन आज यथार्थ सामने है। आज भारत 4 .187 ट्रिलियन डॉलर के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसने जापान को पीछे कर दिया है। भारत सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं है, जब भारत में कामगार आबादी 1 अरब होगी। फिलहाल भारत की कुल आबादी 1 .47 अरब को पार कर चुकी है। राजनेता अपने आंकड़े सुधार लें। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और कई विख्यात रेटिंग एजेंसियां 2025-26 (31 मार्च, 2026 तक) वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसदी आंक रही हैं। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी . अनंत नागेश्वरन इससे भी अधिक विकास दर को लेकर आशान्वित हैं। यकीनन भारत बदल रहा है और आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। जर्मनी 4 .7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ तीसरे स्थान पर है। यकीनन भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है।

दृष्टि कोण

अतीत से सबक, आगत से उम्मीद

समय का पहिया चलता रहता है। समय के चाक पर हर आगत पल वर्तमान बनता है और फिर अतीत के गोद में समा जाता है। जाते-जाते वह अपनी छाप ही नहीं छोड़ता, कुछ सीख भी दे जाता है। अतीत से प्राप्त अनुभव और सीख की कसौटी पर वह वर्तमान को कसता है और चाहता है कि आने वाला पल अतीत की तुलना में बेहतर गुजरे। मनुष्य की चाहत ऐसी ही होती है। वक्त के पहिये पर सब मनमुताबिक ही घटे-चले तो फिर जीवन चक्र का रोमांच ही खत्म हो जाए। फिर भी मानव की फितरत है, वह आगत को अपने हिसाब से ही घटित होते देखना और भोगना चाहता है। लेकिन क्या ऐसा हो पाता है? अतीत की घटनाएं और भविष्य के नतीजे आने वाले दिनों पर अपना असर जरूर डालते हैं। इसी वजह से राजनीति हर बार आने वाली घटनाओं के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने की कोशिश करती है, उसे अपने हिसाब से घटित करने का प्रयास करते रहती है। महज दो दिनों बाद ग्रेगोरियन कैलेंडर के पन्ने नए हो जाएंगे। इस नए साल में भी राजनीति चुनावी रणनीति बनाने और उन चुनावों से अपने मनमुताबिक नतीजे हासिल करने की कोशिश में जुटी रहेगी। इस नए यानी साल 2026 में देश के प्रमुख पांच राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इन चुनावों की आहट में राजनीति की दुनिया की पेशानियों पर बल पड़ने लगे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। इसकी वजह है कि इन राज्यों के चुनाव नतीजे तय करेंगे कि आने वाले दिनों में राजनीति की दिशा क्या होगी? इनके नतीजे ही तय करेंगे कि आने वाले दिनों में कमल खिलता रहेगा या हाथ को भारत का साथ मिलेगा। इन नतीजों पर ही निर्भर करेगा कि भारत का भावी नेतृत्व कैसा होगा। यूं तो हर राज्य के विधानसभा चुनाव अपने आप में अहम्‌ होते हैं, लेकिन साल 2026 में होने वाले चुनाव बेहद खास होने जा रहे हैं। असम में विगत दो बार से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां की 126 सीटों में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 75 सीटें जीती थीं। जिनमें

भारतीय जनता पार्टी के खाते में 60 सीटें गई थीं, वहीं उसकी सहयोगी असम गणपरिषद को नौ और अन्य सहयोगी दलों को छह सीटें मिली थीं। जबकि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन को 50 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस ने यहां की जिम्मेदारी अपने तेजतर्रार नेता गौरव गोगोई को दी है। जबकि बीजेपी की अगुआई मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा के हाथ है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद राज्य की मतदाता सूची से 10.56 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। कांग्रेस की पूरी कोशिश बीजेपी के हाथ से सत्ता छीनने की है तो बीजेपी की कोशिश उत्तर पूर्व के इस सबसे बड़े राज्य में अपने झंडे को गाड़े रखना है। अगर बीजेपी बनी रही तो उत्तर पूर्व के बहाने उसका राष्ट्रवादी सोच का कारवां बढ़ता रहेगा, लेकिन अगर कांग्रेस सेंध लगाने में सफल रही तो उससे इलाके में कांग्रेसी आधार को जुटाने को बल मिलेगा। असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी असम की तरह बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा गर्म है। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में 294 सदस्यीय विधानसभा में 213 सीटों पर जीत हासिल करके ममता बनर्जी ने सनसनी फैला दी थी, जबकि सत्ता की दावेदार मानी जा रही बीजेपी को महज 77 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इस बार एसआईआर के चलते राज्य के 7.66 करोड़ मतदाताओं में से 56 लाख के नाम हटाए जा चुके हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग को करीब 20 लाख मतदाता अब भी संदिग्ध लग रहे हैं। आयोग के लिहाज से ये मतदाता पहली बार पंजीकृत हुए हैं और इनकी उम्र पैंतालिस साल और उससे ज्यादा है।

घर में इन जगहों पर रखें बांसुरी, मिलेंगे ये 5 फायदे

भगवान कृष्ण को प्रिय है बांसुरी। कहा जाता है कि भगवान कृष्ण इसे हरदम अपने साथ रखते थे। बांसुरी से घर का वास्तुदोष भी दूर होता है। इससे घर में धन आगम बढ़ता है और घर में सकारात्मकता आती है। वास्तु के अनुसार मानें तो इसे अगर घर में सही जगह पर रखा जाए तो घर में कभी-भी धन की कमी नहीं होती है। आज हम आपको बता रहे हैं बांसुरी के ऐसे ही उपायों के बारे में। आगे की स्लाइड में पढ़ें इन टिप्स के बारे में : अपने घर के मुख्य द्वार के पास पीली रंग की बांसुरी रखनी चाहिए. कहा जाता है कि इससे परिवार के लोगों को व्यापार, नौकरी में मुनाफा होता है। अगर परिवार के सदस्यों के बनते काम बिगड़ जाते हों तो घर में हमेशा मोरपंख लगी बांसुरी रखनी चाहिए। इससे जो भी अटका हुआ काम है वह बन जाएगा। घर में बच्चों और खासकर पढ़ने वाले बच्चों के कमरे में सफेद रंग की बांसुरी रखनी चाहिए। परिवार को किसी भी नाकारात्मक ऊर्जा से बचाने के लिए घर में काली रंगकी बांसुरी रखें। पति-पत्नी को कमरे में हरे रंग की बांसुरी कई छुपा कर रखनी चाहिए। कहा जाता है कि इससे पति-पत्नी में प्यार बढ़ता है।

ये तरीके अपनाइए, नहीं भूलेंगी पानी पीना

सेहतमंद जिंदगी जीने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। पर, अकसर हम यही जरूरी काम करने में कोताही बरतते हैं। कैसे भरपूर मात्रा में पिएं हर दिन पानी, आइए जानें:
अब स्मार्टफोन हर किसी के पास होता है। कई ऐसे एप्स हैं, जो पानी पीने के लिए आपको नियमित अंतराल पर याद दिलाने का काम कर सकते हैं। इसी तरह का कोई एप अपने फोन में डाउनलोड कर लें। अगर आप पानी बहुत ही कम पीती हैं तो हर दिन खास मात्रा में पानी पीने का लक्ष्य तय करें। अपने लिए कोई छोटा-सा पुरस्कार या सजा तय करें। आप चाहें तो इस वॉटर चैलेंज में अपनी किसी दोस्त या सहकर्मी को भी शामिल कर सकती हैं। खीरा, टमाटर, तरबूज और खरबूज जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थ को अपनी डाइट का नियमित हिस्सा बनाएं। शरीर से पसीना निकलने वाला कोई भी काम जैसे व्यायाम या घर की साफ-सफाई आदि करने के बाद तुरंत पानी पिएं ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। वॉशरूम से लौटने के बाद भी पानी जरूर पिएं। इसे अपनी आदत का हिस्सा बनाएं ताकि आपको शरीर में पानी की कमी के कारण किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

होम डेकोरेशन

बेकार खिलौनों से सजाएं घर का आंगन

बच्चे हर समय नए-नए खिलौनें खरीदने की फरमाइश में लगे रहते हैं। वह या तो पहले खिलौनों से खेल कर ऊब जाते हैं या फिर उनको तोड़ देते हैं। इतने मंहगे खिलौने को बेकार फैकने की बजाएं,इनसे आंगन को सजाया जा सकता है। इनमें मिट्टी भर कर छोटे-छोटे पौधे लगाएं जा सकते हैं।

आप चाहें तो इन पर अपनी पसंद के रंग भी कर सकते हैं। इन खिलौनों में पौधे लगाकर बालकोनी,आंगन,सीढियों या फिर किचन को और भी खूबसूरत बनाया जा सकता है।

खिलौना कार, बेकार चेयर या फिर ऐसे और भी खिलौनों का बखूबी इस्तेमाल करके घर को सजाया जा सकता है। रंग-बिरंगे छोटे पौधों वाले फूल,जिनमें पानी की भी कम जरूरत होती है वह इन खिलौनों में लगा कर बच्चों को पौधों की देखभाल करनी भी सिखाई जा सकती है। इससे बेकार पड़े खिलौने भी इस्तेमाल हो जाएंगे और घर का वातावरण भी शुद्ध हो जाएगा।

आप इसके लिए बेकार पड़े टायर,बच्चों के पुराने साइकिल,पुराने जूते,टूटी हुई चेयर, लोहे के खानी डिब्बे,टोकरियां और चाय की केतली के अलावा और भी बहुत सी चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसको आप घर में पार्टी थीम की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आपकी अलमारी के लिए क्यों है रेड कलर्स

सबसे महत्वपूर्ण, 5 कारण...

आपके वार्डरोब में कितने ही कलर्स क्यों न हों लेकिन अगर इनमें रेड कलर शामिल नहीं है तो आपका वार्डरोब अधूरा ही माना जाएगा. वैसे तो कहा जाता है कि लाल रंग सुहाग का रंग होता है लेकिन ऐसा नहीं कि इस रंग की ड्रेसेज केवल विवाहित महिलाएं ही पहन सकती हैं बल्कि ये रंग बना है हर किसी के लिए. बच्चा हो या बुढ़ा, हर कोई इस लालिमा से खूबसूरत दिख सकता है. आइए आपको बताते हैं कि रेड कलर की कौन-सी एक्सेसरीज के साथ आपका वार्डरोब बन सकता है परफेक्ट.

ड्रेसः हम मानते हैं कि रेड कलर हर किसी को पसंद नहीं होता, पर फिर भी हम आपको सलाह देंगे कि अगर आप स्टाइलिश और अट्रेक्टिव लगना चाहते हैं तो रेड कलर को अपने वार्डरोब में शामिल जरूर करें. कैजुअल ड्रेसेज में रेड कलर काफी स्टाइलिश लुक देता है.

ज्वेलरीः रेड कलर आपको देता है फैमिनाइन लुक. अब इसके साथ एक्सेसरीज भी रेड कलर की हों तो यकीन मानिए आपके ऊपर से नजर हटाना हर किसी के लिए मुश्किल ही होगा. थोड़े पैसे सेव करें और रेड कलर के ईयरिंग्स खरीदें और कमाल देखें.

पर्स : आप पार्टी में हों या शादी में सिम्पल से सिम्पल लुक पर अगर कुछ किलर अंदाज हो सकता है तो वो है आपका पर्स. छोटा-सा दिखने वाला रेड कलर का ये खूबसूरत पर्स आपपर खूब फबेगा.

हील्स

सिर्फ ब्लैक और ब्राउन स्लीपर्स पहनने का चलन अब पुराना हो चुका है. भले ही आपके पास बेहद बोरिंग कलर्स हैं फिर भी इन्हें स्टाइलिश दिखाने के लिए आप रेड कलर्स की स्लीपर्स या हील्स ट्राई कर सकते हैं. ग्लैम लुक पाने के लिए ये काफी अच्छा अंदाज है.

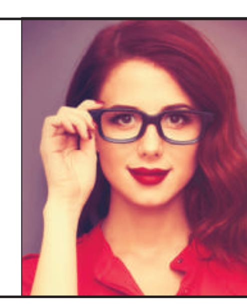

हेयर

आप अपने हेयर स्टाइल से बोर हो चुके हैं और नया लुक पाना चाहते हैं तो अपने बालों में रेड कलर करवा सकते हैं. कुछ बाल या सिर्फ हाईलाइट कराना भी अच्छा ऑप्शन है. आपके बेरिंग लुक को ये रेड कलर स्टाइलिश अंदाज जरूर देगा.

पैरेंटिंग टिप्स

यदि बच्चा निगल लें कोई चीज तो तुरंत करें ये उपाय

कई बार ऐसा होता है कि बच्चे चीजों को मुंह में डालकर निगल जाते हैं। यदि वह वस्तु बच्चे की फूड पाइप में फंस जाएं तो यह काफी खतरनाक होता है। इस स्थिति में हौंसला कभी न खोएं और दिमाग से काम लें। उसी समय यदि कोई समाधान नहीं किया जाता तो बच्चे की जान को भी इससे खतरा हो जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बताएंगे, जिनको आप इस्तेमाल करके बच्चे के गले में फंसी चीज को निकाल सकते है।

जब बच्चे ने कुछ निगल लिया हो तो शुरूआत में बच्चे के ये लक्षण दिखाई देते हैं। दम घुटना, सांस लेने में तकलीफ होना, बोल न पाना, नाखून, जुबान या उंगलियां नीली पड़ जाना, सांस लेते समय जोर -जोर से हांफना आदि।

1. जब बच्चे के गले में कोई चीज फंस जाए तो सबसे पहले घबराएं नहीं और हौंसला रखते हुए बच्चे को आगे की तरफ झुकाकर उसकी पीठ को कम से कम 5 बार ठोकें। इसके बाद बच्चे के सीने पर अपनी 2 उंगलियों से हल्का सा दबाव डाल लें। ऐसे ही 3 से 4 बार करें। इससे निगली गई वस्तु जल्द ही बाहर आ जाएगी।

2. मुंह में कुछ फंस जाए तो बच्चे के पेट के ऊपरी भाग को दोनों हाथों से कसकर पकड़ें। उसको झटका देकर ऊपर की ओर उठाए।

3. तेज खांसी होना गले में कुछ फंसे होने का संकेत देता है। ऐसे में खांसते रहे जब तक कफ न बन जाएं। ऐसे निगली वस्तु बाहर आ जाएगी।

4. अगर आपका बच्चा नीला प? जाए या सांस लेने की कोई समस्या उसे हो तो ऐसे में आप समझ लें कि उसकी नली में कुछ फसा हुआ है, ऐसे में तुरंत डॉक्टर के पास अपने बच्चे को लेकर जाएं।

स्वास्थ्य

कोलेस्ट्रॉल को कम करती है और एसिडिटी से राहत दिलाती है छाछ

गर्मी के दिनों में कोल्ड ड्रिंक छोड़िए और नैचुरल चीजें अपनाइएं। इसमें सबसे पहले जिसका नाम आता है वह है दही, जो दिल, दिमाग और पेट को शांत करता है। लेकिन जिन लोगों को दही खाना पसंद नहीं वे उसकी जगह छाछ पी सकते हैं। छाछ दही से बनी होती है जिसमें जीरा, कड़ी पत्ता, अदरक, नमक आदि डाला जाता है। नेचुरोपैथी के डा. जयंत सिन्हा बताते हैं कि छाछ पेट को शांत तो रखती है और हाजमा भी सुधारती है। आइए जानें इसके फायदों के बारे में

हाई ब्लड प्रेशर को करें कम : जिन चीजों से छाछ तैयार होती है वह एन्टीवायरल, एन्टीबैक्टिरीयल और एन्टी कैंसर गुणों के साथ कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करती हैं।

हाजमा बढ़ाएं : जब भी आप खाना खायें और एसिडिटी या बदहजमी की आशंका लगे तो छाछ लें। छाछ में जो मसाले उपयोग किए जाते हैं वह हाजमे की शक्ति को बढ़ाने में मदद करते हैं।

एसिडिटी से दिलाएं राहत : एसिडिटी के कारण पेट या छाती में जलन हो रही हो तो थोड़ा-थोड़ा करके छाछ पियें। मिनटों में आराम मिल जाएगा। छाछ में मिली काली मर्चि और अदरक डकार और एसिडिटी से आराम दिलाते हैं।

डिहाइड्रेशन होने से बचाएं : नमक,पानी, दही और मसालों से बने छाछ में इलेक्ट्रोलाइट होता है जो शरीर में जल की मात्रा को बढ़ाकर डिहाइड्रेशन से बचाता है।

कोलेस्ट्रोल को करे कंट्रोल : आयुर्वेद के अनुसार एक गिलास छाछ पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। छाछ में कोलेस्ट्रॉल को कम करने का प्रभावकारी गुण होता है।

हरकतों से पहचानें क्या कहना चाह रहे हैं बच्चे

पैरेंट्स अपने बच्चे के एक्टिविटी सिग्नल को आसानी से पहचान लेते हैं। हरकत देखकर ही वो बेबी की जरूरत समझ जाते हैं। यह भी सच है कि समझ बनने में काफी वक्त लगता है। नए पैरेंट्स के लिए सबसे मुश्किल समय शायद वही होता है जब वे अपने छोटे बेबी की जरूरतों और चाहतों को समझने की कोशिश कर रहे होते हैं। बच्चों की एक्टीविटीज को ऐसे डिकोड किया जा सकता है...

» कभी कभी बेबी के फेशियल एक्सप्रेशंस वियर्ड हो जाने पर समझ नहीं आता है कि वे चाहते क्या हैं। वे आपसे नजरें मिलाने के बजाए अगर अपना चेहरा घुमा लेते हैं या रोना शुरू कर देते हैं तो जानने की कोशिश करें कि वे क्या चाहते हैं। उन्हें अपने करीब लाकर उन्हें सुरक्षा का एहसास करायें।

» पहले छह और आठ महीने में किड्स स्माइल करना शुरु कर देते हैं। ये सिग्नल उनके शारीरिक जरुरतों की तरफ इशारा करता है। उन्हें अफेक्शन और प्यार की जरुरत होती है। आप उन्हें अच्छा फील करायें।

» तीन से चार महीने के अधिकतर किड्स नकल करना शुरु कर देते हैं। और वैसे ही फेशियल एक्सप्रेशन भी देना शुरु कर देते हैं। अगर पैरेंट्स डिप्रेस्ड हैं तो वे भी दुखी हो जाते हैं। ऐसे में उनके गालों को अपने गालों से चिपका कर उन्हें प्यार का एहसास करायें।

» जब उनका पेट भरा होता है और वे पूरी तरह से संतुष्ट होते हैं तो वे हाथों को खुला कर लेते हैं और उन्हें फैला लेते हैं। इसका मतलब ये होता है कि उन्हें फीडींग की जरुरत नहीं है।

» जब किड्स का बैक पेन होता है तो वे बेड पर पड़े पड़े अपनी पोजीशन चेंज करना चाहते हैं। वे काफी परेशान से हो जाते हैं और रोना शुरू कर देते हैं। ऐसे में बॉडी पोजिशन चेंज करने में उनकी मदद करनी चाहिए। उन्हें बेबी कैरियर पर बिठायें और उन्हें आराम महसूस कराएं।

» जब किड्स अपने आंखों और अपने कानों को रगड़ना शुरु कर दें तो समझना चाहिए उन्हें झुंझलाहट हो रही है या वे थके हुए हैं। ऐसे में उन्हें चाइल्ड स्पेशलिस्ट से दिखायें या फिर उन्हें सुलाने की कोशिश करें।

» बच्चों के रोने की कई वजहें हो सकती हैं। सबसे पहला कारण या तो वे भूखे हैं या फिर वे किसी प्रकार के दर्द से रो रहे होते हैं। ये भी हो सकता है कि वे थक चुके हों। जब वे सोकर उठते हैं और अचानक से रोना शुरू देते हैं तो समझें कि वे भूखे हैं। जब वे कभी भी किसी समय अचानक से रोना शुरु कर दें तो समझें कि वे किसी प्रकार के दर्द से परेशान हैं। जब वे ठीक तरीके से सो नहीं पायें और तुरंत हर एक-दो घंटे में जाग जायें तो समझ जायें कि वे बहुत थके हुए हैं।

दांतों की तेज झंझनाहट को घरेलू तरीकों से करें दूर

शरीर के बाकी अंगों की तरह दांतों का स्वस्थ्य होना भी बहुत जरूरी है। दांत पीले या खराब हो जाएं तो देखने में भी अच्छे नहीं लगते। इसके साथ ही कमजोर दांतों के कारण इनमें ठंडा या गर्म लगना भी शुरू हो जाता है। जिससे कई बार दांतों में तेज झंझनाहट होनी शुरू हो जाती है। इस कारण आसानी से कुछ खाना-पीना भी मुश्किल हो जाता है। वैसे तो दांतों की सैंसीविटी से बचने के लिए बाजार में कई तरह के टूथपेस्ट मौजूद हैं लेकिन इनके इस्तेमाल से कुछ समय तक ही दांत ठीक रहते हैं। उसके बाद दोबारा यह समस्या आनी शुरू हो जाती है। आज हम दांतों की झंझनाहट की परेशानी को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय लेकर आएं हैं,जिससे आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

1. काले तिल

दांतों में सैंसिविटी की समस्या है तो रोजाना दिन में 2 बार 1-1 चम्मच काले तिल चबाएं। इसके इस्तेमाल से दांतों में झुनझुनाहट की समस्या दूर हो जाएगी।

2. तिल ,सरसों और नारियल का तेल

1-1 चम्मच तिल,सरसों और नारियल का तेल लें। इन सबको अच्छी तरह से मिक्स कर लें। रोजाना ब्रश करने के बाद इस मिक्स किए हुए तेल से दांतों और मसूढ़ों की अच्छी तरह से मसाज करें। मसाज करने के बाद गुनगुने पानी से कुल्ला करें। इससे दांत और मसूढ़े मजबूत होने शुरू हो जाएंगे।

2. नमक और सरसों के तेल

थोड़ा सा नमक और सरसों का तेल दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इस मिश्रण से दांतों की धीरे-धीरे मसाज करें। रोजाना मसाज करने से मसूढ़े और दांत मजबूत होते हैं।

रेसिपी

चाय के साथ सर्व करें अंजीर चाट

अंजीर आधा छोटा चम्मच
उबला आलू 1 कप
कॉर्न फ्लार एक चौथाई कप
रिफाइंड ऑयल, चमक, दही 1 कप
हरी चटनी 2 छोटा चम्मच
इमली चटनी 2 छोटा चम्मच
पापड़ 2, लाल मिर्च पाउडर एक चौथाई छोटा चम्मच, चाट मसाला एक चौथाई छोटा चम्मच, बारीक कटा धनिया पत्ता, उबला हुआ काबुलीचना 1 चम्मच

विधि

एक बर्तन में उबले हुए आलू को मैश कर उसमें नमक मिलाएं। अब इसमें अंजीर मिलाकर टिक्की का आकार दें।

» इस टिक्की को कॉर्न फ्लार में लपेटकर मध्यम आंच पर तेल में तब तक डीप फ्राइ करें जब तक वह सुनहरे रंग का न हो जाए।

» अतिरिक्त तेल निकालकर एक प्लेट में रख लें।

» अब इस टिक्की के ऊपर दही, हरी चटनी, इमली की चटनी और उबला हुआ काबुलीचना डाल दीजिए।

» ऊपर से पापड़, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। ऊपर से हरी धनिया से सजाकर सर्व करें।

इस बार पनीर से बनाएं टेस्टी जलेबी

फुल क्रीम दूध डेढ़ लीटर
नींबू का रस डेढ़ चम्मच
मैदा 1 चम्मच
बेकिंग पाउडर आधा छोटा चम्मच
नमक चुटकी भर
पानी 3 कप
चीनी 2 कप
घी 2 कप

विधि

एक गहरे पैन में दूध लें और मध्यम आंच पर उसे गैस पर चढ़ाकर उबाल आने दें। जब दूध में उबाल आ जाए तो उसमें नींबू का रस डाल दें। » नींबू का रस डालते ही दूध फटने लगेगा। जब दूध पूरी तरह से फट जाए तो उसे छान लें। उसका पानी हटा दें और पनीर को मलमल के कपड़े में रख लें।» इस कपड़े का मुंह बांधकर इसे 2 घंटे के लिए कहीं टांग दें ताकि उसका सारा पानी निकल जाए। » अब इस पनीर में मैदा, बेकिंग पाउडर और नमक मिलाकर अच्छे से मिश्रण को मिला लें। » सारे मिश्रण को मिलाकर अच्छी तरह से गूंथ लें और करीब 20 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें।» गूंथे हुए मिश्रण को बाहर निकालें और उससे लंबी-लंबी रस्सी की तरह बनाकर जलेबी का शेप दें। इस मिश्रण से 8-10 जलेबी बन जाएगी। » अब एक कढ़ाई में घी गर्म करें। जब घी अच्छी तरह से गर्म हो जाए तो उसमें जलेबी को डालें और अच्छी तरह से फ्राई कर लें। » इस बीच चीनी की चासनी तैयार करें। इसके लिए गहरे पैन में चीनी और पानी और इसे तब तक उबालें जब तक वह गाढ़ा न हो जाए। ध्यान रखें कि चासनी न ज्यादा गाढ़ी होनी चाहिए और न ज्यादा पतली।

ध्यान नहीं दिया तो ये आदतें बिगाड़ सकती हैं आपकी सेहत

यूं तो लोग अपने खाने के मैन्यू का बेहद ख्याल रखते हैं। अच्छी सेहत और फिट रहने के लिए जिम, डाइटिंग और योगा करते हैं। लेकिन अमूमन खाने के बाद की गई कुछ गलत आदतों पर ध्यान नहीं दिया जाता। जिससे हमारी सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। सही जानकारी ना होने के कारण इन आदतों से आपके शरीर को काफी नुकसान पहुंचता है। जितना जरूरी अच्छा भोजन करना है, उतना ही पोषक तत्वों का शरीर को लगना और खाने का सही तरह से पाचन है। अनजाने में की गई तमाम गलतियों का असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। जो दबे पांव कई बीमारियों को साथ लाता है। तो आइए जानते हैं कुछ ऐसी आदतें जो आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं-

खाते समय पानी को कहें ना

कभी भी खाना खाते वक्त और खाने के तुरंत बाद पानी ना पिएं। अगर आप खाने के दौरान या बाद में पानी पीते हैं, तो अपनी आदत तुरंत बदलें। ऐसा करने से पाचन तंत्र कमजोर होता है और कब्ज की शिकायत संभव है। सही मायनों में, खाने से आधा घंटे पहले और खाने के एक घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। ध्यान रखें कि खाने से तुरंत पहले भी पानी पीने से पाचन शक्ति कमजोर होती है।

खाने के बाद नहाने को नो-नो

कुछ लोगों की आदत होती है खाने के बाद नहाने की। अगर आप भी ऐसा करने वालों में शामिल हैं तो सावधान हो जाएं। क्योंकि खाने के बाद खून का संचार पेट की तरफ ज्यादा होता है। ऐसे में नहाने पर शरीर का तापमान तुरंत बदल जाता है। हाथों-पैरों में खून का प्रवाह बढ़ता है और पेट के आसपास रक्त प्रवाह कम हो जाता है। लगातार ऐसा करने से आपका पाचन तंत्र कमजोर पड़ सकता है।

खाने के बाद आराम को कहें बाय-बाय

अक्सर लोग ओवरईटिंग के शिकार होने के बाद लेट जाते हैं, आराम फरमाते हैं।

लेकिन मालूम हो यह आदत आपके शरीर को बहुत नुकसान पहुंचा सकती है। क्योंकि भोजन को पचने में समय लगता है, ऐसे में खाने के तुरंत बाद बिल्कुल नहीं सोएं। इससे आपकी पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, साथ ही मोटापा भी बढ़ता है।

चाय और कॉफी पर ब्रेक लगाएं

कई लोगों को खाने के बाद चाय, कॉफी पीना बेहद पसंद होता है। अगर यह आपकी भी आदत में शुमार है तो तुरंत इसे बदलें। खाने के बाद चाय पीना शरीर के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। चाय शरीर में खाने के द्वारा लिए गए पोषक तत्वों को खत्म करता है। वहीं कॉफी में कैफीन होता है, जो आयरन खत्म करता है। खाने के तुरंत बाद चाय, कॉफी पीने से खाने को पचने में परेशानी होती है। इसलिए, कोशिश करें कि खाने के एक घंटे तक चाय की चुस्की पर ब्रेक लगाएं।

खाने के बाद तुरंत ना टहलें

लोगों में मिथ्या है कि खाने के बाद टहलना सेहत के लिहाज से फायदेमंद है। इसलिए लोग फैट घटाने और भोजन पचाने की एवज में मीलों वॉक के लिए निकल पड़ते हैं। लेकिन जरा संभलकर... खाने के तुरंत बाद वॉक करने से पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। क्योंकि शरीर को खाने के पोषक तत्व लेने में समय लगता है। टहलना ही है तो खाने के आधे घंटे बाद जाएं। लंच के बाद आराम करें और डिनर के आधे घंटे बाद हल्की सी वॉक पर निकलें। वॉक के समय तेज गति से चलने की बजाय धीरे-धीरे घूमें। साथ ही 20 मिनट से ज्यादा ना टहलें।

खाने के तुरंत बाद ना खाएं फल

अमूमन सभी घरों में खाने के बाद कुछ मीठा खाने का चलन है। मीठा खाने के लिए लोग फलों का सेवन बेहतर मानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कभी भी खाने के तुरंत बाद फल नहीं खाने चाहिए। खाने के बाद शरीर को खाना पचाने में समय लगता है। अगर इसी दौरान आप फल भी खा लेते हैं तो वो पेट में ही चिपक जाते हैं। फिर ना तो फल और ना भोजन के पोषक तत्व शरीर को मिलते हैं। इसलिए या तो खाने से दो घंटे पहले फल खाएं या खाने के दो घंटे बाद। सबसे बेहतर है सुबह के समय खाली पेट फल खाना।

खाने के बाद सिगरेट से करें तौबा

सिगरेट पीना वैसे तो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ही। कुछ लोगों का खाना तब तक नहीं पचता जब तक वह सिगरेट ना सुलगा लें। अगर आप भी इस फेहरिस्त में शामिल हैं तो जान लें कि खाने के तुरंत बाद धूम्रपान दस गुना ज्यादा खतरनाक होता है। मतलब खाने के बाद एक सिगरेट पीना दस सिगरेट के बराबर है। जिससे पाचन क्रिया, किडनी, दिल को नुकसान पहुंचता है।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ ने भी सिद्ध किया कि आधुनिक भारत श्रीराम की उस मर्यादा का सच्चा उत्तराधिकारी : राजनाथ सिंह

अयोध्या,31 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि श्रीराम की मर्यादा हमें सिखाती है कि युद्ध में भी मूल्य जीवित रहने चाहिए। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ ने भी सिद्ध किया कि आधुनिक भारत राम की उस मर्यादा का सच्चा उत्तराधिकारी है। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ ‘प्रतिष्ठा द्वादशी’ बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने भी भगवान श्रीराम के इसी मर्यादा का पालन किया। जैसे राम का लक्ष्य रावण का संहार नहीं, बल्कि अधर्म का अंत था, हमारा भी वही लक्ष्य था कि हम आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखा कर आएं और हमने बस वही किया। हमने अंधाधुंध प्रतिक्रिया नहीं दी, बल्कि सीमित, नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की। उन्होंने अयोध्या में कहा कि भगवान श्रीराम विनम्र, शीलवान और कृपालु हैं, लेकिन जब अधर्म सिर उठाता है, तब वही राम दुष्ट-दलन की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने ‘आजानु भुज शर चाप धर संग्राम जित खर-दूषणं’ का उद्धरण देते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर मर्यादा के साथ शक्ति का प्रयोग ही धर्म है।

उन्होंने कहा कि श्रीराम हमारी चेतना में बसे हैं; उनकी मर्यादा हमारी पहचान है। वे इतिहास के महान योद्धा थे, पर युद्ध में भी मूल्य और सीमाएं बनाए रखते थे। आधुनिक भारत ने भी वही मार्ग अपनाया है-आतंक के विरुद्ध कठोर, पर निर्दोषों के प्रति संवेदनशील। जैसे राम का उद्देश्य रावण-वध से अधिक अधर्म का अंत था, वैसे ही भारत का लक्ष्य आतंक के तंत्र को तोड़ना है, न कि अनियंत्रित संघर्ष को बढ़ावा देना। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ ने भी सिद्ध किया कि आधुनिक भारत श्रीराम की उस मर्यादा का सच्चा उत्तराधिकारी है।

राजनाथ सिंह ने श्रीराम को किसी ग्रंथ या कथा तक सीमित न मानते हुए कहा कि श्रीराम वह चेतना हैं जो मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। जहां निर्णय कठिन होते हैं, वहां राम आदर्श बनते हैं। जहां शक्ति उन्माद बनने लगती है, वहां राम मर्यादा बनकर उसे रोकते हैं, और जहां अधिकारों की बात होती है, वहां राम कर्तव्य का स्मरण कराते हैं। यही कारण है कि राम सत्य, संयम, संकल्प, सुशासन और संघर्ष का समन्वय हैं।

रक्षा मंत्री ने अयोध्या के विकास पर बोलते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण के बाद करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन ने अयोध्या को वैश्विक धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। सड़कों, आवास, हरित क्षेत्रों, हवाई अड्डे और रेलवे के सुदृढ़ीकरण से अयोध्या एक आधुनिक, सुरक्षित और समृद्ध मॉडल शहर के रूप में उभर रही है। यह विकास केवल अयोध्या का नहीं, बल्कि पूरे भारत के गौरव का प्रतीक है। उन्होंने डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में हो रहे परिवर्तन की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच के अनुरूप आस्था, संस्कृति और इतिहास को संजोते हुए विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना का निर्माण हो रहा है।

साथ ही, उन्होंने राम मंदिर आंदोलन को समाज की चेतना से जन्मा ऐतिहासिक संघर्ष बताया-जो शून्य से नहीं, बल्कि धैर्य, तपस्या और आस्था की सदियों लंबी साधना से आकार लेता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि समय सबका न्याय करता है।

जिन्होंने रामकाज और रामराज्य के मार्ग में अवरोध खड़े किए, उनका सत्य आज दुनिया देख रही है। आज अयोध्या की हर गली राममय है-और यह आनंद केवल अयोध्या तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे भारत और विश्व के उन हृदयों तक है, जो राम को जानते, मानते और जीते हैं। दो वर्ष पूर्व प्रभु श्रीराम का मंदिर में विराजमान होना केवल धार्मिक घटना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण है, जिसका संदेश है मर्यादा में शक्ति और शक्ति में मर्यादा।

सेना ने गोला-बारूद की आपूर्ति में हासिल की 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना अपनी युद्ध क्षमता बढ़ा रही है। खास तौर पर लंबी अवधि तक चलने वाले युद्धों की सशक्त तैयारी की जा रही है। इसका एक मजबूत आधार गोला-बारूद की आपूर्ति में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। सेना के मुताबिक गोला-बारूद की आपूर्ति में 90 प्रतिशत से अधिक आत्मनिर्भरता हासिल कर ली गई है। तेजी से बदलते सुरक्षा वातावरण, अनिश्चितताओं और दीर्घकालिक संकटों के दौर में किसी भी देश की सैन्य क्षमता केवल आधुनिक हथियारों पर नहीं, बल्कि लगातार संचालन जारी रखने की क्षमता पर निर्भर करती है। गोला-बारूद, स्पेयर पार्ट्स और लॉजिस्टिक्स इसी निरंतरता की रीढ़ होते हैं। इसी महत्व को समझते हुए, भारतीय सेना ने गोला-बारूद उत्पादन में आत्मनिर्भरता को अपनी तैयारी की केंद्रीय रणनीति बनाया है। लंबे समय तक भारतीय सेना का गोला-बारूद पारंपरिक उत्पादन प्रणालियों और विदेशी आयात पर निर्भर रहा। इससे वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं में व्यवधान आने पर जोखिम बढ़ जाता था। सेना के मुताबिक हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों ने यह स्पष्ट किया है कि वे देश जो घरेलू स्तर पर गोला-बारूद का सतत उत्पादन बनाए रख सकते हैं, वे लंबे समय तक अपनी सैन्य गति को बरकरार रखते हैं।

इसी चुनौती का समाधान करते हुए भारतीय सेना ने आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड की दृष्टि के अनुरूप स्वदेशीकरण को तेज गति दी है। भारतीय सेना का कहना है कि वर्तमान में वह लगभग 200 प्रकार के गोला-बारूद और प्रिसीजन म्यूनिशन का संचालन करती है। नीतिगत सुधारों और उद्योग-सहयोग के माध्यम से इनमें से 90 फीसदी से अधिक का सफलतापूर्वक स्वदेशीकरण हो चुका है। इसका लाभ यह है कि अब इन्हें देश के भीतर से ही खरीदा जा रहा है।

सेना का कहना है कि शेष श्रेणियों पर रिसर्च संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों और निजी क्षेत्र के प्रयासों के माध्यम से कार्य चल रहा है। दरअसल बीते चार-पांच वर्षों में खरीद प्रक्रियाओं का पुनर्गठन किया गया है। ऐसा इसलिए ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और आपूर्ति के अनेक विकल्प उपलब्ध हों। मेक इन इंडिया के तहत लगभग 16,000 करोड़ रुपए का आदेश-पैकेज तैयार किया गया है। वहीं बीते तीन वर्षों की बात करें तो इस अवधि में करीब 26,000 करोड़ रुपए के गोला-बारूद के ऑर्डर स्वदेशी निर्माताओं को दिए गए हैं। अनेक प्रकारों में अब बहु-स्रोत उपलब्ध होने से आपूर्ति-श्रृंखला और अधिक मजबूत हुई है।

प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा : आरती सिंह राव

चंडीगढ़,31 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी कीमत पर खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स एवं एक्सीपिएंट्स के मामले में औद्योगिक-ग्रेडस को अपने प्रोडक्ट्स की बिक्री एवं ट्रांसपोर्ट के मामले में नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। अगर किसी भी निर्माता ने उलंघन किया तो उसका लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकता है और उसके खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। फूड एंड ड्रगस एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर ललित कुमार गोयल ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के दिशा निर्देशों के अनुसार जन-स्वास्थ्य को ध्यान में रख कर एडवाइजरी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक-ग्रेडस उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स एवं एक्सीपिएंट्स के दुरुपयोग को रोकने और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। यह एडवाइजरी हरियाणा स्टेट फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के माध्यम से प्रदेश के सभी फार्मास्युटिकल निर्माता, व्यापारी, आयातक एवं वितरकों को सूचित की गई है। उन्होंने बताया कि यह निर्देश 22 दिसंबर 2025 को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (उउड्डउज), प्रवर्तन प्रभाग, महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुपालन में जारी किए गए हैं।

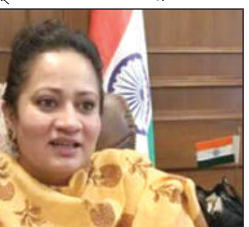

उन्होंने कहा कि औद्योगिक-ग्रेड उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स की बिना पर्याप्त सुरक्षा के बिक्री से जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है और इससे दवा आपूर्ति श्रृंखला की गुण-वत्ता व सुरक्षा प्रभावित होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च जोखिम सॉल्वेंट्स एवं एक्सीपिएंट्स की खुली (लूज़) बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। इन उत्पादों की बिक्री केवल मूल, सीलबंद और टैम्पर-प्रूफ कंटेनरों में ही की जाएगी, जिन पर पूर्ण लेबलिंग एवं बैच-ट्रेसबिलिटी से संबंधित जानकारी उपलब्ध होनी अनिवार्य है।

गोयल ने कहा कि इन निर्देशों का पालन न करने पर संबंधित इकाइयों के विरुद्ध सख्त नियामकीय कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस का निलंबन या रद्दीकरण तथा कानूनी अभियोजन भी शामिल हो सकता है।

परीक्षा पे चर्चा : 3 करोड़ से अधिक पंजीकरण, नया कीर्तिमान स्थापित

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख पहल ‘परीक्षा पे चर्चा’ ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। दरअसल ‘परीक्षा पे चर्चा’ में शामिल होने के लिए तीन करोड़ से अधिक व्यक्तियों ने अपना पंजीकरण कराया है। इनमें सबसे बड़ी संख्या में छात्र शामिल हैं। छात्रों के अलावा शिक्षकों और अभिभावकों ने भी बड़ी तादाद में अपना पंजीकरण कराया है। गौरतलब है कि ‘परीक्षा पे चर्चा’ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से परीक्षा-संबंधित तनाव, तैयारी, सीख एवं मानसिक दृष्टिकोण पर संवाद करते हैं। प्रधानमंत्री का यह संवाद छात्रों परीक्षा के भय से मुक्त करने और परीक्षा को सकारात्मक रूप से देखने के लिए आयोजित किया जाता है। बीते वर्ष की बात करें तो पिछले साल 'परीक्षा पे चर्चा' में 245 से अधिक देशों के छात्र शामिल हुए थे। वहीं 153 देशों के शिक्षकों और 149 देशों से बड़ी संख्या में अभिभावक भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने थे। तब इस व्यापक भागीदारी ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस साल भी करोड़ों आवेदन आए हैं और यह अभूतपूर्व प्रतिक्रिया कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को संबोधित करने का यह एक बड़ा प्रयास है। संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तीन करोड़ पंजीकरण इसकी सफलता व लोकप्रियता को दिखाते हैं। यह दिखाता है कि परीक्षाओं के प्रति सकारात्मक और आत्मविश्वासी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में यह संवाद महत्वपूर्ण योगदान देता है।

शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि भागीदारी का यह विशाल स्तर 'परीक्षा पे चर्चा' को एक सच्चे जन आंदोलन के रूप में उभरने को भी दर्शाता है। यह देशभर के शिक्षार्थियों और शिक्षकों के बीच गहरा प्रभाव छोड़ रहा है। माईगॉव पोर्टल पर 1 दिसंबर 2025 से 'परीक्षा पे चर्चा 2026' के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो चुके हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित यह पहल सीखने और संवाद के एक व्यापक रूप से प्रतीक्षित उत्सव में बदल गई है। संवाद की यह पहल छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को साझा मंच पर एक साथ भी लाती है। परीक्षा पे चर्चा 2026 में भाग लेने के लिए देशभर के छात्र, अभिभावक और शिक्षक अभी भी माईगॉव पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संवाद कार्यक्रम अगले महीने जनवरी में आयोजित किया जाएगा। इस संवाद के माध्यम से छात्र परीक्षा के भय व तनाव को दूर करने के उपाय जान सकते हैं, जिससे वे परीक्षा के लिए आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ तैयार हो सकेंगे। प्रधानमंत्री के इस संवाद कार्यक्रम, ‘परीक्षा पे चर्चा’ को आठ संस्करण यानी आठ वर्ष पूरे हो चुके हैं। बीते वर्ष प्रधानमंत्री ने आठवें संस्करण के तहत छात्रों से संवाद किया था।पिछले साल यह चर्चा नई दिल्ली के सुंदर नर्सरी में एक नए और अभिनव प्रारूप में आयोजित की गई थी। प्रधानमंत्री के इस संवाद कार्यक्रम में प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के छात्र शामिल हुए थे। इस वर्ष के संस्करण में शामिल होने के लिए 11 जनवरी 2026 तक पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराया जा सकता है।

दिल्ली में फिर से शुरू होगी राइड-शेयरिंग सुविधा, सिरसा की टैक्सी एग्रीगेटर्स के साथ बैठक

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी कड़ी में पर्यावरण एवं वन मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली सचिवालय में ओला, उबर, रैपिडो सहित प्रमुख टैक्सी और मोबिलिटी एग्रीगेटर्स तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान मंत्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार चार प्रमुख क्षेत्रों-वाहन प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, धूल प्रदूषण और कचरा प्रबंधन-पर एक साथ काम कर रही है, ताकि लोगों को साफ हवा मिल सके। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक कम करने और साझा व ग्रीन परिवहन को बढ़ावा देने में मोबिलिटी एग्रीगेटर्स की भूमिका बहुत अहम है। यह बैठक मैं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सिरसा ने दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने और ईवी को बढ़ावा देने के लिए परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह के प्रयासों की भी सराहना की। बैठक में राइड-शेयरिंग पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि सभी एग्रीगेटर्स दिल्ली में राइड-शेयरिंग सेवाएं जल्द से जल्द फिर शुरू की जाएं, क्योंकि इससे सड़कों पर वाहनों की संख्या घटती है और प्रदूषण कम होता है।

एग्रीगेटर्स ने बताया कि कुछ तकनीकी और संचालन से जुड़ी तैयारियां बाकी हैं, जिस पर मंत्री ने परिवहन विभाग को एक महीने के भीतर राइड-शेयरिंग सुविधा पूरी तरह लागू करने के निर्देश दिए। इसके बाद कारपूलिंग के मुद्दे पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि खासतौर पर ऑफिस टाइम में कारपूलिंग से ट्रैफिक और प्रदूषण दोनों में बड़ी कमी आ सकती है।

बैठक में इस पर भी चर्चा हुई कि कारपूलिंग एक नॉन-कमर्शियल, साझा सफर का विकल्प होगा। एग्रीगेटर्स को सुझाव दिए गए कि वे अपने ऐप में कारपूलिंग का फीचर विकसित करें या अलग कारपूलिंग प्लेटफॉर्म पर काम शुरू करें। परिवहन विभाग को कारपूलिंग से जुड़े नियमों की जांच कर इसे बढ़ावा देने के लिए जरूरी सुझाव जल्द देने को कहा गया।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए मंत्री ने कहा कि निजी रजिस्ट्रेशन वाले इलेक्ट्रिक वाहन बिना कमर्शियल फीस, परमिट या अतिरिक्त लाइसेंस शर्तों के एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से जोड़े जा सकें। परिवहन विभाग को निर्देश दिए गए कि वह कानूनी, सुरक्षा और बीमा से जुड़े पहलुओं की जांच कर ऐसा ढांचा तैयार करे, जिससे निजी ईवी मालिक भी सुरक्षित तरीके से इसमें शामिल हो सकें।

मंत्री ने एग्रीगेटर्स से बस और शटल सेवाओं का विस्तार करने का भी आग्रह किया, खासकर ऑफिस रूट और ज्यादा मांग वाले इलाकों में। उन्होंने कहा कि जब ज्यादा लोग निजी गाड़ियों के बजाय साझा बस और शटल सेवाएं अपनाएंगे, तो प्रदूषण पर असर साफ दिखेगा और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इसके अलावा, एग्रीगेटर्स को ग्रीन राइड विकल्पों को बढ़ावा देने और ऐप में ऐसे फीचर जोड़ने को कहा गया, जिससे लोग देख सकें कि साझा या इलेक्ट्रिक सफर से कितना प्रदूषण कम हुआ। साथ ही, ट्रैफिक ज्यादा रहने वाले रास्तों की पहचान के लिए रूट-वाइज डेटा साझा करने को भी कहा गया।

हिमाचल प्रदेश : नए साल पर पर्यटकों का जमावड़ा, मंडी पुलिस सुरक्षा में तैनात

मंडी,31 दिसंबर (एजेंसियां)। कुछ ही घंटों में नया साल 2026 शुरू हो जाएगा। ऐसे में बड़ी संख्या में पर्यटक नए साल का जश्न मनाने के लिए शिमला, कुल्लू-मनाली, किन्नौर, कसोल और मलाणा जैसी जगहों पर पहुंच रहे हैं, जिस वजह से अचानक से भीड़ बढ़ गई है। ऐसे में हिमाचल पुलिस अलर्ट मोड पर है और सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसी कड़ी में मंडी पुलिस ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हाईवे पर गाड़ियों की चेकिंग भी की जा रही है, जिससे बाहर से आ रहे पर्यटकों और स्थानीय लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ज्यादातर टूरिस्ट चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे से कुल्लू और मनाली की तरफ जा रहे हैं। इसलिए लोकल लोगों और टूरिस्ट दोनों की सुविधा के लिए पुलिस ने अतिरिक्त फोर्स तैनात की है। इसका मकसद सिर्फ सुरक्षा नहीं है, बल्कि ट्रैफिक को सही तरीके से चलाना और सभी की यात्रा आरामदायक बनाना भी है।

नेशनल हाईवे पर एक्स्ट्रा तैनाती इसलिए की गई है ताकि ट्रैफिक फ्लो बेहतर रहे। नए साल के मौके पर पर्यटकों का आगमन बहुत ज्यादा होता है और ट्रैफिक जाम का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पुलिस ने नाके और चेकिंग के जरिए सुरक्षा और ट्रैफिक कंट्रोल दोनों सुनिश्चित किए हैं। जिले के अलग-अलग एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर भी सख्त निगरानी की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि ये सभी इंतजाम लोगों की सुविधा और सुरक्षा के लिए हैं। साथ ही पर्यटकों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे नियमों का पालन करें। चाहे ट्रैफिक नियम हों या पब्लिक जगह पर व्यवहार के नियम, सभी का ध्यान रखें। इससे ना सिर्फ आपकी यात्रा आसान होगी, बल्कि लोकल लोग भी परेशान नहीं होंगे।

अधिकारियों ने कहा कि मंडी में आने वाले पर्यटकों का स्वागत है और आगे कुल्लू-मनाली की यात्रा भी सुरक्षित तरीके से होगी।

‘गठबंधन अभी जिंदा है’, राजद को लेकर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर का दावा

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेताओं के सुर एक-दूसरे से मेल नहीं खा रहे हैं। कांग्रेस नेता शकील अहमद ने जहां राजद को कांग्रेस के लिए बोझ बताते हुए आगे बढ़ने की नसीहत दी। वहीं, कांग्रेस सांसद तारिक अनवर उनके बयान से सहमत नहीं हैं। तारिक अनवर का मानना है कि गठबंधन राजद के साथ ही बना रहेगा। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में जब कांग्रेस सांसद तारिक अनवर से शकील अहमद के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने कहा कि हमारा राजद के साथ रिश्ता और गठबंधन है, क्योंकि यह इंडिया ब्लॉक गठबंधन का हिस्सा है। जब तक यह इंडिया ब्लॉक गठबंधन का हिस्सा रहेगा, तब तक यह हमारे गठबंधन का भी हिस्सा रहेगा। उनकी अपनी निजी राय हो सकती है।

उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति विशेष के जरिए गठबंधन नहीं होता। गठबंधन का फैसला दिल्ली से शीर्ष नेतृत्व करता है।राजद को लेकर शकील अहमद ने कहा था कि कांग्रेस को राजद से कोई लाभ नहीं होने वाला है। कांग्रेस को आगे बढ़ जाना चाहिए।गाजियाबाद में हिंदू संगठनों के सदस्यों द्वारा तलवारें और कुल्हाड़ियां बांटने पर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि ऐसी चीजों पर सख्ती से रोक लगाने की जरूरत है। हम किस तरफ जा रहे हैं, इस बारे में हमारी केंद्र और राज्य सरकारों दोनों को सोचने की जरूरत है।

8वें वेतन आयोग से लेकर क्रेडिट स्कोर तक एक जनवरी से लागू होंगे ये बदलाव

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां)। 2026 शुरू होने में कुछ ही घंटों का समय बचा हुआ है। हर साल ही शुरुआत में कुछ नए नियम लागू होते हैं, जिनका असर सीधे तौर पर आम आदमी की जिंदगी पर पड़ता है। ऐसे ही कुछ नियम एक जनवरी से लागू होने वाले हैं। 8वां वेतन आयोग एक जनवरी, 2026 से लागू हो जाएगा। केंद्र सरकार इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इससे प्रत्यक्ष तौर पर करीब 50 लाख कर्मचारियों और लगभग 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। नए वेतन आयोग से सरकारी कर्मचारियों के वेतन में 20 से 35 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। नए साल पर क्रेडिट स्कोर में भी बड़ा बदलाव होने जा रहा है। फिलहाल क्रेडिट स्कोर महीने में एक बाद अपडेट होता है, लेकिन 2026 से यह हर हफ्ते यानी हर 7 दिनों में अपडेट होगा। इससे ईएमआई समय से भरने का फायदा जल्द ही मिलेगा।

केंद्र सरकार ने पीएम किसान योजना का फायदा लेने वालों के लिए नया सिस्टम किसान आईडी पेश किया है। एक जनवरी 2026 से यूपी, बिहार और मध्यप्रदेश जैसे कई राज्यों में यह सिस्टम लागू हो रहा है। इस डिजिटल आईडी में किसानों की भूमि, फसल, आधार और बैंक आदि की जानकारी होगी। अगर यह आईडी नहीं है तो पीएम किसान योजना के तहत आने वाली 6,000 रुपए की सालाना मदद रुक सकती है।

नए साल में वाहनों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी और घरों में खाना बनाने के लिए उपयोग होने वाली पीएनजी की कीमतों में 2-3 रुपए प्रति यूनिट की कमी आ सकती है। इसकी वजह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) की ओर से घोषित टैरिफ एडजस्टमेंट है जो कि एक जनवरी 2026 से लागू होने जा रहा है।

इसके अलावा नए साल के अवसर पर एलपीजी गैस और एविएशन फ्यूल की कीमतों में बदलाव हो सकता है।

पैन को आधार से लिंक करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर, 2025 है। अगर आपने अभी तक पैन को आधार लिंक नहीं किया है तो आपका पैन कार्ड एक जनवरी से निष्क्रिय हो जाएगा। ऐसे में आपको इनकम टैक्स भरने से लेकर बैंकों में बड़े लेनदेन करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

इंग्लैंड के जोश टंग समेत कई गेंदबाजों ने आईसीसी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई

दुबई,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में हाल ही समाप्त हुए चौथे टेस्ट मैच (बाक्सिंग डे टेस्ट) में हिस्सा लेने वाले कई तेज गेंदबाजों ने नवीनतम आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। दो दिन के अंदर खत्म हुए इस टेस्ट में सभी 36 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए। मुकाबले में सात विकेट लेकर प्लेयर आफ द मैच बने इंग्लैंड के तेज गेंदबाद जोश टंग को टेस्ट गेंदबाजों की सूची में 13 पायदान का फायदा हुआ है। इससे वह ऊपर चढ़कर 573 रेटिंग अंक के साथ 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के लिए आस्ट्रेलियाई दौरे पर यह पहली जीत थी, जिसमें टंग ने शानदार प्रदर्शन कर पहली पारी में पांच विकेट झटके, जबकि दूसरी पारी में दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा था। फिलहाल पांच मैचों की इस एशेज सीरीज में 3-1 से आस्ट्रेलिया ने विजयी बढ़त बनाई हुई है। सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच सिडनी में चार जनवरी से खेला जाएगा। टंग के अलावा अन्य गेंदबाजों की भी रैंकिंग में उछाल आया है। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने वापसी करते हुए जीत में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और नई गेंद से अहम खिलाड़ी ट्रैविस हेड को आउट करके मैच की शुरुआत की। वह मैच में तीन विकेट की बदौलत रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं ब्रायडन कार्स के पांच विकेटों ने उन्हें छह पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंचा दिया। आस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों ने भी रैंकिंग में मामूली बढ़त के साथ अपने उच्च स्तर को बनाए रखा है। मुख्य तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क के मैच में चार विकेट ने उन्हें पाकिस्तान के नोमान अली के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया। दोनों के 843 रेटिंग अंक हैं। अन्य तेज गेंदबाज स्काट बोलैंड दो स्थान ऊपर चढ़कर 810 के रेटिंग अंक के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए ।टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक तीन स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष स्थान पर काबिज जो रूट से केवल 21 रेटिंग अंक पीछे हैं। रुट के 867 रेटिंग अंक हैं, जबकि ब्रूक के 846 रेटिंग अंक है। तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन, चौथे पर आस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और पांचवें स्थान पर स्टीव स्मिथ हैं। टेस्ट आलराउंडर रैंकिंग में गस एटकिंसन दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान (238) पर पहुंच गए ।

न्यूज ब्रीफ

श्रेयस अय्यर की फिलहाल वापसी की उम्मीद नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहेंगे

मुम्बई। आस्ट्रेलिया दौरे में चोटिल होने के बाद से ही बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के अनुभवी

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के अभी वापसी करने की कोई उम्मीद नहीं है। अय्यर को आस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरे हैं। इसी कारण उनकी मैदान पर वापसी में देरी हो रही है। बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) से भी उन्हें खेलने की मंजूरी नहीं मिली है। वहीं पहले कहा गया था कि श्रेयस 30 दिसंबर को सेंटर आफ एक्सीलेंस से बाहर आ जाएंगे पर अब उन्हें कम से कम एक सप्ताह और वहीं रहना होगा। इसका कारण है कि श्रेयस का वजन करीब 6 किलो वजन घट गया था। उनकी मांसपेशियों में भी कमजोरी आई है। इससे उनकी ताकत अभी भी सही स्तर पर नहीं पहुंची है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, उनकी बल्लेबाजी में कोई परेशानी नहीं है पर आस्ट्रेलिया में लगी चोट के बाद से ही उनका वजन करीब छह किलो वजन घट गया है। इसलिए मेडिकल टीम अभी तक उन्हें फिट नहीं मानती है। पहले कहा जा रहा था कि श्रेयस के 3 और 6 जनवरी को विजय हजारे ट्राफी के मैच खेलने की उम्मीद है और फिर 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होने वाली न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में उनकी वापसी की बात कही गयी पर अब , योजना बदल गई है उम्मीद है कि उन्हें 9 जनवरी तक ही खेलने की मंजूरी मिलेगी। ऐसे में उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में शामिल होना संभव नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा, श्रेयस की रिकवरी में काफी सकारात्मक संकेत थे। वह मुंबई में बल्लेबाजी कर रहे थे और सेंटर आफ एक्सीलेंस में जमकर मेहनत कर रहे थे।

कोमा में रहे श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर अक्षु फर्नांडो का निधन

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर अक्षु फर्नांडो का लंबी बिमारी के बाद मंगलवार को निधन हो गया। अक्षु पिछले करीब सात साल से कोमा में थे। अंडर-19 क्रिकेटर रहे अक्षु दिसंबर 2018 में एक रेलवे ट्रैक पर हादसे का शिकार हो गये थे। उसके बाद से ही वह गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती थे। वह तब से ही जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे थे। उनके निधन की खबर से श्रीलंकाई क्रिकेट जगत में शोक छा गया है। रागामा क्रिकेट क्लब के वरिष्ठ प्रशासक रोशन अबेयसिंघे ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, वह एक शानदार इंसान और बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी थे। एक क्रूर हादसे ने उनका करियर छीन लिया। हम सभी के लिए यह बेहद दुखद दिन है। अक्षु फर्नांडो की गिनती श्रीलंका के सबसे प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज़ों में होती थी। वह 2010 अंडर-19 विश्व कप के लिए भी श्रीलंकाई टीम में शामिल थे। हादसे से कुछ ही हफ्ते पहले उन्होंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में शतक लगाया था। करीब 9 साल के करियर में अक्षु ने कोल्ट्स क्रिकेट क्लब, पनादुरा स्पोर्ट्स क्लब और चिला मरियंस स्पोर्ट्स क्लब से खेलते हुए 39 मैचों में 1067 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाये थे। वहीं अक्षु फर्नांडो ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 52 रनों की पारी खेली थी।

आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

सिडनी। पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेमियन मार्टिन को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार 54 साल के मार्टिन मेनिन्जाइटिस से पीड़ित हैं और इस कारण उनकी स्थिति बेहद खराब बनी हुई है जिससे क्रिकेट जगत मे चिन्ता छायी हुई है, हालांकि साथी क्रिकेटरों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। साल 1992 से 2006 तक आस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा रहे मार्टिन को बाक्सिंग डे पर बीमार पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्थानीय मीडिया के अनुसार मार्टिन का मेनिन्जाइटिस के इलाज जारी है पर अभी उनकी हालात में सुधार नहीं हुआ है। मेनिन्जाइटिस में दिमाग और रीढ़ की हड्डी के चारों ओर की झिल्लियों में सूजन आ जाती है। वहीं उनके साथी क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा, उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिल रहा है। उनकी पत्नी अमांडा और पूरा परिवार उनका ध्यान रख रहा है। प्रशंसकों सहित सभी चाहने वालों की प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हैं। वहीं पूर्व आस्ट्रेलियाई कोच डैरेन लेहमन ने अपने संदेश में कहा, बहुत सारा प्यार और दुआएं। मजबूत रहो और लड़ते रहो, लीजेंड। परिवार को भी प्यार। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ टाड ग्रीनबर्ग ने कहा , डेमियन की बीमारी की खबर सुनकर दुखी हूं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया और पूरे क्रिकेट समुदाय की शुभकामनाएं इस समय उनके साथ हैं।

एशिया कप में रजत, प्रो लीग में चुनौती व भारतीय महिला हाकी टीम के लिए रहा उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला हाकी टीम के लिए साल 2025 कुछ खास नहीं रहा। इस साल भारतीय टीम का महिला हाकी एशिया कप 2025 में प्रदर्शन थोड़ा अच्छा रहा, जहां टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि, एशिया कप फाइनल में चीन से 1-4 से हारकर वह अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने से चूक गई। इसके अलावा एफआईएच प्रो लीग में कमजोर प्रदर्शन के चलते टीम को नेशंस कप में उतरना पड़ेगा।

आस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआतभारतीय महिला टीम ने साल की शुरुआत अप्रैल के अंत में आस्ट्रेलिया के पांच मैचों के दौरे से की, जहां उसे शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिला। हालांकि पर्थ में भारत का अभियान मिले-जुले नतीजों के साथ समाप्त हुआ। शुरुआती दो मैच 2-0 और 3-2 से हारने के बाद अंतिम मुकाबले में 1-0 से जीत हासिल की। भारतीय महिला हाकी टीम ने दौरे पर कुल पांच मैच खेले और एक जीत और चार हार के साथ समाप्त किया। पहले दो मैच आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ थे, जिनमें भारतीय टीम दोनों मैच हार गई। हालांकि नतीजों से इतर, यह दौरा टीम के लिए बेहद अहम रहा, क्योंकि इससे उभरती प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का अवसर मिला।

प्रो लीग में निराशाजनक अभियानवैश्विक स्तर पर महिला एफआईएच हाकी प्रो लीग 2024-25 भारतीय टीम के लिए कठिन साबित हुई। आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलते हुए भारत को निरंतरता बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा। 16 मैचों में केवल दो जीत और 10 अंकों के साथ टीम तालिका में अंतिम स्थान पर रही। टीम को कुल 11 मुकाबलों में हार मिली, जिनमें अंतिम आठ मैचों की लगातार हार भी शामिल रही। इस कारण टीम को एफआईएच नेशंस कप में खिसकना पड़ा।

हालांकि, टीम ने कई मैचों में जुझारूपन और आक्रामक खेल का परिचय दिया, लेकिन रक्षात्मक चूक और निर्णायक मौकों पर गोल करने में विफलता भारी पड़ी। इसके बावजूद नीदरलैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में मिली जीत, कई करीबी मुकाबले और युवा खिलाड़ियों का प्रभावशाली प्रदर्शन टीम की बढ़ती सामरिक समझ और फिटनेस को दर्शाता है। अब नेशंस कप को टीम एक अवसर के रूप में देख रही है, जहां पेनल्टी-कार्नर को गोल में बदलने और टीम की गहराई बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। लक्ष्य 2026-27 सत्र में एफआईएच प्रो लीग में वापसी का है।

एशिया कप में रजत पदक की चमकपेनल्टी-कार्नर विशेषज्ञ दीपिका और अनुभवी गोलकीपर सविता की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय टीम ने चीन में आयोजित महिला हाकी एशिया कप 2025 में सराहनीय प्रदर्शन किया। ग्रुप चरण में प्रभावशाली जीत दर्ज करते हुए टीम फाइनल में पहुंची, जहां मेजबान चीन से कड़े मुकाबले में हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस पूरे अभियान में टीम की ऊर्जा, संतुलित संयोजन और सामूहिक प्रदर्शन देखने को मिला, जिसने एशियाई प्रतियोगिताओं में भारत की निरंतर मजबूत मौजूदगी को और पुख्ता किया। भविष्य की ओर उम्मीद के साथ कदमहाकी इंडिया के अनुसार, युवा खिलाड़ियों ने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ बेहतरीन तालमेल बैठाया और उच्च दबाव वाले मुकाबलों से महत्वपूर्ण सीख हासिल की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीबी हारों से मिली सीख ने टीम की मानसिक मजबूती और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को निखारा है, जिसकी झलक एशिया कप में देखने को मिली। अब भारतीय महिला हाकी टीम की नजरें एफआईएच नेशंस कप और विश्व कप क्वालीफायर पर टिकी हैं। प्रदर्शन में सुधार के लिए विश्लेषण-आधारित तैयारी, मजबूत रक्षा और खेल की गति बढ़ाने पर केंद्रित विशेष प्रशिक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं। कुल मिलाकर, 2025 भारतीय महिला हाकी के लिए संघर्ष और सीख का वर्ष रहा, जो 2026 की चुनौतियों के लिए एक मजबूत और आत्मविश्वासी टीम के निर्माण की दिशा में अहम कदम साबित हो सकता है।

सूर्यकुमार ने तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना की

तिरुमला,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान का आर्शिवाद लिया। सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने वैकुंठ एकादशी के शुभ अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की और पवित्र वैकुंठ द्वारम से होकर दर्शन किए। इसे अत्यंत पावन माना जाता है। सूर्या पिछले कुछ समय से अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और माना जा रहा है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले इसी कारण भागवान की शरण में पहुंचे होंगे।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीडीपी) प्रशासन ने सूर्यकुमार और उनकी पत्नी के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था भी की। सुबह के समय दोनों ने शांतिपूर्वक भगवान के दर्शन किए। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने उन्हें रंगनायकुलावरी मंडपम में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात दोनों को तीर्थ प्रसाद प्रदान किया गया और उन्होंने भगवान को वस्त्र अर्पित किए।

मंदिर परिसर में सूर्यकुमार और देविशा को देखकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। दोनों पारंपरिक परिधान में सादगी और श्रद्धा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए। उनकी विनम्रता और आस्था ने एक बार फिर यह दिखाया है कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम के बाद भी भारतीय खिलाड़ी अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जुड़े हुए हैं। उनके मंदिर दर्शन का एक वीडियों भी आया है। इसमें दिख रहा है कि सूर्यकुमार जब मंदिर की तरफ जा रहे थे तो प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। सूर्यकुमार ने पास आने वाले प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। कुछ पल के लिए वो रुके भी जिससे तस्वीर लेने वालों को पूरा समय मिल सके और किसी को परेशानी भी ना हो। इससे पहले साल 2023 में भी उन्होंने वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थी। इसके अलावा वह बाबा महाकाल और अन्य मंदिरों में भी दर्शनों के लिए पहुंचते रहे हैं। वहीं सूर्या के अलावा बल्लेबाज तिलक वर्मा भी भगवान वेंकटेश्वर के दर्शनों के लिए पहुंचे। उनके साथ बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल के सदस्य और पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वी. चामुंडेश्वरनाथ भी थे। तिलक इससे पहले एशिया कप 2024 से पहले भी तिरुमला आए थे।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया की साल 2025 की सर्वश्रेष्ठ टीम में चार भारतीय भी शामिल

सिडनी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने साल साल 2025 की अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम ग्यारह घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी दक्षिण अफ्रीका के टेम्बा बावुमा को दी गयी है। इसमें चार भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। इस टीम में भारत के शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, के केएल राहुल के अलावा रविंद्र जडेजा को 12 वां खिलाड़ी बनाया गया है। इस टीम में टेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत के लिए केएल राहुल को रखा गया है। इन दोनों बल्लेबाज़ों ने ही साल 2025 में टेस्ट क्रिकेट में 800 से ज्यादा रन बनाए थे। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद राहुल को भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिली थी जिसे उन्होंने अच्छी तरह से निभाय। वहीं मध्य क्रम में शुभमन और रूट रहेंगे। मध्य क्रम में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज़ जो रूट, भारत के शुभमन गिल के अलावा दक्षिण अफ्रीका के बावुमा रहेंगे। बावुमा की कप्तानी में ही दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जीता था।

भारत ने श्रीलंका को 5-0 से किया क्लीन स्वीप तीसरी बार टी-20 सीरीज में सूपड़ा साफ

तिरुवनंतपुरम,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 15 रन से हराकर सीरीज 5-0 से अपने नाम कर ली। इसके साथ ही भारत ने तीसरी बार किसी टीम को टी-20 सीरीज में 5-0 के अंतर से हराने का कारनामा किया। इससे पहले टीम इंडिया वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को भी इसी अंतर से शिकस्त दे चुकी है।

ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत 7 विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 7 विकेट गंवाकर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से 15 रन दूर रह गई।

भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए 43 गेंदों में 9 चौकों और 1 छक्के की मदद से 68 रन बनाए। उनके अलावा अरुंधति रेड्डी ने 27 और अमनजोत कौर ने 21 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से चमारी अटापट्टू, कविषा दिलहारी और रश्मिका सेवांदी ने दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत खराब रही और दूसरे ही ओवर में कप्तान चमारी अटापट्टू पवेलियन लौट गईं। इसके बाद हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने 79 रन की अहम साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की। इमेशा दुलानी ने अर्धशतक लगाया, जबकि हसिनी परेरा ने 65 रन बनाए। हालांकि इनके आउट होते ही श्रीलंका की पारी लड़खड़ा गई और टीम जीत से दूर रह गई। भारत के लिए श्री चरणी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिया, जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुई।

सीरीज के पांचों मुकाबले दो वेन्यू पर खेले गए। शुरुआती दो मैच विशाखापट्टनम में और अंतिम तीन मुकाबले तिरुवनंतपुरम में आयोजित हुए। भारत ने पहले तीन मैच क्रमश: 8, 7 और 8 विकेट से जीते, जबकि चौथे मुकाबले में 30 रन और पांचवें में 15 रन से जीत दर्ज की।

सीरीज में बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा सबसे सफल रहीं। उन्होंने पांच मैचों में 80.33 की औसत से 241 रन बनाए, जिसमें 36 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। श्रीलंका की ओर से हसिनी परेरा ने 165 रन बनाकर टीम के लिए सर्वाधिक रन जुटाए। गेंदबाजी में भारत की दीप्ति शर्मा, वैष्णवी शर्मा और श्री चरणी ने पांच-पांच विकेट हासिल किए। वहीं श्रीलंका की कविषा दिलहारी भी पांच विकेट लेकर अपनी टीम की सबसे सफल गेंदबाज रहीं।

टी-20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान टीम का ऐलान, गुलबदीन और नवीन की वापसी

काबुल,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की राष्ट्रीय चयन समिति ने बुधवार को भारत व श्रीलंका में होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार स्पिनर राशिद खान करेंगे, जबकि इब्राहिम जादरान को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। यही टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला में भी हिस्सा लेगी।

विश्व कप अभियान से पहले अफगानिस्तान की टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी, जिसकी मेजबानी अफगानिस्तान करेगा। यह श्रृंखला 19 से 22 जनवरी के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित की जाएगी। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी आलराउंडर गुलबदीन नैब और तेज गेंदबाज नवीन उल हक की वापसी हुई है। नवीन कंधे की चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं, जिससे अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिली है। बाएं हाथ के मध्यक्रम बल्लेबाज शाहिदुल्लाह कमाल और विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद इशाक ने अपनी जगह बरकरार रखी है। युवा तेज गेंदबाज अब्दुल्ला अहमदजई को भी मुख्य टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज

फजल हक फारूकी को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। युवा स्पिनर एएम गजनफर को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है। उनके साथ मध्यक्रम बल्लेबाज इजाज अहमदजई और युवा तेज गेंदबाज जिया उर रहमान शरीफी भी रिजर्व पूल में शामिल हैं।

एसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नसीब खान ने कहा कि पिछले टी-20 विश्व कप में अफगान टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। हमारे पास कई अच्छी यादें हैं और हमें उम्मीद है कि इस बार एशियाई परिस्थितियों में खेले जाने वाले टूर्नामेंट में टीम और भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज को लेकर कहा कि मजबूत टीम की मेजबानी हमें अपने संयोजन को परखने और विश्व कप के लिए बेहतर तैयारी का मौका देगी।

मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलैमानखी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में गहन चर्चा के बाद टीम का चयन किया गया है। गुलबदीन नैब बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। हमें नवीन उल हक के वापस आने की भी खुशी है, जिससे हमारी तेज गेंदबाजी बेहतर होगी।

अफगानिस्तान टीम (वेस्टइंडीज श्रृंखला और टी20 विश्व कप 2026)

राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), सिदीकुल्लाह अतल, दरवेश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नैब, मोहम्मद नबी, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, फजल हक फारूकी, अब्दुल्ला अहमदजई।

रिजर्व खिलाड़ी

एएम गजनफर, इजाज अहमदजई, जिया उर रहमान शरीफी।

विश्व कप में पूल डी में अफगानिस्तान - आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान को पूल डी में रखा गया है, जहां उसका सामना न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और कनाडा से होगा। अफगानिस्तान अपना पहला मुकाबला 8 फरवरी को चेन्नई में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

वितरक संघ ने सेबी से क्विक कॉमर्स आईपीओ पर हस्तक्षेप की मांग की

मुंबई,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्पाद वितरक संघ (एआईसीपीडीएफ) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को पत्र लिखकर घाटे वाली क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स कंपनियों के आईपीओ आवेदनों के खिलाफ नियामकीय हस्तक्षेप की मांग की है। संघ का कहना है कि ऐसी कंपनियों की रणनीतियों के कारण बाजार में वितरकों और छोटे व्यवसायों को लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। पत्र में बताया गया है कि कंपनियां भारी डिस्काउंट, जानबूझकर कम कीमत और नकद निवेश करके बाजार पर कब्जा कर रही हैं। इससे न केवल वितरक प्रभावित हुए हैं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला में भी व्यवधान आया है। एआईसीपीडीएफ का कहना है कि इन कंपनियों

बाजार में वितरकों और छोटे व्यवसायों को लगातार हो रहा नुकसान

को बार-बार निजी पूंजी निवेश से फंडिंग मिल रही है, जिससे उनके नुकसान को पूरा किया जा रहा है और छोटे व्यवसायों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

पत्र में उल्लेख है कि स्विगी और जोमैटो ने पहले ही आईपीओ और ओएफएस (ओपन ऑफर फॉर सेल) के माध्यम से शुरुआती निवेशकों को बाहर निकलने का मौका दिया है। अब जेप्टो ने 1.22 अरब डॉलर के आईपीओ के लिए सेबी में गोपनीय आवेदन जमा किया है। एआईसीपीडीएफ का कहना है कि यह संकेत है कि नकदी-खर्च करने वाली एक और क्विक-कॉमर्स कंपनी जल्द ही सार्वजनिक बाजार में आ सकती है। संघ ने सेबी से अनुरोध किया है कि आईपीओ अनुमोदन से पहले इस सेक्टर की प्रतिस्पर्धा और वित्तीय व्यवहार की समीक्षा की जाए। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि जेप्टो के खिलाफ सीसीआई में कोई जांच लंबित नहीं है, इसलिए आईपीओ में कानूनी बाधा नहीं है।

पांच वर्षों बाद सरकारी बैंकों में बढ़ी कर्मचारियों की संख्या

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के कर्मचारियों की संख्या में पांच वर्षों में पहली बार वृद्धि दर्ज की गई है। इसके विपरीत, इसी अवधि में निजी क्षेत्र के बैंकों में कर्मचारियों की संख्या में गिरावट देखने को मिली है। यह बदलाव बैंकिंग सेक्टर में रणनीतिक प्राथमिकताओं के परिवर्तन की ओर इशारा करता है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2025 तक सरकारी बैंकों में कर्मचारियों की संख्या सालाना आधार पर 0.22 प्रतिशत बढ़कर 7,57,641 हो गई। एक वर्ष पहले यह संख्या 7,56,015 थी। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है, जब पिछले कई वर्षों तक सरकारी बैंकों ने भर्तियों पर रोक लगाकर बैलेंस शीट सुधार, विलय (समेकन) और दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

गिग कामगारों की हड़ताल से ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवा प्रभावित

मुंबई। देश भर के गिग कामगार संगठनों ने 31 दिसंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। नए साल की पूर्व संध्या ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कारोबार के लिए सबसे व्यस्त समय माना जाता है। इस कारण हड़ताल से सेवाओं में व्यवधान आने की संभावना जताई जा रही है। जोमैटो और स्विगी सहित अधिकांश फूड एग्रीगेटर और क्विक कॉमर्स कंपनियां हड़ताल के प्रभाव को कम करने के लिए तैयारी में जुटी हैं। प्लेटफॉर्म अपने ऑपरेशन और सपोर्ट सिस्टम को बढ़ा रहे हैं ताकि डिलीवरी पार्टनर्स को सुरक्षा और सहायता मिल सके। जोमैटो ने डिलीवरी पार्टनरों के लिए आपातकालीन संपर्क, एसओएस बटन और त्वरित प्रतिक्रिया टीम तैयार की है। इटरनल (जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी) ने बताया कि पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। स्विगी अपने नेटवर्क रेस्टोरेंट्स के साथ लगातार संपर्क में है ताकि ऑर्डर की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित हो। संभावित व्यवधानों की स्थिति में रेस्टोरेंट्स अपने कर्मचारियों को तैनात कर डिलीवरी जारी रख सकते हैं। अन्य रेस्टोरेंट्स भी इसी रणनीति को अपना सकते हैं। कंपनियां अतिरिक्त कदम उठा रही हैं ताकि ग्राहकों को हड़ताल का कम से कम असर महसूस हो। ऑर्डर मैनेजमेंट और आपूर्ति समयसीमा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हालांकि, अन्य प्लेटफॉर्म्स जैसे जेप्टो, बिगबास्केट, एमेजॉन नाउ और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने इस संबंध में प्रतिक्रिया नहीं दी है।

लक्ज़री वाहन ब्रांड भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र में कर रहा प्रवेश

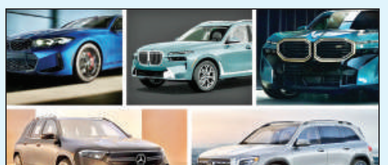

मुंबई। लोकप्रिय लक्ज़री वाहन कंपनियां मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को तलाश रही हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार मर्सिडीज-बेंज गुरुग्राम में लक्ज़री ब्रांडेड रिहायशी परियोजना के लिए कई डेवलपरों से बातचीत कर रही है। बीएमडब्ल्यू भी भारतीय डेवलपर्स के साथ चर्चा कर रही है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह सीधे ब्रांडेड परियोजना के लिए है या अपनी डिजाइन सलाहकार फर्म डिज़ाइनवर्क्स के माध्यम से। टोनिनो लैम्बोर्गिनी, जिन्होंने टोनिनो लैम्बोर्गिनी स्पा की स्थापना की, मुंबई और चेन्नई में दो रियल एस्टेट डेवलपर्स के साथ बातचीत अंतिम चरण में हैं। इंडस्ट्री विशेषज्ञों का मानना है कि लैम्बोर्गिनी परिवार की भारत में रुचि ने अन्य लक्ज़री कार ब्रांडों की बातचीत में तेजी ला दी है। नोएसिस कैपिटल एडवाइजर्स के एक अधिकारी के अनुसार प्रीमियम वेलनेस ब्रांड और यूरोपीय डिजाइन स्टूडियोज़ भी भारतीय रियल एस्टेट में रुचि ले रहे हैं। मर्सिडीज-बेंज के पास पहले से ही दुबई और मियामी में ब्रांडेड रिहायशी परियोजनाएं हैं। वहीं बीएमडब्ल्यू ने अभी तक वैश्विक स्तर पर कोई ब्रांडेड रिहायशी प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया है। भारत में 2026 तक इस तरह के सौदों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

बैंकिंग में सुरक्षा बढ़ी: म्यूल अकाउंट्स की रोकथाम के लिए ब्रांच वेरिफिकेशन जरूरी

मुंबई। हाल के वर्षों में साइबर ठगी में म्यूल अकाउंट्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। म्यूल अकाउंट ऐसे खाते होते हैं, जिनके जरिए ठगी से निकाले गए पैसे ट्रांसफर किए जाते हैं। इस बढ़ते खतरे के कारण बैंक अब डिजिटल अकाउंट खोलने में पूरी तरह भरोसा नहीं कर रहे। सरकार ने बैंक को केवल आधार और पैन कार्ड से डिजिटल सेविंग अकाउंट खोलने की अनुमति दी है। इन खातों में अधिकतम 1,00,000 रुपए जमा करने की सीमा है और इन्हें एक साल के भीतर फुल केवायसी खाते में बदलना अनिवार्य है। ई-केवाईसी की बजाय अब वीडियो-केवाईसी और ब्रांच वेरिफिकेशन को प्राथमिकता दी जा रही है। आईसीआईसीआई बैंक ने गैर-वेतनभोगी ग्राहकों के लिए इंस्टेंट अकाउंट सुविधा बंद कर दी है। एचडीएफसी बैंक नए एकीकृत मॉडल पर निवेश कर ग्राहक जोड़ रहा है। कई सरकारी बैंक भी ग्राहकों को नजदीकी शाखा में आने की सलाह दे रहे हैं, जिससे डिजिटल प्रक्रिया धीमी पड़ रही है। बैंकों की यह नई नीति म्यूल अकाउंट्स और साइबर फ्रॉड को रोकने के उद्देश्य से अपनाई गई है।

ईयू का कार्बन कर एक जनवरी से लागू

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

यूरोपीय संघ (ईयू) 1 जनवरी 2026 से इस्पात और एल्युमीनियम सहित कुछ धातुओं के आयात पर कार्बन सीमा समायोजन मैकेनिज़्म (सीबीएएम) लागू कर रहा है। यह कर उन उत्पादों पर लगाया जाएगा जिनके निर्माण में अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात उत्पादन में ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है, जबकि गैस आधारित डीआरआई में कम और स्क्रैप आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में सबसे कम। एल्युमीनियम के लिए बिजली का स्रोत अहम है; कोयले से बनी बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है और सीबीएएम लागत अधिक होती है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15-22 फीसदी तक की कटौती करनी पड़ सकती है। हालांकि कर सीधे भारतीय कंपनियों द्वारा नहीं देना होगा, ईयू आयातकों को प्रमाणपत्र खरीदना होगा, जिससे लागत अंततः भारतीय निर्यातकों पर आएगी। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा। केवल ईयू-मान्यता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ता स्वीकार किए जाएंगे। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रिया से छोटे निर्यातक बाजार से बाहर हो सकते हैं, जबकि कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है। भारत का ईयू को इस्पात और एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71 अरब डॉलर था, जो 2025 में घटकर 5.82 अरब डॉलर रह गया। भारत और ईयू के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते में सीबीएएम एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

गूगल-पे, फोन-पे और पेटीएम 1 जनवरी से नहीं होंगे बंद

नई दिल्ली। नए साल की तैयारियों के बीच सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर कुछ मैसेज तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि 1 जनवरी 2026 से गूगल पे, फोन पे जैसे यूपीआई ऐप्स पर लिमिट लगेगी या बंद हो जाएगा। इन दावों में कोई सच्चाई नहीं है। कुछ मैसेज में कहा जा रहा है कि गूगल पे और फोन पे पर 1 जनवरी से ट्रांजेक्शन लिमिट लागू होगी या ऐप काम करना बंद कर देगा। यह पूरी तरह गलत है। एनपीसीआई ने 30 फीसदी मार्केट शेयर की सीमा का नियम प्रस्तावित किया था, लेकिन इसे लागू करने की नई डेडलाइन 31 दिसंबर 2026 तय की गई है। इसका मतलब है कि अगले पूरे साल तक यूजर्स बिना किसी परेशानी के सभी यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक अन्य दावा यह है कि अगर एक साल तक ट्रांजेक्शन नहीं किया गया तो यूपीआई आईडी बंद हो जाएगी। जबकि सच्चाई यह है कि यह नियम 2023 से लागू है और केवल उन मोबाइल नंबर से जुड़े यूपीआई आईडीएस के लिए है जो अब उपयोग में नहीं हैं। अगर नंबर बदल चुका है और लंबे समय से ट्रांजेक्शन नहीं हुआ है, तभी यूपीआई आईडी डिएक्टिव हो सकती है। बैंक या ऐप पहले इसकी सूचना भी भेजते हैं। सोशल मीडिया पर यह भी कहा जा रहा है कि पेन-आधार लिंक न होने पर बैंक खाता फ्रीज हो जाएगा और यूपीआई बंद हो जाएगा। यह दावा भी गलत है। अगले पूरे साल तक यूजर्स सभी यूपीआई ऐप्स का कर सकते हैं इस्तेमाल पेन लिंक न होने से केवल टीडीएस अधिक कट सकता है और टैक्स रिफंड में समस्या आ सकती है, लेकिन यूपीआई सेवाओं पर इसका कोई असर नहीं होता।

नवी मुंबई हवाई अड्डे पर टेलीकॉम आरओडब्ल्यू विवाद

मुंबई,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

दूरसंचार कंपनियों के संगठन (सीओएआई) ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) पर राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) की अनुमति न दिए जाने और अत्यधिक शुल्क लगाने का आरोप लगाते हुए दूरसंचार विभाग (डीओटी) से हस्तक्षेप की मांग की है। आरओडब्ल्यू यानी कि टेलीकॉम कंपनियों को किसी संपत्ति पर नेटवर्क अवसंरचना स्थापित करने और संचालन का अधिकार।

सीओएआई के अनुसार, भारती एयरटेल, रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया ने हवाई अड्डे में आईबीएस स्थापित करने की

सीओएआई ने विभाग से हस्तक्षेप की मांग की

अनुमति मांगी थी, लेकिन हवाई अड्डे ने नियमों के विपरीत अनुमति नहीं दी। सीओएआई का आरोप है कि हवाई अड्डा कंपनियों को अपने नेटवर्क का अनिवार्य उपयोग करने को कह रहा है और इसके लिए प्रति ऑपरेटर लगभग 92 लाख रुपये प्रतिमाह शुल्क मांगा जा रहा है। चार ऑपरेटरों के लिए यह लगभग 44.16 करोड़ रुपये सालाना बनता है, जो व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक है।

संगठन ने दूरसंचार विभाग से आरओडब्ल्यू की अनुमति सुनिश्चित करने और कथित एकाधिकार व्यवस्था की जांच की मांग की है। अदाणी समूह के स्वामित्व वाले एनएमआईए ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मोबाइल नेटवर्क के लिए आईबीएस अवसंरचना सरकारी कंपनी बीएसएनएल पहले से ही परीक्षण के उन्नत चरण में स्थापित कर रही है।

दिसंबर में भारत का रूस से तेल आयात गिरा

मुंबई। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रह सकता है, जो नवंबर के 18.4 लाख बीपीडी से काफी कम है। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट संरचनात्मक नहीं, बल्कि अल्पकालिक बाधाओं के कारण हुई है। रूस के प्रमुख निर्यातक रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई और यूरोपीय संघ के प्रतिबंध मुख्य कारण हैं। भारतीय रिफाइनरियां अभी भी गैर-प्रतिबंधित स्रोतों से रूसी तेल खरीद रही हैं, लेकिन प्रमुख रिफाइनरियों ने प्रतिबंधों के कारण खरीद घटा दी है। विश्लेषकों का कहना है कि जनवरी से नए बिचौलियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनःस्थापित होने से आयात धीरे-धीरे बढ़ सकता है। भारत अभी भी रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बना हुआ है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी कीमत घटी

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में साल के आखिरी दिन बुधवार को जबरदस्त गिरावट नजर आ रही है। सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोना और चांदी के भाव में जोरदार कमी आई है। माना जा रहा है कि ग्लोबल मार्केट में पिछले लगातार दो सत्र के दौरान हुई जोरदार मुनाफा वसूली के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में कमजोरी आ गई। सर्राफा बाजार में हाजिर सोना 2,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह हाजिर चांदी की कीमत भी 5,540 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम हो गई है।

कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,36,190 रुपये से लेकर 1,36,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,24,840 रुपये से लेकर 1,24,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी जबरदस्त कमी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,36,340 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,36,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,36,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,24,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,36,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,24,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,36,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,36,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,36,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,24,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,36,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,24,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,36,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,24,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,31 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दूसरे दिन दबाव बना हुआ नजर आया। बिकवाली के दबाव के साथ ही सीमित दायरे में कारोबार होने की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,900.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.20 प्रतिशत टूट कर 23,427.18 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 48,417.05 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण यहां के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,952.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.92 प्रतिशत उछल कर 8,187.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 375.28 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 24,726.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से चार के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण कोस्पी इंडेक्स और सेट कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,154 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 252.85 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की छलांग लगा कर 28,959.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 8,646.94 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 187.44 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 50,339.48 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत फिसल कर 3,962.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 272.60 अंक यानी 1.05 प्रतिशत लुढ़क कर 25,582 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत टूट कर 4,645.81 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 01 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

ईसीआईएल की भारतीय विज्ञान सम्मेलन में सहभागिता

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन, में सहभागिता की। इस सम्मेलन का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबु नायुडु तथा केन्द्रीय मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार डॉ. जितेन्द्र सिंह की गरिमामयी

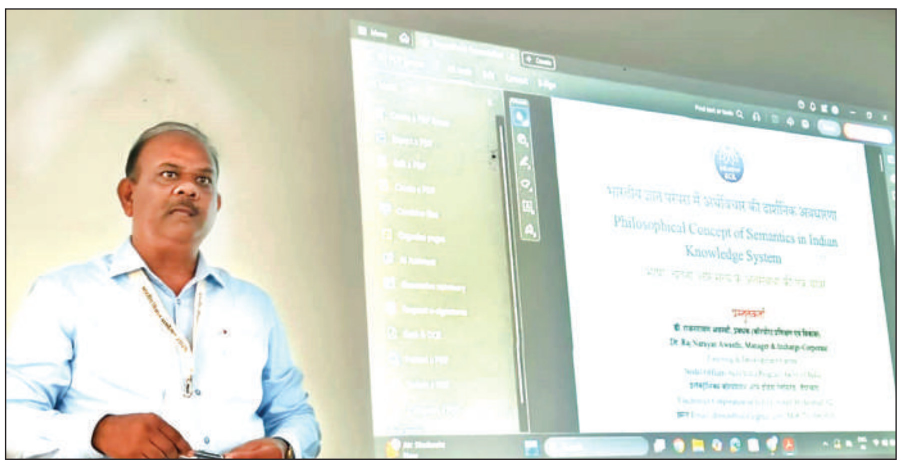

उपस्थिति में किया। इस सम्मेलन में देश भर के विभिन्न राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने विशेष रूप से आईआईटी, आईएससी, डीआरडीओ, एनआईटी तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर तथा छात्रों ने सहभागिता की। इस चार दिवसीय कार्यक्रम में शोधपत्र प्रस्तुति, पोस्टर प्रस्तुति, विषय विशेषज्ञ वार्ता, चैनल वार्ता तथा औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सम्मेलन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भाषा एवं भाषाविज्ञान, कंप्यूटर साइंस, पुरातत्व, प्रदर्शनकारी कला, स्थापत्य कला, क्वांटम भौतिकी तथा भारती ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) से संबंधित विषयों पर शोधपत्रों की प्रस्तुति की गई। इस सम्मेलन में ईसीआईएल के प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के सदस्य-सचिव, डॉ. राजनारायण अवस्थी ने भारतीय ज्ञान प्रणाली में विचार की दार्शनिक अवधारणा विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध छात्र तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के भाषाविज्ञान के अध्येता उपस्थित थे। प्रस्तुति के अंत में भाषा विज्ञान के महत्वपूर्ण पक्ष अर्थविज्ञान पर उपस्थित प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे।

ऋषि शृंग भवन में सिखवाल समाज नागौर पट्टी द्वारा राजस्थानी ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम लाला एवं महामंत्री रामदेव नागला का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, कांतिलाल नागला, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, विजय शर्मा पांडिया, गोपाल ओझा, अमर जायलवाल, सुमित जायलवाल सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं महेश बैंक के वाईस चेयरमैन गोविंदनारायण राठी के 75वें जन्मदिवस पर उन्हें शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए परशुराम सेवा मंडल के अध्यक्ष नवरतन इंदौरिया, नितिन नंदकर, बालाजी हिवरे, अशोक कटला, सुमित राठी, घनश्याम तोषनीवाल, संजय वाडीकर, आदित्य हिवरे, मयंक हिवरे, लोकेश इंदौरिया, गोपाल वकोडे, धुरपत नरहिरे, शिवांश हिवरे, रोहन जोशी एवं अन्य।

श्री जगन्नाथ मठ जीरा सीतारामबाग द्वारा प्रकाशित कैलेन्डर का विमोचन एवं वितरण किया गया । इस अवसर पर उपस्थित मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य, गौरत्न जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, श्रीगोपाल सोनी, मेघराज अग्रवाल, वेणुगोपाल खंडेलवाल, नारायणदास भारतीय, जितेन्द्र अवस्थी, राहुल अवस्थी, आलोक तिवारी, दुर्गाप्रसाद दुबे, रमेश मोदानी, सत्यनारायण सदीवाल, गोविन्द राठी, तरूण महेता व अन्य।

जीएचएमसी में प्रशासनिक मजबूती

दो आईएएस अधिकारियों ने अतिरिक्त आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के नागरिक प्रशासन को मजबूत करने और विभिन्न जोनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से बुधवार को दो आईएएस अधिकारियों, जी. सृजना और विनय कृष्ण रेड्डी ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम मुख्यालय में अतिरिक्त आयुक्त के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया।

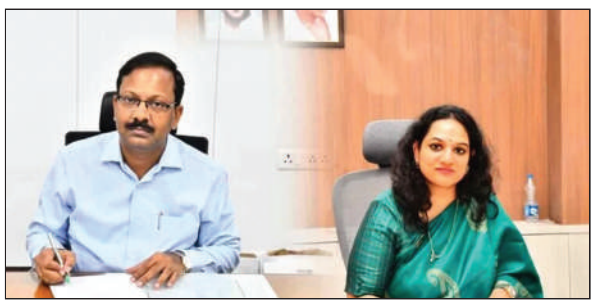

कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, दोनों अधिकारियों को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गईं ताकि नागरिक कार्यों की निगरानी सुचारू रूप से की जा सके।

विनय कृष्ण रेड्डी को मल्काजगिरी, एल.बी. नगर और उप्पल जोनों की जिम्मेदारी दी गई है। इन तेजी से बढ़ते आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में नागरिक सेवाओं की कड़ी निगरानी की आवश्यकता है।

जी. सृजना को कूकटपल्ली, कुतबुल्लापुर और शेरिलिंगमपल्ली जोनों का प्रशासन सौंपा गया है। ये हैदराबाद के सबसे घनी आबादी वाले और आर्थिक रूप से सक्रिय क्षेत्र हैं, जहाँ बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए प्रभावी शासन अनिवार्य है।

कमिश्नर आर.वी. कर्णन के साथ प्राथमिकताओं पर चर्चा

औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने से पहले, दोनों आईएएस अधिकारियों ने जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान प्रशासनिक प्राथमिकताओं और शहर के मौजूदा नागरिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई, ताकि नगर निकाय के भीतर एक समन्वित कार्यप्रणाली सुनिश्चित की जा सके।

जीएचएमसी अधिकारियों के अनुसार, इन नई नियुक्तियों से फील्ड-लेवल की निगरानी मजबूत होगी और जोनल कार्यालयों व केंद्रीय प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल बनेगा। यह कदम हैदराबाद भर में चल रही नागरिक परियोजनाओं के त्वरित निर्णय लेने और उनके प्रभावी कार्यान्वयन में सहायक सिद्ध होगा।

मानवता के संस्कार सीखने का माध्यम है राधे-राधे ग्रुप : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप मानवता, सेवा और संस्कार के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यह ग्रुप समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य निरंतर कर रहा है।इस सेवा कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, गौरव गोयल, मनीष अग्रवाल, राजेश नथानी, अनीता नथानी, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, कमला देवी कुमावत, उमाकांत जी गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल एवं भगतराम गोयल की विशेष उपस्थिति रही।

इसके अतिरिक्त राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी सदस्यों ने सेवा को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य कार्य से जोड़ने का संकल्प लिया।

स्माइल विद सनराइज 3.0 का आयोजन

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद एवं तेरापंथ किशोर मंडल, हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति में सामाजिक सेवा कार्यक्रम स्माइल विद सनराइज 3.0 का सफल आयोजन 31 दिसंबर 2025 को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य प्रातःकाल जरूरतमंद लोगों के बीच फल वितरण कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना एवं मानव सेवा के प्रति जागरूकता फैलाना था।

इस सेवा अभियान में 10 से अधिक किशोरों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और 50 से अधिक जरूरतमंद लोगों को फल वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन सह-सहयोजक रुद्र बैद, ग्रीन ब्रिगेड सदस्य सौरभ बैद, समिति सदस्य कृष्णा दुगर, रोनक सुराणा, रोनक नाहटा एवं ह्रदेश सेठिया द्वारा किया गया।

सभी सदस्यों ने समर्पण, अनुशासन एवं सेवा भावना के साथ इस अभियान को सफल बनाया।

स्माइल विद सनराइज 3.0 कार्यक्रम ने समाज में करुणा, सहयोग एवं मानवता का संदेश दिया। इस सेवा कार्य से न केवल जरूरतमंदों को सहायता मिली, बल्कि किशोरों में सामाजिक उत्त-रदायित्व एवं सेवा संस्कार भी सुदृढ़ हुए। तेरापंथ युवक परिषद एवं तेरापंथ किशोर मंडल हैदराबाद द्वारा किए गए इस प्रयास की सर्वत्र सराहना की जा रही है।

अग्रवाल समाज मलकपेट युवा मोर्चा द्वारा बॉक्स क्रिकेट का आयोजन

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट युवा मोर्चा शाखा द्वारा बॉक्स क्रिकेट का आयोजन मलकपेट स्थित बॉक्स में किया गया जिसमें शाखा के सभी सदस्यों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। शाखा के युवाओं ने बॉक्स क्रिकेट में बढ़चढ़कर भागीदारी की, जिससे सामाजिक एकता मजबूत हुई। यह आयोजन पूर्व घोषित कार्यक्रमों के अनुरूप था और सदस्यों के बीच उत्साह का संचार किया।

16वें वार्षिकोत्सव की भजन संध्या

आगामी कार्यक्रम में अग्रवाल समाज मलकपेट युवा मोर्चा शाखा द्वारा श्री श्याम भजन संध्या का 16वां वार्षिकोत्सव दिनांक 10/01/2026 को रात्रि 08:01 बजे से शुभकारी फंक्शन हॉल, डी-मार्ट के बाजू, मलकपेट, हैदराबाद में श्री श्याम सत्संग समिति हैदराबाद के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। इसमें दिल्ली से सुप्रसिद्ध भजन गायिका ट्विंकल शर्मा, भाग्यनगर से सुनील शर्मा एवं रोहन अग्रवाल द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस पावन अवसर पर अग्रवाल समाज मलकपेट युवा मोर्चा समस्त अग्रबंधुओं एवं श्याम प्रेमियों से सपरिवार पधार कर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए नव वर्ष का शुभारंभ करने का विनम्र आग्रह करता है। यह कार्यक्रम नववर्ष के स्वागत में भव्य रूप से मनाया जाएगा।

सेवा और संस्कार का जीवंत उदाहरण है राधे राधे ग्रुप : अनीता नथानी

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क में आयोजित नियमित सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती अनीता नथानी ने कहा कि राधे राधे ग्रुप सेवा और संस्कार का अद्भुत संगम है।उन्होंने कहा कि ग्रुप द्वारा निरंतर किया जा रहा निः स्वार्थ सेवा कार्य समाज में मानवीय मूल्यों को मजबूत करता है और जरूरतमंदों के लिए संबल बन रहा है। यह ग्रुप बिना किसी भेदभाव के सेवा भावना से कार्य कर रहा है, जो वास्तव में प्रेरणादायक है।इस सेवा कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, ई-जगन (चंपापेट), रणधीर, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, गौरव गोयल, राजेश नथानी, अनीता नथानी, मयारामजी अग्रवाल, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का छठा दिन : गोवर्धन लीला और रुक्मिणी विवाह का दिव्य प्रसंग

निजामाबाद में संगीतमय कथा से भक्तिमय हुआ वातावरण

निजामाबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठे दिन वृंदावन धाम, महेश्वरी भवन स्थित व्यास पीठ से परम पूज्य कमलेशजी महाराज (पुना निवासी) ने मधुर वाणी एवं संगीतमय शैली में कथा का रसपान कराया। कथा के दौरान उन्होंने भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन सुनाया।कथा में बताया गया कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार को चूर करते हुए गिरिराज गोवर्धन पर्वत उठाकर बृजवासियों की रक्षा की। इसके साथ ही गोपियों के साथ रास लीला का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।छठे दिन की कथा में भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के विवाह का भी सुंदर प्रसंग प्रस्तुत किया गया। कथा के समापन पर विधिवत आरती संपन्न हुई, जिसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का वातावरण बना रहा।

भारत का पहला एआई-आधारित डिजिटल केयर प्लेटफॉर्म

ज्वाइंट रिप्लेसमेंट के क्षेत्र में नई क्रांति

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लैंडमार्क हॉस्पिटल्स, हैदराबाद ने वरिष्ठ ज्वाइंट रिप्लेसमेंट और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. के. सुधीर रेड्डी के नेतृत्व में, माईमोबिनिटी लॉन्च करने की गर्वपूर्ण घोषणा की है। यह टोटल नी (घुटना), हिप (कूल्हा) और शोल्डर (कंधा) रिप्लेसमेंट रोगियों के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सक्षम डिजिटल केयर प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत में पहली बार पेश किया गया है।

जिमर बायोमेट इंटरनेशनल द्वारा विकसित और अमेरिका व यूरोप में व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले माईमोबिलिटी को अब डॉ. के. सुधीर रेड्डी और उनकी विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक टीम द्वारा लैंडमार्क हॉस्पिटल्स में लागू किया गया है।

यह पहल भारतीय रोगियों के लिए डिजिटल और रोबोटिक ज्वाइंट केयर के वैश्विक मानकों को करीब लाती है।

यह उन्नत प्लेटफॉर्म सर्जरी से पहले की तैयारी से लेकर पूर्ण स्वस्थ होने तक एंड-टू-एंड डिजिटल देखभाल प्रदान करता है। इसकी मुख्य खूबियों में-रोगी के रिकवरी डेटा की सटीक भविष्यवाणी और निगरानी।

उन रोगियों की जल्द पहचान करना जिन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है। सटीक होम-बेस्ड असेसमेंट के कारण अस्पताल के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी और वैश्विक और क्षेत्रीय डेटा तुलना के माध्यम से उपचार के परिणामों में सुधार।

यह अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट तकनीक के साथ सहजता से एकीकृत हो जाता है।

इसके माध्यम से सर्जरी न केवल सुरक्षित होती है, बल्कि रोगियों को तेजी से रिकवरी और लगातार बेहतर परिणाम मिलते हैं।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना हमारा सौभाग्य : विनोद तोषनीवाल

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान बुधवार को अपने विचार साझा करते हुए समाजसेवी विनोद तोषनीवाल ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमें राधे-राधे ग्रुप जैसे सेवा भाव से प्रेरित संगठन से जुड़कर समाज सेवा के कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर अन्नदान एवं गौसेवा जैसे पुनीत कार्य किए जा रहे हैं, जो मानवता की सच्ची सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ऐसे सेवा कार्य समाज में संस्कार, सहयोग और करुणा की भावना को मजबूत करते हैं।इस अवसर पर उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता, जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके मार्गदर्शन और सतत प्रयासों से ही यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, वंश अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, अनिल भाई, गोविंद राम जी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल एवं पूजा सांघी की सक्रिय उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की।

भाजपा नेता एवं महेश बैंक के वाईस चेयरमैन गोविंद राठी के 75वें जन्म दिन पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए राजेश करवा, डॉ. भगवंत राव, कमल मोदानी एवं अमित लड्डा।

नव नियुक्त साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ. रमेश रेड्डी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कांतिलाल कोठारी एवं मनोज कोठारी।

राजस्थान प्रदेश ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष बने डॉ. महेंद्र कुमावत

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर के निर्देशानुसार विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा की गई। इसी क्रम में जैतारण के निमाज निवासी डॉ. महेंद्र कुमावत को भारतीय जनता पार्टी के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। डॉ. महेंद्र कुमावत की नियुक्ति की खबर मिलते ही तेलंगाना में कुमावत समाज सहित विभिन्न क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। समाज के लोगों ने इसे गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

हैदराबाद में प्रवासी भाजपा सदस्य सी. आर. कुमावत, तेलंगाना कुमावत समाज के

सोनाराम तिलायचा, धर्मीचंद डेया, बुधाराम, सोहनलाल मानणीया, पारसमल रेनवाल, नारायण लाल घोडावड़, राजूराम बाकरेचा, दिनेश बाकरेचा, रमेश घोडावड़ सहित अन्य प्रवासी समाजजनों ने डॉ. महेंद्र कुमावत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। सभी ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में ओबीसी मोर्चा को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, राम सिंह पुरा में वैकुंठ एकादशी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (मठ), राम सिंह पुरा, कारवान, हैदराबाद में मंगलवार, 30 दिसंबर, 2025 को वैकुंठ एकादशी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और भक्तों की आस्था से सराबोर रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी के पदाधिकारियों, सदस्यों, महिलाओं एवं नवयुवकों का सराहनीय सहयोग सदैव की भाँति प्राप्त हुआ।

केबीआर पार्क में की गई इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना, नववर्ष का हर्षोल्लास के साथ स्वागत

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में आयोजित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती के अवसर पर पधारे सभी भक्तों को राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सभी भक्तों के लिए लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य एवं धन-समृद्धि की कामना की।बुधवार को पूजा-आरती में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़ेगाँव वाले), विजय कुमार थुम्बी, सुदर्शन रेड्डी, प्रवीण अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल (सरायवाला), डॉ. राधा कृष्ण, सुभाष अग्रवाल, कैलाश डांडू, रुंगताजी, विनोद टिकमानी, मोहन लाल मित्तल, अशोक लाखोटिया, सेशय्या गारु (यजमान), संध्या रानी अग्रवाल, विजया रानी, दीपा अग्रवाल, संतोष बाई अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। भक्तों ने भगवान गणेश की आराधना कर नव कैलेंडर वर्ष का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया और एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम ने आपसी सद्भाव और धार्मिक आस्था को और अधिक सशक्त किया।

सीरवी समाज कोरेमुला बडेर के मुख्य द्वार पर विधिविधान के साथ शीला पूजा एवं अर्चना का आयोजन किया गया।इस अवसर पर समाज के संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालूराम काग, सह सचिव राजाराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सलाहकार पुनाराम हाम्बड़, हुक्माराम सेपटा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार पर तेलंगाना एसीबी सख्त

2025 में 199 मामले दर्ज, 176 सरकारी कर्मचारियों सहित 273 गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने वर्ष 2025 के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी मुहिम को तेज करते हुए 199 मामले दर्ज किए हैं। बुधवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की महानिदेशक चारू सिन्हा द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इन मामलों में 273 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। कुल मामलों में से 157 मट्रैप केसफ (रंगे हाथ पकड़ने के मामले) थे, जिनमें 224 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 176 सरकारी कर्मचारी ऐसे थे जिन्हें रिश्वत मांगते या स्वीकार करते हुए पकड़ा गया।ब्यूरो ने सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के 15 मामले और आपराधिक कदाचार के 26 मामले दर्ज किए, जिनमें 34 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मामलों के पंजीकरण के अलावा, एसीबी ने भ्रष्टाचार के आरोपों में 26 नियमित पूछताछ की और सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों, आरटीओ चेक पोस्ट, कल्याणकारी हॉस्टलों और अन्य सार्वजनिक कार्यालयों जैसे संवेदनशील स्थानों पर 54 औचक निरीक्षण किए। वर्ष के दौरान, ब्यूरो ने सरकार से 115 अभियोजन

स्वीकृति आदेश प्राप्त किए और आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए।

2025 में दर्ज 158 ट्रैप मामलों में, एसीबी ने अवैध परितोषण के रूप में 57.17 लाख जब्त किए, जिसमें से 35.89 लाख शिकायतकर्ताओं को वापस कर दिए गए। इसके अलावा, आय से अधिक संपत्ति के 15 मामलों में 96.13 करोड़ मूल्य की संपत्तियों का खुलासा किया गया।

यह पहचानते हुए कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के लिए कुशल जनशक्ति की आवश्यकता है, 2025 में मक्षमता निर्माणफ पर विशेष ध्यान दिया गया। 73 अधिकारियों ने बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त किया, जबकि निगरानी तकनीक, वित्तीय जांच, डिजिटल लेनदेन के सुराग ढूंढने, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम और आय से अधिक संपत्ति के मामलों की कानूनी बारीकियों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस वर्ष का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर 3 से 9 दिसंबर, 2025 तक भ्रष्टाचार निरोधक सप्ताह का आयोजन था। इस दौरान महानिदेशक चारू सिन्हा (आईपीएस) ने क्यूआर कोड-आधारित शिकायत पंजीकरण प्रणाली लॉन्च की। यह एक नागरिक-अनुकूल पहल है जिसे विशेष रूप से दूर-दराज के क्षेत्रों के लोगों के लिए सुरक्षित रूप से और बिना किसी बिचौलिए के शिकायत दर्ज करने हेतु बनाया गया है। इस सप्ताह के दौरान व्यापक जन जागरूकता गतिविधियाँ, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं और जिलों में रैलियां भी आयोजित की गईं, जिनमें जनता की सक्रिय भागीदारी रही।

हैदराबाद में 3 जनवरी को दिखेगा वुल्फ सुपरमून

2026 की पहली बड़ी खगोलीय घटना

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। खगोल विज्ञान के प्रेमियों और आकाश निहारने वालों के लिए नए साल की शुरुआत शानदार होने वाली है। साल 2026 की पहली बड़ी खगोलीय घटना के रूप में वुल्फ सुपरमून (Wolf SupeA°moon) दस्तक देने जा रहा है। चंद्रमा 01 से 4 जनवरी के बीच असामान्य रूप से बड़ा और चमकीला दिखाई देगा, जिसका चरम दृश्य 03 जनवरी की शाम को देखने को मिलेगा।नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के अनुसार, सुपरमून तब होता है जब पूर्णिमा का चंद्रमा पृथ्वी के अपने निकटतम बिंदु पर होता है। इस दौरान, चंद्रमा की डिस्क सामान्य पूर्णिमा की तुलना में लगभग 14% बड़ी और लगभग 30% अधिक चमकदार दिखाई दे सकती है। हैदराबाद में, 03 जनवरी को चंद्रोदय शाम को लगभग 05:52 बजे होने की संभावना है। यह समय सूर्यास्त के ठीक बाद के ब्लू ऑवर के साथ मेल खाएगा, जो फोटोग्राफरों के लिए अद्भुत दृश्य और अनुकूल परिस्थितियाँ पेश करेगा।

वुल्फ मून नाम यूरोपीय और मूल अमेरिकी लोककथाओं में निहित है, जो मध्य-सर्दियों की उन रातों से जुड़ा है जब माना जाता था कि भेड़िये अधिक बार चिल्लाते हैं। हालांकि दक्कन के पठार पर ऐसे किसी दृश्य की उम्मीद नहीं है, लेकिन शहर के निवासी टैंक बंड और दुर्गम चेरुवु जैसे लोकप्रिय स्थलों पर चांदनी का आनंद ले सकते हैं।

बेहतर और स्पष्ट दृश्य के लिए, विशेषज्ञों का सुझाव है कि घनी धुंध और ऊंची इमारतों के समूहों से दूर किसी खुले या ऊंचे स्थानों पर जाएं। इसमें हुसैन सागर और बिरला तारामंडल के पास नौबत पहाड़ जैसे स्थान शामिल हैं। कुछ खगोल प्रेमी गहरे और साफ आसमान के लिए गंडीपेट की यात्रा की भी योजना बना रहे हैं। इस घटना को देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं है और पूरे तेलंगाना में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है।

धूलपेट के बाबा बालक दास मठ में वैकुंठ एकादशी के उपलक्ष पर आयोजित कार्यक्रम में अन्न प्रसाद ग्रहण करते हुए श्रद्धालु।

तेलंगाना डीसीए का नकली दवाओं पर कड़ा प्रहार

2025 में 1.39 करोड़ की औषधियाँ जब्त

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने वर्ष 2025 के दौरान नियामक सतर्कता और प्रवर्तन कार्यवाही में भारी वृद्धि की है। बुधवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट-2025 के अनुसार, विभाग ने इस साल 244 जब्ती अभियान चलाए और बाजार में 84 मानक से कम दवाओं का पता लगाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने विनिर्माण इकाइयों, थोक व खुदरा दुकानों और ब्लड सेंटरों में 28,816 निरीक्षण किए। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के उल्लंघन के लिए 5,278 नियामक कार्रवाइयां की गईं, जिनके परिणामस्वरूप 217 मामलों में दोषसिद्धि हुई।

नकली दवा रैकेट का भंडाफोड़ और रिकॉर्ड गिरफ्तारियां

वर्ष 2025 के दौरान जब्त की

गई दवाओं का कुल मूल्य 1.39 करोड़ रहा। इसमें नकली दवाएं, एक्सपायरी दवाएं, प्रतिबंधित फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन और अवैध रूप से संग्रहीत दवाएं शामिल थीं। विभाग ने छह बड़े नकली दवा रैकेट का भंडाफोड़ किया और तेलंगाना में नकली दवाओं की आपूर्ति करने वाले अवैध अंतरराज्यीय नेटवर्क का पता लगाया।

हैदराबाद, सिकंदराबाद और करीमनगर में की गई छापेमारी में चेपींशज्ञ-LC, Rosuvas- F Am¡a Levipil-500 जैसी प्रसिद्ध दवाओं के नकली संस्करण जब्त किए गए। तेलंगाना डीसीए के इतिहास में पहली बार, नकली दवा के मामलों में चार डीलरों को गिरफ्तार किया गया, जो विभाग के जीरो-टोलरेंस दृष्टिकोण को दर्शाता है। साथ ही, पुलिस और आबकारी विभाग के साथ संयुक्त अभियानों में उत्तर प्रदेश से तस्करी कर लाई गई 1.2 लाख अल्प्राजोलम गोलियां और अवैध कोडीन सिरप भी जब्त किए गए।

विनिर्माण मानकों में कड़ाई और वैश्विक सहयोग

तरल दवाओं में एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे विषाक्त पदार्थों के संदूषण को रोकने के लिए जोखिम-आधारित निरीक्षण शुरू किए गए। नियमों का पालन न करने पर 34 इकाइयों को उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया और 16 इकाइयों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। चूंकि तेलंगाना भारत के कुल फार्मा उत्पादन में 35% का योगदान देता है और इसे मबल्क ड्रग कैपिटलफ माना जाता है, इसलिए वैश्विक गुण-वत्ता मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

इस दिशा में डीसी तेलंगाना ने अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएस एफडीए) के साथ सहयोग बढ़ाया।

विभाग के अधिकारियों ने राज्य में आयोजित 13 यूएस एफडीए निरीक्षणों में पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, यूएस एफडीए और इथियोपिया के प्रतिनिधिमंडलों ने हैदराबाद स्थित डीसीए कार्यालय का दौरा किया, जो तेलंगाना के नियामक ढांचे में बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाता है।

प्रयोगशाला विस्तार और सार्वजनिक जागरूकता अभियान

तेलंगाना की औषधि नियंत्रण प्रयोगशाला ने अपनी एनएबीएल मान्यता बरकरार रखी और परीक्षण क्षमता बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार किया। विभाग ने जनता को जागरूक करने के लिए नकली दवाओं, एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस और क्यूआर-कोड सत्यापन पर परामर्श जारी किए। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए आधिकारिक मएक्सफ हैंडल (CATelangana) भी लॉन्च किया गया।

रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए, महानिदेशक शाहनवाज कासिम, आईपीएस ने कहा कि ये कड़े प्रवर्तन कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और रोगियों को असुरक्षित दवाओं से बचाने के लिए राज्य सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

कच्छी क्रिकेट क्लब द्वारा आगामी 4 जनवरी को सुलतान बाजार स्थित हनुमान व्यायामशाला मे आयोजित गौरव कप - कच्छी प्रीमियर लीग में भाग लेने हेतु श्री कच्छी मित्र मंडल अध्यक्ष हेमांग मोमाया, स्पोनसर्स गौरव मोमाया, भरत सावला रमणीक नागडा, मनोज नागडा, जयंत गडा, रिद्धीश जागीरदार, जिगर नेमचंद गाला, प्रणय वोरा को निमंत्रीत करते हुए कुणाल हरिया, धीरेन धरोड, निकेश देढिया ।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत

लंबित बिलों के भुगतान हेतु 713 करोड़ जारी

हैदराबाद, 31 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के दिसंबर माह के लंबित बिलों के भुगतान के लिए 713 करोड़ की राशि जारी कर दी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने इस राशि को जारी करने के आदेश दिए थे। उनके निर्देशों का पालन करते हुए, वित्त विभाग ने बुधवार को बिलों का भुगतान क्लियर कर दिया। इस कदम का उद्देश्य लंबे समय से लंबित बकाया राशि का निपटान करना और कर्मचारियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना है।

यह उल्लेखनीय है कि प्रजा सरकार ने पहले ही कर्मचारी यूनियनों को नियमित वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया था। सरकार ने वादा किया था कि लंबित बिलों के भुगतान के लिए हर महीने 700 करोड़ जारी किए जाएंगे। इस

प्रतिबद्धता के तहत, जून के अंत तक सरकार ने 183 करोड़ जारी किए थे। हालांकि, बाद में अधिकारियों ने धन का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित किया। अगस्त से, हर महीने न्यूनतम 700 करोड़ की राशि लगातार जारी की जा रही है। 713 करोड़ की यह नवीनतम रिलीज कर्मचारी यूनियनों को दिए गए मासिक आश्वासन के अनुरूप है। अधिकारियों ने कहा कि यह नियमित अभ्यास न केवल पुराने बकाये को कम करता है बल्कि कर्मचारियों के बीच विश्वास भी बढ़ाता है।जारी किए गए इन बिलों में कर्मचारियों के कल्याण और सेवानिवृत्ति से संबंधित महत्वपूर्ण घटक शामिल हैं। इसमें मुख्य रूप से ग्रेच्युटी, सामान्य भविष्य निधि, सरेंडर लीव एनकैशमेंट (अवकाश नकदीकरण) और अग्रिम से संबंधित भुगतान शामिल हैं। ये लाभ उन कर्मचारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं जो अपनी व्यक्तिगत और वित्तीय योजनाओं के लिए इन भुगतानों पर निर्भर हैं।

वित्त विभाग के अधिकारियों ने दोहराया कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ऐसे बिलों को प्रोसेस करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अधिकारियों ने फिर से स्पष्ट किया कि आश्वासन के अनुसार निरंतर मासिक रिलीज जारी रहेगी। सरकार का मानना है कि नियमित भुगतान से बकाया राशि जमा नहीं होगी और इससे कर्मचारियों व प्रशासन दोनों पर दबाव कम होगा। दिसंबर के लिए 713 करोड़ की यह रिलीज कर्मचारी भुगतानों में निरंतरता बनाए रखने की सरकारी नीति को और मजबूत करती है।

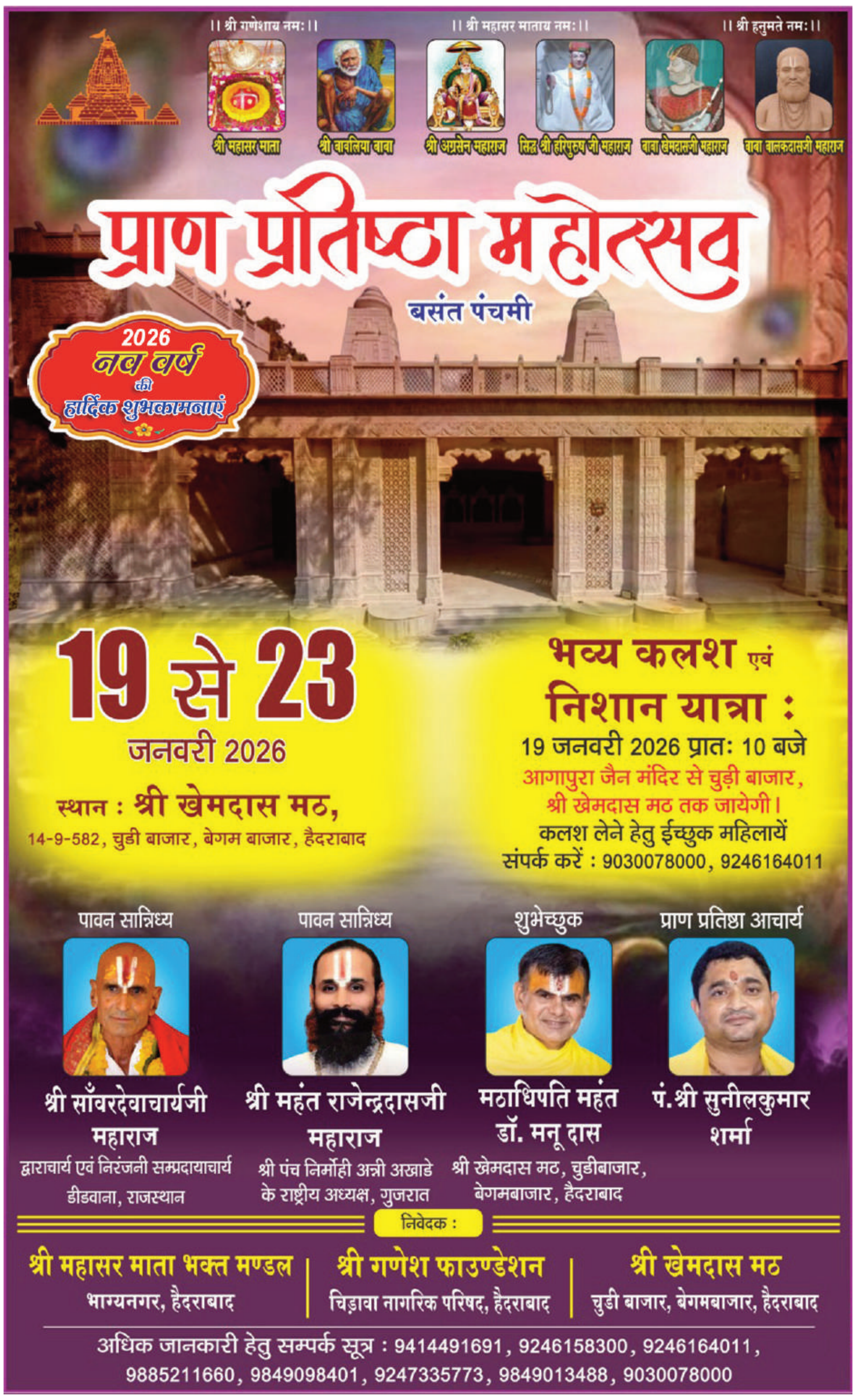

कार्टून कॉर्नर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.